THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 241 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.8 2081 शनिवार, 23 नवंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

ग्रेप-4 को तीन और दिनों के लिए बढ़ाने के निर्देश

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में प्रदुषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की। उन्होंने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में ट्रकों के प्रवेश को लेकर दिल्ली सरकार से सवाल किया।

जस्टिस अभय एस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि हमारे लिए यह मान लेना बहुत मुश्किल है कि दिल्ली में ट्रकों का प्रवेश बंद कर दिया गया है। पीठ ने आगे कहा, 'हम केंद्र को ट्रकों के प्रवेश पर नजर रखने के लिए 113 स्थानों पर पुलिस कर्मियों की तैनाती करने का निर्देश देने का प्रस्ताव रखते हैं।' दिल्ली सरकार के वकील ने पीठ को बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में कुल 113 प्रवेश बिंदु हैं जिनमें से 13 ट्रकों के लिए हैं।

'ब्रांड आंध्र की छवि हुई धूमिल, कार्रवाई करेंगे'

अडानी केस पर बोले सीएम नायडू

अमरावती, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा उद्योगपति गौतम अडानी पर लगे रिश्वतखोरी के आरोपों के बीच आंध्र प्रदेश में भी सियासी माहौल गर्म हो गया है। अडानी समूह पर आरोप है कि उन्होंने भारत में सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट्स के ठेके हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को लगभग 2,250 करोड़ रुपये की रिश्वत दी है। अब अडानी के मामले पर राज्य के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने विधानसभा में जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार इस मामले में कार्रवाई करेगी। सीएम नायडू ने कहा, आज जो मुद्दा सामने आया है, उसने सार्वजनिक मंच पर ब्रांड आंध्र प्रदेश को बुरी तरह से धूमिल कर दिया है. मुझे बहुत दुख हुआ। आपने सुना होगा कि क्या हुआ है। अब क्या करना है और क्या जवाब देना है इसके बारे में हम अभी भी सोच रहे हैं।

सीएम नायडू ने कहा, 'अभी और तथ्य सामने आने बाकी हैं। सरकार भी इस बात पर विचार कर रही है कि क्या कदम उठाए जाएं, क्योंकि तथ्य सामने आ रहे हैं। हम इस बात पर चर्चा करेंगे कि हमें क्या निर्णय लेने की आवश्यकता है और उसके अनुसार आप सभी को सूचित करेंगे।'

1,750 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश

आपको बता दें कि सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के अफसरों का दावा है कि गौतम अडानी ने अगस्त 2021 में आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी से मुलाकात की थी। ये मीटिंग इसलिए की गई थी, ताकि सेसी के साथ डील करने में राज्य की अनिच्छा को दूर किया जा सके। एसईसी की अदालती फाइलिंग के मुताबिक डील सिक्योर करने के लिए 'इंसेंटिव' पर बातचीत की गई थी। एसईसी फाइलिंग में बताया गया है कि उस बैठक में या उसके संबंध में गौतम अडानी ने एसईसीआई के साथ बिजली आपूर्ति समझौते में घुसने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के अधिकारियों को रिश्वत देने का वादा किया था। अमेरिकी अभियोग, जिसमें अडानी पर रिश्वत की पेशकश और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है, उसमें उल्लेख किया गया था कि आंध्र प्रदेश की एक सरकार के अधिकारी (विदेशी अधिकारी) को 1,750 करोड़ रुपये की रिश्वत की पेशकश की गई थी।

गौतम अडानी के खिलाफ अरेस्ट वारंट की पुष्टि!

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। गौतम अडानी से जुड़े मामले में अमेरिका के अंदर अरेस्ट वारंट जारी होने की पुष्टि हो गई है. अमेरिकी कोर्ट के आदेश पर इस वारंट को अनसील भी कर दिया गया है।

आज तक के सूत्रों ने यह पुष्टि की है कि गौतम अडानी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है और अमेरिकी अदालत ने उसे खोल भी दिया है। वारंट को इसलिए खोला गया है ताकि विदेशी कानून प्रवर्तन को ये दस्तावेज मुहैया कराए जा सकें. अमेरिका अदालत के जज रॉबर्ट एम लेवी ने यह वारंट 31 अक्टूबर 2024 को खोलने के आदेश दिए थे। आवेदन में गौतम अडानी के खिलाफ अभियोग को आंशिक रूप से खोलने और विदेशी कानून प्रवर्तन को ये दस्तावेज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गिरफ्तारी वारंट खोलने की मांग की गई थी।

'उत्तर भारत में वायु प्रदूषण राष्ट्रीय आपातकाल, बच्चों का भविष्य छीन रहा'

> राहुल का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उत्तर भारत में वायु प्रदूषण की स्थिति पर चिंता जताई है। राहुल ने कहा, 'उत्तर भारत में वायु प्रदूषण एक राष्ट्रीय आपातकाल है। यह एक सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। यह हमारे बच्चों का भविष्य छीन रहा है। यह बुजुर्गों का दम घोंट रहा है। यह एक पर्यावरणीय और आर्थिक आपदा है। इससे अनगिनत जिंदगियां बर्बाद हो रही हैं। उन्होंने कहा कि सबसे गरीब लोगों को सबसे अधिक परेशानी होती है, वे अपने चारों ओर फैली जहरीली हवा से बच नहीं पाते। परिवार को स्वच्छ हवा के बिना दिक्कत हो रही है, बच्चे बीमार पड़ रहे हैं और लाखों जिंदगियां खत्म हो रही हैं। पर्यटन घट रहा है। हमारी वैश्विक प्रतिष्ठा धूमिल हो रही है। हमें राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से बचना होगा। हमें सामूहिक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया की जरूरत है। कांग्रेस नेता ने कहा कि जैसे ही कुछ दिनों में संसद की बैठक होगी, सभी सांसदों को आंखों में जलन और गले में खराश के कारण संकट की याद आ जाएगी। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम एक साथ आएं और चर्चा करें कि भारत इस संकट को हमेशा के लिए कैसे समाप्त कर सकता है।

काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी मस्जिद मामला

सुप्रीम कोर्ट ने एएसआई और मस्जिद प्रबंधन को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। काशी विश्वनाथ-ज्ञानवापी मस्जिद मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और मस्जिद प्रबंधन समिति को नोटिस जारी किया है। शीर्ष कोर्ट ने यह आदेश हिंदू याचिकाकर्ताओं की याचिका पर दिया है। उन्होंने ज्ञानवापी मस्जिद के 'वजूखाना' क्षेत्र का सर्वेक्षण एएसआई से कराने की मांग की है। हिंदू पक्ष का कहना है कि ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में वीडियोग्राफी सर्वेक्षण के दौरान एक शिवलिंग मिला था। सुप्रीम कोर्ट ने दो हफ्ते के भीतर जवाब मांगा है। मामले पर वकील वरुण कुमार सिन्हा ने कहा,ज्ञानवापी मामला सुप्रीम कोर्ट में सूचीबद्ध था। एक आवेदन दायर किया गया था कि वाराणसी जिला न्यायालय के सभी मुकदमों को हाईकोर्ट में स्थानांतरित कर दिया जाए और उन्हें समेकित कर दिया जाए, ताकि सभी सुनवाई एक ही अदालत में हो। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को 19 दिसंबर तक स्थगित किया है। उन्होंने कहा, ज्ञानवापी से जुड़ी सभी याचिकाओं को सूचीबद्ध किया जाएगा और सुनवाई शुरू करने की तारीख तय की जाएगी। सील किए गए क्षेत्र की एएसआई जांच की मांग वाले अंतरिम आवेदनों को आझ के लिए सूचीबद्ध किया गया था।

छत्तीसगढ़ के सुकमा में मुठभेड़ में 10 नक्सली मारे गए

जगदलपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया है। मौके से सभी के शव और 3 ऑटोमैटिक हथियार बरामद किए गए हैं। भेज्जी के दंतेसपुरम, कोराजुगुड़ा, नागाराम के जंगल में डीआरएफ और सीआरपीएफ की कोंटा और किस्टाराम एरिया कमेटी के नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हुई। इलाके में सर्चिंग जारी है। इस साल 1 जनवरी से 22 नवंबर तक 207 नक्सली मारे गए हैं। बस्तर आईजी सुंददराज पी ने कहा कि इस मुठभेड़ में एके-47, इंसास, और एसएलआर समेत अन्य हथियार भी बरामद किए गए हैं। सुकमा के एसपी किरण चव्हाण ने इसे बड़ी सफलता बताया। जवान मौके पर ही हैं। लौटेंगे तो ज्यादा जानकारी मिलेगी। सुरक्षाबलों को सूचना मिली थी कि भेज्जी के जंगल में नक्सलियों का जमावड़ा है। इसके बाद जवानों को रवाना किया गया, जहां नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई। एक दिन पहले ही भारी संख्या में नक्सली ओडिशा के रास्ते सीजी बॉर्डर में घुसे थे। इस दौरान ओडिशा पुलिस के साथ मुठभेड़ भी हुई थी। इसमें एक नक्सली मारा गया था, वहीं एक जवान घायल हुआ था। इसके बाद छत्तीसगढ़ फोर्स अलर्ट पर थी। ओडिशा और गरियाबंद से सटे उदंती अभ्यारण्य जंगल में गुरुवार को भी पुलिस-नक्सली मुठभेड़ हुई थी। नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर गरियाबंद पुलिस ने संयुक्त सर्चिंग ऑपरेशन लॉन्च किया। इस ऑपरेशन में गरियाबंद डीआरजी, कोबरा 207 बटालियन, ओडिशा एसओजी, सीआरपीएफ 211 और 65 बटालियन के लगभग 200 जवान शामिल थे।

अमाड़ के जंगलों में पहुंचते ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी मुहतोड़ जवाब दिया। दबाव बनते देख नक्सली भाग खड़े हुए। नक्सलियों के ठिकाने से पुलिस ने एक सिंगल शॉट राइफल,नक्सली साहित्य,भारी मात्रा में गरम कपड़े और दैनिक उपयोग के सामान जब्त किया है।

कश्मीरी पंडितों की दुकानों पर बुलडोजर चलाया

श्रीनगर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की दुकानों पर बुधवार को बुलडोजर चलाया गया। जम्मू विकास प्राधिकरण ने जम्मू शहर में मुठी कैंप के पास स्थित कश्मीरी पंडितों की दर्जन भर दुकानों को ढहा दिया। ये दुकानें लगभग तीन दशक पहले विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने बनाई थीं। लोगों का कहना है कि दुकानों को बिना नोटिस दिए ढहा दिया गया। हम 90 के दशक में वापस आ गए हैं। लोग पिछले तीन दिन से विरोध कर रहे हैं। वह जेडीए के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। जेडीए का कहना है कि दुकानें उनकी जमीन पर बनी थीं।

आयुक्त अरविंद करवानी ने घटनास्थल का दौरा किया और प्रभावित परिवारों को आश्वासन दिया कि उनके लिए नई दुकानें बनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि जेडीए ने मुठी कैंप फेज-2 में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाने के लिए टेंडर जारी किया है। जल्द ही दुकानें बनाकर प्रभावितों को दी जाएंगी। दुकान के मालिक अशोक रैना ने कहा, बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के आधे घंटे के अंदर दुकान तोड़ दिया गया। हमें बताया गया कि हमारा पुनर्वास किया जाएगा लेकिन कोई भी सरकारी अधिकारी हमारी दुर्दशा देखने नहीं आया। हम सड़क पर थे और ऐसा लगा कि फिर 90 के दशक में वापस आ गये। उन्होंने कहा कि 30 सालों से मेरी दुकान यही थी। जिस दिन कैंप बना, उसी दिन मैने अपनी दुकान खोली। तब के कमिश्नर ने भी हमारा साथ दिया। दुकान से मेरा घर चलता था। मेरे बच्चे उसी पैसे से पढ़े हैं।

एससी अदालत ने सिसोदिया की जमानत वाली याचिका पर जांच एजेंसियों को भेजा नोटिस, आबकारी नीति से जुड़ा केस

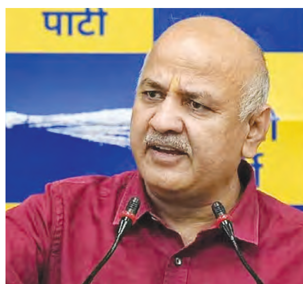

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आबकारी नीति मामले में आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया के जमानत की शर्तों में ढील देने की मांग वाली याचिका पर जांच एजेंसियों, ईडी और सीबीआई को नोटिस जारी किया। सिसोदिया पर रद्द हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 बनाने, इसके कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं में संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पहले 26 फरवरी, 2023 को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया था। बाद में कई अलग-अलग आरोपों के तहत प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने भी सिसोदिया पर शिकंजा कसा। उन्होंने 28 फरवरी 2023 को दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया।

लुधियाना में कपड़ा कारोबारी का दिनदहाड़े अपहरण ऑफिस से जबरन कार में बैठाकर ले गए बदमाश

लुधियाना, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना में एक दुकानदार का दिनदहाड़े अपहरण कर लिया गया। जिस वक्त उनका अपहरण हुआ, वह एक वकील से मिलने गए थे। चार बदमाशों ने उन्हें जबरन ऑफिस से बाहर निकाला और आई20 कार में बिठा लिया। यह घटना लुधियाना के जनकपुरी बाजार में हुई है। पीड़ित की पहचान सुरजीत दिनकर पाटिल के रूप में हुई है। सुरजीत पाटिल कुछ महीने पहले ही गुजरात से लुधियाना आए थे। वह अकेले ही एक पीजी में रहते थे। पुलिस का कहना है कि उनका परिवार यहां नहीं रहता था। ऐसे में उनसे संपर्क नहीं हो पाया। परिवार से संपर्क की कोशिश की जा रही है। जिस कार से अपहरण हुआ उसका नंबर मिल गया है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ट्रेस किया जा रहा है। अलग-अलग टीमें गठित कर मामले की जांच की जा रही है।

भाजपा नेता का कत्ल सुल्तानपुर लोधी में भाजयुमो के ब्लॉक प्रधान की हत्या, तेजधार हथियारों से किया गया वार

कपूरथला, 22 नवंबर (एजेंसियां)। सुल्तानपुर लोधी में बीरवार देर रात भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा के ब्लॉक प्रधान की कुछ युवकों ने हमला कर हत्या कर दी। उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें सिविल अस्पताल कपूरथला में दाखिल करवाया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। डीएसपी सुखपाल सिंह ने बताया कि भाजपा युवा मोर्चा के नेता हनी कुमार देर रात दाना मंडी में गंभीर घायल अवस्था में मिला था। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर एक आरोपी को राउंडअप भी किया गया है।

3 साल की भतीजी को थप्पड़ मारा, मौत

किचन के स्लैब से सिर टकराया था; चाचा ने शव जलाकर झाड़ी में फेंका; चार दिन बाद अरेस्ट

मुंबई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक शख्स ने अपनी 3 साल की भतीजी को थप्पड़ मारा। बच्ची का सिर किचन के स्लैब से टकराया और उसकी मौत हो गई। शख्स ने शव को जलाकर मुंबई के पास झाड़ियों में फेंक दिया।

4 दिन बाद उसे पुलिस ने गिरफ्तार किया और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस के मुताबिक लड़की 18 नवंबर को प्रेम नगर स्थित अपने घर के पास से लापता हो गई थी। 21 नवंबर को मुंबई के पास उल्हासनगर से लड़की का शव बरामद किया गया। पुलिस ने घरवालों से पूछताछ की इस दौरान उसके चाचा ने जुर्म कबूल कर लिया। हालांकि चाचा ने बताया कि उसने जानबूझकर बच्ची को नहीं मारा। उसने पुलिस को बताया कि वह लड़की के साथ खेल रहा था, तभी मजाक में उसने बच्ची को थप्पड़ मारा, जिससे वह रसोई के स्लैब से टकरा गई और उसकी मौत हो गई। इसके बाद वह डर गया और घबराहट में उसने लड़की के शव को जलाकर नष्ट करने की कोशिश की।

'मणिपुर मुद्दे को सनसनीखेज बना रही है कांग्रेस'

खरगे के आरोप पर जेपी नड्डा ने किया पलटवार

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मणिपुर में जारी हिंसा पर कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे गए पत्र की आलोचना की। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि पार्टी राज्य में चल रहे तनाव और अशांति के बीच इस मुद्दे को 'सनसनीखेज' बनाने की कोशिश कर रही है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस पत्र को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजनीतिक लाभ उठाने और अपने नापाक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए, कांग्रेस झूठी, गलत और राजनीति से प्रेरित कहानी गढ़ रही है। वहीं, नड्डा ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्वोत्तर राज्य ने उसके शासन में इतिहास का सबसे खूनी दौर भी देखा है।

मणिपुर मामले पर कांग्रेस-बीजेपी आमने सामने

मणिपुर में बिगड़े हालात ने भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक टकराव को और बढ़ा दिया है। दोनों राजनीतिक दल मणिपुर में जारी हिंसा के लिए एक दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। मणिपुर में जारी हिंसा पर चिंता जताते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा था। अपने पत्र में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र और राज्य दोनों सरकारों पर पिछले 18 महीनों में मणिपुर में शांति बहाल करने में पूरी तरह से विफल होने का आरोप लगाया था और राष्ट्रपति के हस्तक्षेप की मांग की थी। खरगे के इस पत्र की बीजेपी ने जमकर आलोचना की।

बीजेपी का कांग्रेस पर पलटवार

मणिपुर हिंसा को लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी खरगे को पत्र लिखा, जिसमें कहा गया, चौंकाने वाली बात यह है कि कांग्रेस पार्टी मणिपुर की स्थिति को सनसनीखेज बनाने के लिए बार-बार प्रयास कर रही है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भारत की प्रगति को पटरी से उतारने के लिए विदेशी ताकतों के गठजोड़ का समर्थन और प्रोत्साहन देने वाले कांग्रेस नेताओं का पैटर्न 'चिंताजनक' है। नड्डा ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष से सवाल किया कि क्या यह विफलता कांग्रेस की सत्ता की लालसा का परिणाम है या लोगों को विभाजित करने और लोकतंत्र को दरकिनार करने की सावधानीपूर्वक तैयार की गई रणनीति का हिस्सा है? कांग्रेस यह भूल गई है कि उनकी सरकार ने विदेशी आतंकवादियों के भारत में अवैध प्रवास को वैध बनाया है।

कांग्रेस शासन में मणिपुर ने देखा काला दौरः बीजेपी

वहीं, जेपी नड्डा ने अपने पत्र में कहा, मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि कांग्रेस के शासन में मणिपुर ने इतिहास के सबसे खूनी दौर में से एक देखा है। 90 के दशक के काले दौर के अलावा, जब बड़े पैमाने पर हिंसा के कारण हजारों लोग मारे गए और लाखों लोग विस्थापित हुए, अकेले 2011 में मणिपुर ने 120 दिनों से अधिक समय तक पूर्ण नाकेबंदी देखी।

पूर्वोत्तर में हुए तमाम बदलाव

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने यह भी दावा किया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की सरकार ने पूर्वोत्तर के राज्यों में अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और विकास के अवसरों जैसे क्षेत्रों में बदलाव किया है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोगों ने कांग्रेस और उसके सहयोगियों द्वारा किए गए झूठे वादों के विपरीत एनडीए सरकार द्वारा प्रदान की गई स्थिरता पर बार-बार अपना भरोसा दिखाया है।

तालाब में तैरने गए 3 बच्चों की डूबने से मौत 2 के शव बरामद

भिवंडी, 22 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में ठाणे के भिवंडी में गुरुवार (21 नवंबर) को तालाब में डूबने से तीन नाबालिग बच्चों की मौत हो गई। तीनों बच्चे वहहाल तालाब में तैरने के लिए गए थे। इसी दौरान डूबने से उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया, जिसमें दो बच्चों का शव बरामद कर लिया गया है। वहीं तीसरा बच्चा अभी भी लापता है, जिसकी तलाश शुक्रवार की सुबह फिर से शुरू की गई। इस हादसे के बाद से इलाके में मातम पसरा हुआ है। दरअसल, तीनों बच्चे पीर मोहम्मद शेख (13 साल), गुलाम मुस्तफा अंसारी (11 साल), दिलबर रजा (14 साल) गुरुवार की दोपहर करीब तीन बजे स्कूल की छुट्टी होने के बाद अपने घर के लिए निकले थे, लेकिन जब शाम तक तीनों घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। इस दौरान एक लड़के के भाई को पता चला कि वो तीनों तैराकी के लिए वहहाल तालाब गए थे।

आसाराम केस में सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार को भेजा नोटिस, 3 हफ्ते में मांगा जवाब

सूरत, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जेल में सजा काट रहे आसाराम बापू ने राहत पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार को नोटिस जारी किया है। आसाराम को बलात्कार के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है। इससे पहले उन्होंने सूरत में निचली अदालत में अपनी सजा को निलंबित करने की मांग की थी। वरिष्ठ वकील दामा शेषाद्रि नायडू ने आसाराम का कोर्ट में पक्ष रखते हुए कहा कि आसाराम कई सारी गंभीर बीमारियों से की चपेट में हैं। उनका स्वास्थ्य बिल्कुल भी ठीक नहीं है। ऐसे में उन्हें जेल से अंतरिम रिहाई दी जानी चाहिए। नायडू ने कहा कि उम्र ज्यादा होने और बीमारियों के कारण वो चलने-फिरने में असमर्थ हैं। सर्दियों के दिनों डॉक्टरों ने उन्हें ऐसे कमरे में रखने को कहा है, जहां पर तापमान को अपनी सुविधा के मुताबिक, नियंत्रित किया जा सके। इस पर कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि इससे पहले अपनी पसंद के अस्पताल न मिलने के कारण आपने आसाराम का इलाज नहीं कराया और मना कर दिया। इस पर प्रतिक्रिया करते हुए वकील ने जवाब दिया कि हम उनका बाईपास या एलोपैथिक इलाज नहीं करवा सकते उनके इलाज आयुर्वेद के जरिये किया जाना है।

सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार से तीन हफ्ते के भीतर नोटिस का जवाब देने को कहा है। आसाराम को जनवरी 2023 में गुजरात में गांधीनगर के एक सेशन कोर्ट ने बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। सूरत आश्रम में उनपर एक महिला शिष्या के साथ बार-बार रेप करने का आरोप लगाया गया था। सुनवाई और सबूतों के आधार पर उन्हें इस मामले में दोषी पाया गया था।

भगवद गीता की शिक्षाएं मौलिक रूप से नैतिक हैं, धार्मिक नहींः गुजरात हाई कोर्ट

अहमदाबाद, 22 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात सरकार ने साल 2022 में ऐलान किया था कि स्कूलों में श्रीमद्भागवत गीता पढ़ाई जाएगी। इसी को लेकर अब गुजरात हाई कोर्ट ने सुनवाई की है। गुजरात हाई कोर्ट की चीफ जस्टिस सुनीता अग्रवाल और जस्टिस प्रणव त्रिवेदी की बेंच ने इस मामले में 21 नवंबर को सुनवाई की। हाईकोर्ट ने कहा, भगवद गीता की शिक्षाएं मौलिक रूप से नैतिक हैं, धार्मिक नहीं। इस मामले में याचिकाकर्ताओं के वकील ने तर्क दिया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति कहती है कि धर्मनिरपेक्षता की भावना में सभी धर्मों के सिद्धांतों को पढ़ाया जाना चाहिए और राज्य के पास इस तरह का प्रस्ताव जारी करने का कोई अधिकार नहीं है। अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि यह पहल केवल शिक्षाओं को लागू करने के लिए थी। कुछ देर तक मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने इसे मामले को अगले महीने के लिए सूचीबद्ध कर दिया है।

याचिकाकर्ता ने क्या कहा?

सरकार ने साल 2022 में कक्षा 6 से 12 तक के छात्रों के लिए स्कूल में गीता के मूल्यों और सिद्धांतों को सीखना अनिवार्य करने का ऐलान किया था। इसी के चलते कोर्ट में जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई थी। याचिकाकर्ता संगठन-जमीयत उलेमा-ए-हिंद गुजरात और जमीयत उलेमा वेलफेयर ट्रस्ट ने भी प्रस्ताव पर रोक लगाने के लिए एक आवेदन दायर किया था। याचिकाकर्ता के वरिष्ठ वकील ने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति कहती है कि धर्मनिरपेक्षता की भावना में सभी धर्मों के सिद्धांतों को स्कूल में पढ़ाया जाना चाहिए और यह धर्म पर आधारित नहीं हो सकता है। यह शिक्षा नैतिकता पर आधारित होनी चाहिए जो सभी धर्मों में सिखाया जाता है।

"यह कोई धार्मिक दस्तावेज नहीं है"

सुनवाई के दौरान बेंच ने भगवद गीता को लेकर मौखिक रूप से कहा, यह एक तरह का नैतिक विज्ञान पाठ है। इस पर याचिकाकर्ता के वरिष्ठ वकील ने कहा कि नैतिक विज्ञान अभी भी तटस्थ है। बेंच ने कहा, यह पहल सिर्फ शिक्षा को पेश करने के लिए है। डिवीजन बेंच ने आगे कहा, यह हमारी संस्कृति है, यह कोई धार्मिक दस्तावेज नहीं है। वरिष्ठ वकील ने तब तर्क दिया कि किसी भी धार्मिक किताब के सिद्धांत संस्कृति नहीं हैं। कोर्ट ने इस पर कहा, यह धार्मिक नहीं है, यह नैतिक है। यह हमारी संस्कृति का हिस्सा है। भगवद गीता सिर्फ मोरल साइंस है। कोर्ट ने आगे कहा, देखिए, भगवद गीता में कोई धार्मिक उपदेश नहीं है। "कर्म कर फल की इच्छा मत कर" यह बुनियादी मौलिक है, नैतिक सिद्धांत है। इसके बाद कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि उन्हें इस मामले में कोई तात्कालिकता नजर नहीं आ रही है। इसीलिए कोर्ट ने इस मामले को सूचीबद्ध कर दिया है।

क्या था पूरा मामला?

गुजरात के स्कूलों में साल 2022 में नई शिक्षा नीति के तहत स्कूल में भगवद गीता पढ़ाए जाने को लेकर ऐलान किया गया था। इस में कहा गया था कि भगवद गीता के सिद्धांतों को 6वीं से 12वीं क्लास के कोर्स में पढ़ाया जाएगा। नई शिक्षा नीति के तहत गीता पढ़ना अनिवार्य होगा। 6 क्लास से 12 के क्लास के छात्रों को गीता के सिद्धांत और मूल्यों को समझाया जाएगा। इसी के बाद इस को लेकर कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया था कि प्रस्ताव ने संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन किया है।इसमें कहा गया था कि स्कूली पाठ्यक्रम में भगवद गीता को शामिल करना स्पष्ट रूप से धार्मिक शिक्षा देना है।

आरबीएल बैंक के टास्क मैनेजर के खिलाफ एफआईआर

जबलपुर स्मार्ट सिटी से करोड़ों की धोखाधड़ी

जबलपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जबलपुर के मदन महल थाने में आरबीएल बैंक विजय नगर शाखा इंदौर के टास्क मैनेजर कुमार मयंक के खिलाफ स्मार्ट सिटी जबलपुर ने एफआईआर दर्ज करवाई है। जबलपुर पुलिस की एक टीम जल्द ही मैनेजर कुमार मयंक से पूछताछ के लिए इंदौर जाएगी। मैनेजर पर आरोप है कि स्मार्ट सिटी को वित्तीय हानि पहुंचाते हुए धोखाधड़ी की गई है। स्मार्ट सिटी के प्रशासनिक अधिकारी रवि राव ने रिपोर्ट में पुलिस को बताया कि 2022 में आरबीएल बैंक इंदौर के कुछ प्रतिनिधि जबलपुर स्मार्ट सिटी ऑफिस आए थे। इस दौरान उन्होंने बचत खातों में 6.25 प्रतिशत की दर से ब्याज देने की बात कही थी, जिसके बाद बैंक में स्मार्ट सिटी ने खाता खुलवाया। बैंक में स्मार्ट सिटी ने 20 करोड़ रुपए जमा किए, लेकिन इस बीच बैंक ने ब्याज का जो विवरण उपलब्ध करवाया वह फर्जी निकला। स्मार्ट सिटी को जो ब्याज मिलना था वह करीब 1 करोड़ 31 लाख 23 हजार रुपए होना था, पर दस्तावेज में ब्याज कि यह राशि 56 लाख रुपए दिखाई दे रही है। स्मार्ट सिटी की शिकायत पर मदनमहल थाने में आरबीएल बैंक के टास्क मैनेजर के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हिमाचल सरकार को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, 31 मार्च तक खुले रहेंगे पर्यटन निगम के नौ होटल

शिमला, 22 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट से प्रदेश सरकार, पर्यटन विकास निगम को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने पर्यटन विकास निगम के नौ होटलों को 31 मार्च 2025 तक खुले रखने के आदेश दिए हैं। इसमें चायल, चंद्रभागा केलांग, खज्जियार, मैघदूत, लॉग हट मनाली, कुंजम, भागसू, कासल नागर और धौलाधार होटल शामिल हैं। राज्य सरकार पर्यटन विकास निगम के घाटे में चल रहे 18 होटलों को बंद करने के फैसले के खिलाफ सरकार हाईकोर्ट पहुंची है। शुक्रवार को जस्टिस अजय मोहन गोयल की अदालत ही मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने नौ होटलों को को 31 मार्च तक खुले रखने के आदेश दिए। बाकि नौ होटल 25 नवंबर को के फैसले के अनुसार बंद रहेंगे। राज्य सरकार ने हाईकोर्ट से फैसले पर पुनर्विचार का आग्रह किया था।बता दें, अदालत ने 19 नवंबर के फैसले में निगम के 40 फीसदी से कम ऑक्यूपेंसी वाले होटल 25 नवंबर से बंद करने के आदेश दिए थे। कोर्ट ने आदेश पर्यटन विकास निगम के पेंशनरों को वित्तीय लाभ न देने पर जारी किए।

भारतीय नौसेना के जहाज से टकरा गई मछली पकड़ने वाली नाव, 11 लोग बचाए गए, दो की तलाश जारी

गोवा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना के साथ गोवा के उत्तर पश्चिम में समुद्र में एक हादसा हो गया। एक मछली पकड़ने वाला भारतीय जहाज मार्थोमा भारतीय नौसैना के जहाज से टकरा गया। जानकारी के मुताबिक, मछली पकड़ने वाले जहाज पर 13 लोगों का चालक दल सवार था। नौसेना ने इनमें से 11 लोगों को सफलतापूर्वक बचा लिया है। वहीं, 2 अन्य लोगों को बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। भारतीय नौसेना ने इस हादसे के बारे में बताया है कि भारतीय नौसेना के एक जहाज और मछली पकड़ने वाले मार्थोमा के बीच गोवा के तट से 70 नौटिकल माइल दूर टक्कर हुई है। ये हादसा गुरुवार की शाम को हुआ है। हादसे के बाद भारतीय नौसेना की ओर से तुरंत खोज और बचाव प्रयास शुरू किए गए। अब तक 11 चालक दल के सदस्यों को बरामद किया जा चुका है। नौसेना की ओर से मछली पकड़ने वाले जहाज के दो कर्मियों की खोज और बचाव के लिए, प्रयास जारी हैं। नौसेना द्वारा बताया गया है कि एमआरसीसी (मुंबई) के साथ समन्वय किया जा रहा है।

आप चाहते हैं फिर से स्कूल खोले जाएं? प्रदूषण पर एससी का पैरेंट्स से सवाल

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में प्रदूषण के कारण हालात खराब बने हुए हैं। पिछले दिनों के मुकाबले आज (शुक्रवार) को भले ही वायु गुणवत्ता सूचकांक में कुछ सुधार हुआ है, लेकिन यह अभी भी खतरे के निशान के ऊपर बना हुआ है। प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सभी एनसीआर राज्यों को ग्रेप-4 के तहत आवश्यक निगरानी कार्यों के लिए तत्काल टीमों का गठन करने का भी निर्देश दिया था। इसके साथ ही कोर्ट ने 12वीं तक के स्कूल बंद करने को कहा था। तब से स्कूल बंद हैं, लेकिन स्कूलों के बंद करने के खिलाफ कुछ पेरेंट्स की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दी गई है। अर्जी पर सुप्रीम कोर्ट से की गई सुनवाई की मांग की गई। सुप्रीम कोर्ट ने इस अर्जी पर कहा कि इस मामले से पेरेंट्स का क्या औचित्य है? कोर्ट ने कहा कि आप चाहते हैं कि स्कूल फिर से खोले जाएं। हम ऐसी किसी किसी योजना को प्रोत्साहित नहीं करेंगे। इसपर पक्ष ने कहा कि नहीं, ऐसा कोई अनुरोध नहीं है। हम एमिकस के समान पक्ष में हैं। जस्टिस ओका ने कहा कि कुछ नहीं होगा। हम ऐसे अनुप्रयोगों को हतोत्साहित करते हैं।

अभी नहीं खुलेंगे स्कूल

स्कूलों को बंद करने के खिलाफ कुछ पेरेंट्स की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की गई थी। जिस पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने अभी स्कूल खोलने से साफ इंकार कर दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने पेरेंट्स से पूछा कि आप चाहते हैं फिर से स्कूल खोले जाएं? बता दें कि राजधानी दिल्ली और एनसीआर में ग्रेप-4 लागू है। जिसके अनुसार स्कूल बंद रहना अनिवार्य है।

कई इलाकों की हवा बेहद खराब

दिल्ली में सबसे ज्यादा प्रदूषित इलाकों का वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 से पार बना हुआ है। इनमें जहांगीरपुरी का एक्यूआई 424, बवाना 409, आनंद विहार 408, नेहरु नगर 408, शादीपुर 403, मुंडका 401, रोहिणी 395, अया नगर 395, अशोक विहार 394, पंजाबी बाग 391, अलीपुर 386, नरेला 381, द्वारका सेक्टर-8 378, प्रतापगंज 376, आरके पुरम 370, मेजर ध्यान चंद नेशनल स्टेडियम 369, बुराड़ी 364, चांदनी चौक 357, आईजीआई एयरपोर्ट 354, नजफगढ़ में वायु गुणवत्ता सूचकांक 352 रहा।

वकील को 6 घंटे बंधक बनाए रहे, 16 लाख हड़पे

ग्वालियरग्वालियर में साइबर क्रिमिनल्स ने एक वकील को डिजिटल अरेस्ट कर 16 लाख रुपए हड़प लिए। बदमाशों ने उन्हें उनके पार्सल में एमडी ड्रग होने और 2 करोड़ रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग के नाम पर 6 घंटे तक बंधक बनाए रखा। घटना 8 अक्टूबर की है। बदमाशों ने उन्हें नया बैंक अकाउंट खुलवाकर 16 लाख रुपए जमा करने को कहा था। यह सब करने के बाद उन्होंने अपने एक जान-पहचान वाले से इसका जिक्र किया, तब उसने उन्हें बताया कि ऐसा कुछ नहीं होता। हालांकि, तब तक बदमाश अकाउंट से रकम निकाल चुके थे। पीड़ित वकील ने अपनी पहचान उजागर नहीं करने की शर्त रखते हुए बताया कि 8 अक्टूबर की दोपहर 1.30 बजे उनके मोल्यइल नंबर पर 9520352162 से कॉल आया। बात करने वाले ने खुद को बीएचएल कोरियर सर्विस कंपनी का कर्मचारी राहुल शर्मा बताया। बताया कि उनके आधारकार्ड से एक पार्सल बीजिंग के लिए बुक किया गया है। कस्टम ने इसे पकड़ लिया है। इसमें 400 ग्राम एमडी ड्रग, 12 डेबिट कार्ड और दूसरी गैरकानूनी चीजें हैं।

'वीबीए को जरूरी संख्या मिली तो सत्ता में रहना चुनेंगे'

चुनाव नतीजों से पहले प्रकाश अंबेडकर का बयान

मुंबई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) प्रमुख प्रकाश अंबेडकर ने शुक्रवार को कहा कि अगर उनकी पार्टी को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में जरूरी संख्या मिलती है, तो वह उस पक्ष का साथ देंगे जो सरकार बना सके। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर पोते ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, उनकी पार्टी सत्ता का चुनाव करेगी। उन्होंने लिखा, अगर कल वीबीए को महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए किसी पार्टी या गठबंधन को समर्थन देने के लिए संख्या मिल जाती है, तो हम उसी के साथ रहना पसंद करेंगे जो सरकार बना सके। हम सत्ता में रहना चुनेंगे। विधानसभा चुनाव में वीबीए ने 200 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था। 2019 के चुनाव में पार्टी ने 236 सीटों पर चुनाव लड़ा था। लेकिन वह एक भी सीट पर जीत हासिल नहीं कर पाई थी। हालांकि, उन सीटों पर पार्टी का वोट शेयर 5.5 फीसदी रहा था। राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए 20 नवंबर को एक एक चरण में मतदान हो चुके हैं। नतीजे कल सामने आएंगे।

चुनावी नतीजों से पहले उद्धव शिवसेना का जीतने का दावा

कहा- खोखा वाले विधायकों पर बनाएंगे दबाव

मुंबई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा के नतीजों से पहले ही जहां महाविकास आघाड़ी (एमवीए) और महायुति ने अपनी-अपनी जीत के दावे करने शुरू कर दिए हैं, वहीं दोनों गठबंधनों में सीएम पद को लेकर आंतरिक रूप से टकराव भी शुरू हो गया है। अब नतीजों से पहले उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना ने दावा किया है कि वह बहुमत हासिल करने जा रही है।

सभी मिलकर बैठेंगे और सीएम चुनेंगेः राउत

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, 'परिणाम कल आएंगे। हमें यकीन है कि हम बहुमत हासिल करने जा रहे हैं। हमारे 160-165 विधायक चुने जाएंगे। 'खोखा वाले' उन पर दबाव बनाएंगे, इसलिए हमने उनके लिए एक होटल में एक साथ रहने की व्यवस्था की है। शरद पवार, कांग्रेस और उद्धव ठाकरे को (मुख्यमंत्री का चेहरा चुनने में) भूमिका निभानी होगी। एमवीए को पूर्ण बहुमत मिलेगा और हम सर्वसम्मति से निर्णय लेंगे। अभी तक कोई फार्मूला नहीं बना है, सभी मिलकर बैठेंगे और सीएम चुनेंगे।'

भ्रष्टाचार और अदाणी की सरकार खत्म होने वालीः चतुर्वेदी

शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, 'महाराष्ट्र के लोग उन्हें (महायुति) अगले 25 वर्षों के लिए मुक्त करने जा रहे हैं। लूट, भ्रष्टाचार और अदाणी की सरकार खत्म होने वाली है। हमें बहुमत मिलेगा और हम पांच साल तक लोगों की सेवा करेंगे। वे लोग हेलीकॉप्टर की बुकिंग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि जब वह लोग हारेंगे तब लोग उनसे सवाल पूछेंगे और उन्हें भागने की जरूरत पड़ेगी।'

महाराष्ट्र में 65.11 फीसदी मतदान

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के दौरान बुधवार को हुई बंपर वोटिंग ने तीन दशक का रिकॉर्ड तोड़ दिया। चुनाव आयोग के मुताबिक, राज्य में में 288 विधानसभा सीटों पर 65.11 फीसदी मतदान हुआ, जो पिछले 30 साल में सबसे अधिक है। इससे पहले 1995 के विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र में 71.7 फीसदी मतदान हुआ था।

सुविचार: गुण न हो तो रूप व्यर्थ है, उपयोग न हो तो धन व्यर्थ है और विनम्रता न हो तो विद्या व्यर्थ है।

5260 करोड़ रुपये निवेश करने और 12,490 नौकरियां पैदा करने पर सहमति

बड़ी फार्मा कंपनियों का टीजी सरकार के साथ समझौता

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देश की प्रमुख फार्मा कंपनियां हैदराबाद में भारी निवेश करने के लिए आगे आईं। कंपनियों ने अपने परिचालन का विस्तार करने और प्रदूषण मुक्त ग्रीन फार्मा कंपनियां स्थापित करने के लिए राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। विभिन्न फार्मा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने शुक्रवार् को सचिवालय में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू के साथ बातचीत की। एमएसएन ग्रुप, लॉरस लैब्स, ग्लैंड फार्मा, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, अरबिंदो फार्मा, हेटेरो लैब्स, टीएसआईआईसी की अध्यक्ष निर्मला जग्गा रेड्डी, मुख्यमंत्री के विशेष सचिव अजित रेड्डी, उद्योग विभाग के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन और विष्णुवर्धन रेड्डी के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया। फार्मा कंपनी प्रबंधन ने उद्योग स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। छह कंपनियों ने 5260 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने की इच्छा व्यक्त की। निवेश से फार्मा क्षेत्र में 12,490 रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। सरकार मान्यता प्राप्त फार्मा सिटी में नई फार्मा विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए भूमि आवंटित करेगी। समझौता ज्ञापन के अनुसार, एमएसएन प्रयोगशाला एक विनिर्माण इकाई के साथ-साथ एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित करेगी। लॉरस लैब्स और अरबिंदो फार्मा फॉर्मूलेशन इकाइयां स्थापित करेंगे।

ग्लैंड फार्मा एक अनुसंधान एवं विकास केंद्र, इंजेक्टेबल्स और दवा पदार्थ विनिर्माण इकाइयां खोलने के लिए तैयार है। डॉ. रेड्डीज लैब्स एक इंजेक्टेबल और बायोसिमिलर इकाई स्थापित करेगी। हेटेरो लैब्स एक तैयार खुराक और इंजेक्टेबल विनिर्माण संयंत्र स्थापित करेगी। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को अगले 4 महीनों में निर्माण कार्य शुरू करने के लिए फार्मा कंपनियों को भूमि आवंटित करने और फार्मा सिटी में आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया। बैठक में डॉ. रेड्डीज लैब्स के निदेशक सतीश रेड्डी, लॉरस लैब्स के ईडी वीवी रविकुमार, ग्लैंड फार्मा के सीईओ श्रीनिवास, एमएस लैब्स के सीएमडी एमएसएन रेड्डी, अरबिंदो के निदेशक मदन मोहन रेड्डी और हेटेरो ग्रुप के प्रबंध निदेशक बी. वामसी कृष्णा ने भाग लिया

न्यायपालिका हमारे लोकतंत्र का स्तंभ : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद , 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कॉमन वेल्थ मेड-ऑर्ब सम्मेलन-2024 में गच्चीबावली में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि फ्यूचर सिटी और एआई सिटी जैसी नई पहलों के साथ, हैदराबाद प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक वैश्विक नेता के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद को विश्व स्तर पर सॉफ्टवेयर, फार्मा, जीवन विज्ञान, स्वास्थ्य सेवा और जैव-प्रौद्योगिकी उद्योगों के लिए एक पावर हब के रूप में मान्यता प्राप्त है।न्यायपालिका हमारे लोकतंत्र का स्तंभ है। लेकिन, बड़ी संख्या में लंबित मामले न्यायपालिका के लिए चुनौती बन गए हैं्। लंबित मामलों के बोझ को कम करने के लिए मामलों के त्वरित और कुशल निपटान के लिए वैकल्पिक प्रणालियों की आवश्यकता है। विवादों एवं समस्याओं का समाधान मध्यस्थता एवं बातचीत के माध्यम से यथाशीघ्र किया जाना चाहिए्। ऐसा करने से विवाद में शामिल दोनों पक्षों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि मैं अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता और मध्यस्थता केंद्र के आयोजकों की सराहना करता हूं जो इसके लिए काम कर रहे हैं। यदि मध्यस्थता और मध्यस्थता का समन्वय किया जाता है, तो समस्याओं और विवादों को जल्द से जल्द हल किया जा सकता है। आईएएमसी केवल तेलंगाना तक ही सीमित नहीं है। यह केंद्र पूरे देश के लिए उपयोगी है। आईएएमसी को वैश्विक निवेशकों और बड़े उद्योगपतियों तक सीमित न रखें्।आईएएमसी की सेवाएँ आम आदमी और यहाँ तक कि छोटे उद्यमों को भी उपलब्ध करायी जानी चाहिए्। लंदन और सिंगापुर के बाद, हैदराबाद शहर को मध्यस्थता मानचित्र पर होने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि गरीबों को मध्यस्थता सेवाएं उपलब्ध कराने पर एक और सम्मेलन का अनुरोध किया गया है।

एससीआर ने सीजन की पहली केला निर्यात ट्रेन शुरू की

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (कॉनकॉर) के सहयोग से आंध्र प्रदेश के ताड़ीपत्री से सीजन की पहली केला निर्यात ट्रेन शुरू की। यह पहल वैश्विक फल निर्यात बाजार में भारत की स्थिति को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 680 टन केले ले जाने वाली ट्रेन को एसके एक्सपोर्ट द्वारा निर्यात किया जा रहा है और यह मुंबई में जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) के रास्ते में है, जहां से माल को इराक, कतर, कुवैत और सऊदी अरब सहित मध्य पूर्व के प्रमुख बाजारों में वितरित किया जाएगा। यह परियोजना भारत से कृषि उपज के निर्यात को सुव्यवस्थित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। भारतीय रेलवे के सहयोग से, कॉनकॉर इन केलों का विश्वसनीय और कुशल परिवहन सुनिश्चित कर रहा है। अपने व्यापक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क का लाभ उठाते हुए, कॉनकॉर ने खेतों से वैश्विक गंतव्यों तक सुगम परिवहन को सक्षम करते हुए एंड-टू-एंड समाधान प्रदान किए हैं।एसके एक्सपोर्ट्स, जो 2019 से फल निर्यात उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी है, इराक, कतर, कुवैत और सऊदी अरब सहित मध्य पूर्व के प्रमुख बाजारों में केले के शिपमेंट को सुविधाजनक बनाने में सहायक रहा है। कंपनी 20,000 से अधिक किसानों के नेटवर्क के साथ मिलकर काम करती है, उन्हें प्रतिस्पर्धी मूल्य और फसल की गुणवत्ता में सुधार के लिए नवीनतम कृषि तकनीकों तक पहुँच प्रदान करती है।

सभी अमूल्य भारतीय परंपराओं को मजबूत करने के लिए काम करें : राष्ट्रपति

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को यहां शिल्पकला वेदिका में लोकमंथन-2024 के उद्घाटन सत्र में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, राष्ट्रपति ने लोकमंथन के आयोजन के लिए सभी हितधारकों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह भारत की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और विरासत में एकता के धागों को मजबूत करने का एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी नागरिकों को भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को समझना चाहिए और हमारी अमूल्य परंपराओं को मजबूत करना चाहिए्।राष्ट्रपति ने कहा कि विविधता हमारी मौलिक एकता को सुंदरता का इंद्रधनुष प्रदान करती है। चाहे हम वनवासी हों, ग्रामीण हों या शहरवासी, हम सभी भारतीय हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता की इस भावना ने हमें सभी चुनौतियों के बावजूद एकजुट रखा है। मुर्मू ने कहा, "हमारे समाज को विभाजित करने और कमजोर करने के लिए सदियों से प्रयास किए गए हैं्। हमारी स्वाभाविक एकता को तोड़ने के लिए कृत्रिम भेदभाव पैदा किए गए हैं। लेकिन, भारतीयता की भावना से ओतप्रोत हमारे नागरिकों ने राष्ट्रीय एकता की मशाल जलाए रखी है।" उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से ही भारतीय विचारधारा का प्रभाव दुनिया भर में फैला हुआ है। भारत की धार्मिक मान्यताओं, कला, संगीत, तकनीक, चिकित्सा पद्धतियों, भाषा और साहित्य की दुनिया भर में सराहना की गई है और भारतीय दार्शनिक प्रणालियां ही पहली थीं जिन्होंने विश्व समुदाय को आदर्श जीवन मूल्यों का उपहार दिया। मुर्मू ने सुझाव दिया, "हमारे पूर्वजों की उस गौरवशाली परंपरा को मजबूत करना हमारी जिम्मेदारी है।" राष्ट्रपति ने कहा कि सदियों से साम्राज्यवाद और औपनिवेशिक शक्तियों ने न केवल भारत का आर्थिक शोषण किया, बल्कि हमारे सामाजिक ताने-बाने को भी नष्ट करने की कोशिश की। द्रौपदी मुर्मू ने कहा, "हमारी समृद्ध बौद्धिक परंपरा को नीची नज़र से देखने वाले शासकों ने नागरिकों में सांस्कृतिक हीनता की भावना पैदा की। हम पर ऐसी परंपराएँ थोपी गईं, जो हमारी एकता के लिए हानिकारक थीं्। सदियों की पराधीनता के कारण हमारे नागरिक गुलामी की मानसिकता के शिकार हो गए्। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नागरिकों में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना पैदा करना ज़रूरी है।" उद्घाटन सत्र में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी, तेलंगाना सरकार की मंत्री सीतक्का और आरएसएस नेता मोहन भागवत भी शामिल रहे।

मदीना सर्किल पर अंबेडकर प्रतिमा स्थापित करने की मांग

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद और कांग्रेस नेता वी हनुमंत राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क से पुराने शहर में डॉ.बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित करने के लिए पहल करने का आग्रह किया है।शुक्रवार को गांधी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, वी हनुमंत राव ने कहा कि 2019 में पंजागुट्टा सर्किल पर जय भीम कार्यकर्ताओं द्वारा स्थापित अंबेडकर की प्रतिमा को कथित तौर पर जीएचएमसी अधिकारियों द्वारा हटा दिया गया और जवाहर नगर डंपिंग यार्ड में फेंक दिया गया।"घटना पर खेद व्यक्त करते हुए, मैंने मूर्ति की पहचान की और पुलिस को इसके स्थान के बारे में सूचित किया। वर्तमान में, मूर्ति गोशामहल पुलिस स्टेशन में रखी गई है। तब से, मैं मूर्ति को उसके सही स्थान पर बहाल करने के लिए कानूनी लड़ाई लड़ रहा हूं। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि अदालत ने अधिकारियों को अंबेडकर की मूर्ति सौंपने का भी निर्देश दिया है।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.WAT-TRD-22-24-25, दिनांक : 18.11.2024

कार्य का नाम : 8 व्हीलर टॉवर कार नं. RU 6511 में क्षतिग्रस्त स्पेयर्स की आपूर्ति, निर्माण एवं शुरुआत सहित मरम्मत/ओवरहॉलिंग।

निविदा मूल्य (रुपये में) : 47,73,465.80, EMD (रुपये में) : 95,500/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 06 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 10.12.2024 को 1500 बजे।

निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता(TRD)/ वाल्टियर

PR-751/P/24-25

दमरे के 35 प्रमुख पार्सल कार्यालयों में क्यूआर कोड सुविधा शुरू

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के 35 प्रमुख पार्सल कार्यालयों में क्यूआर कोड सुविधा सक्षम दक्षिण मध्य रेलवे व्यापार करने में आसानी को बेहतर बनाने और रेल उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए पूरे क्षेत्र में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा दे रहा है। अधिक तरीकों से कैशलेस लेनदेन को प्रोत्साहित करने और डिजिटल भुगतान को बढ़ाने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे ने क्षेत्र के छह डिवीजनों में रेलवे स्टेशनों के 35 प्रमुख पार्सल कार्यालयों में क्यूआर कोड के माध्यम से शुल्क के भुगतान के लिए एक अतिरिक्त सुविधा शुरू की है। पार्सल कार्यालयों/स्टेशनों में सिकंदराबाद डिवीजन में सिकंदराबाद, हैदराबाद, वारंगल, बीदर, काजीपेट, लिंगमपल्ली; हैदराबाद डिवीजन में काचीगुडा, निजामाबाद; विजयवाड़ा डिवीजन में विजयवाड़ा, राजमुंदरी, एलुरु, सामलकोट, गुडीवाड़ा, तेनाली, गुडूर, काकीनाडा टाउन, काकीनाडा पोर्ट, मछलीपट्टनम, नरसापुर; गुंतकल डिवीजन में कडप्पा, अनंतपुर, रायचूर, धर्मावरम, तिरूपति, गुंतकल, रेनिगुंटा, धोने, चित्तूर; गुंटूर डिवीजन में नंद्याल, गुंटूर और नांदेड़ डिवीजन में परभणी, औरंगाबाद, एच.एस. नांदेड़, आदिलाबाद, पूर्णा शामिल हैं। पार्सल प्रबंधन प्रणाली (पीएमएस) के आईटी एप्लिकेशन का लाभ उठाते हुए क्यूआर कोड को स्कैन करके यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने की सुविधा सक्षम की गई है। तदनुसार, पार्सल कार्यालयों में क्यूआर कोड डिस्प्ले डिवाइस स्थापित किए गए हैं और उत्पन्न लेनदेन विशिष्ट क्यूआर कोड को स्कैन करके भुगतान सक्षम करने के लिए पीएमएस प्रणाली के साथ एकीकृत किया गया है। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने ग्राहकों के लाभ के लिए एक और डिजिटल भुगतान विकल्प शुरू करने के लिए वाणिज्यिक और तकनीकी कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से पार्सल बुकिंग लेनदेन को पूरा करने में लगने वाला कुल समय कम हो जाएगा और नकद भुगतान से जुड़ी समस्याओं से बचा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि यह ग्राहकों के लिए भुगतान का एक परेशानी मुक्त, सुरक्षित और सुविधाजनक तरीका होगा।

जगतियाल में दो ट्रकों की आमने-सामने टक्कर, ड्राइवर केबिन में फंसे

जगतियाल, 22 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडागट्टू के पास शुक्रवार सुबह दो ट्रकों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गए्। टक्कर इतनी भयानक थी कि ड्राइवर ट्रकों के केबिन में फंस गए। ड्राइवरों की पहचान देवीलाल और वीरैया के रूप में हुई है। यह हादसा उस समय हुआ जब विपरीत दिशा में जा रहे मार्बल और कपास से लदे ट्रकों ने एक-दूसरे को टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों वाहनों के केबिन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से केबिन खोलकर दोनों चालकों को बचाया। दोनों को जगतियाल सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों चालकों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सर्वेक्षण का उद्देश्य पात्र लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना : विजयलक्ष्मी

मेयर ने डोर-टू-डोर घरेलू सर्वेक्षण का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी की मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी ने आज कहा कि व्यापक डोर-टू-डोर परिवार सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य सभी पात्र लोगों को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और कहा कि इससे लोगों के जीवन स्तर को सुधारने में मदद मिलेगी। शुक्रवार को, विजयलक्ष्मी ने एमएलसी बालमुरी वेंकट के साथ काचीगुडा चप्पल बाजार कॉलोनियों का दौरा किया और सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, राजनीतिक, रोजगार और जातिगत डेटा एकत्र करने के लिए किए गए व्यापक डोर-टू-डोर घरेलू सर्वेक्षण प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने गणनाकर्ताओं से पूछा कि वे प्रतिदिन कितने घरों को कवर कर रहे हैं और उन्हें किसी समस्या का सामना करना पड़ रहा है? उन्होंने गणनाकर्ताओं से यह भी पूछा कि क्या लोग उन्हें पूरी जानकारी दे रहे हैं? गणनाकर्ताओं से पूछा गया कि क्या वे जनता को बता रहे हैं कि उनके द्वारा सर्वेक्षण क्यों किया जा रहा है। पर्यवेक्षक और गणनाकारों को सलाह दी गई है कि वे सर्वेक्षण के लिए जाते समय लोगों द्वारा उठाए गए संदेहों को दूर करें्। उन्होंने कहा कि गणनाकार धैर्यपूर्वक सर्वेक्षण के बारे में समझाएं और विवरण एकत्र करें्। इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि प्रत्येक डिवीजन में फील्ड स्तर पर व्यापक डोर-टू-डोर घरेलू सर्वेक्षण प्रक्रिया की फिर से जांच की जाएगी और कहा कि लोगों को समझाया जा रहा है कि सर्वेक्षण क्यों किया जा रहा है। उन्होंने कहा, "सभी लोग अच्छी प्रतिक्रिया दे रहे हैं और स्वेच्छा से आगे आकर अपना विवरण दे रहे हैं।" इस अवसर पर महापौर ने काचीगुड़ा चप्पल बाजार कॉलोनी में गोपी सिंह और आर विनोद के घर जाकर उन्हें सर्वेक्षण का उद्देश्य समझाया और पूरा विवरण एकत्र किया और गणनाकर्ताओं के पास उनका विवरण दर्ज किया। संबंधित घरों के मालिकों ने महापौर को बताया कि उनके घर का सर्वेक्षण पूरा हो गया है और मांगी गई सभी जानकारी बिना किसी समस्या के दी गई है। उन्होंने महापौर को यह भी बताया कि सर्वेक्षण का उद्देश्य समझाने के बाद अब तक की गलत धारणा दूर हो गई है। उन्होंने लोगों से सर्वेक्षण पर किसी भी झूठे प्रचार पर विश्वास न करने और सर्वेक्षण के लिए आए गणनाकर्ताओं को उचित विवरण प्रदान करके सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सभी विवरण गोपनीय रखे जाएंगे। एमएलसी बालमुरी वेंकट ने कहा कि तेलंगाना सरकार द्वारा ऐतिहासिक तरीके से किया गया व्यापक घर-घर सर्वेक्षण देश के लिए एक प्रकाश स्तंभ होगा। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों को व्यापक रूप से यात्रा करने और जनता को सर्वेक्षण का उद्देश्य समझाने और विवरण प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

साधुवाद/धन्यवाद

ओमाराम, जोगाराम, गोविन्दराम

सुपुत्र लछारामजी चौधरी (गोत्र आइडी) संस्थापक सदस्य (केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट) बनने व 10 गज भूमि दान करने हेतु साधुवाद/धन्यवाद

श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर ट्रस्ट एवं नंदीशाला, यल्मपेट, मेडचल (भाग्यनगर) तेलंगाना. सहयोग करने हेतु संपर्क करें : 9849702915

Aaimaa Ads

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, PREM BAI , Mother of NK SANDEEP NAGAR ,R/o: IK-LAMA , WARD NO : 6, OBAIDULLAGANJ, GOHARGANJ, RAISEN, MADHYA PRADESH - 464993 , have changed my name from PREM BAI to PREM BAI NAGAR vide Affidavit dt.22-11-2024 duly Sd.by P.RAVEEN-DRANATH ADV & NOTARY

I, Gundammagari Bhrath Reddi R/o. 1-6, Sangiguda (V), Near Hanuman Temple, Shamshabad (M), R.R. Dist, T.G-501218. Changed My Name as "Gundammagari Baraoth Reddi" S/o Srikanth Reddy Gundammagari.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

नीली क्रांति ने अंतर्देशीय मत्स्य पालन में स्थापित किए मील के पत्थर

हैदराबाद, 22 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में मछली और झींगा पालन में असाधारण वृद्धि जारी है, जो राज्य के लिए एक सच्ची नीली क्रांति का प्रतीक है। राज्य द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए 4,39,513 टन मछली उत्पादन और 16,532 टन झींगा उत्पादन का रिकॉर्ड मील का पत्थर छूने के साथ, केंद्र ने गुरुवार को दिल्ली में प्रस्तुत पुरस्कारों के नवीनतम संस्करण में मछली उत्पादन के लिए तेलंगाना को सर्वश्रेष्ठ अंतर्देशीय राज्य घोषित किया। जलकृषि में तेलंगाना के प्रयासों ने भारत में टिकाऊ अंतर्देशीय मत्स्य पालन को नए सिरे से परिभाषित किया है।

पिछली बीआरएस सरकार के रणनीतिक हस्तक्षेपों में 2014-15 और 2023-24 के बीच 10 वर्षों की अवधि में क्रमशः 436.81 करोड़ रुपये और 85.02 करोड़ रुपये मूल्य के मत्स्य और झींगा का मुफ्त वितरण शामिल था। मछुआरा समुदायों को सशक्त बनाने और जलीय कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 2016-17 में शुरू की गई इस पहल से मछली और झींगा उत्पादन में लगातार वृद्धि हुई है। 2014-15 से 2023-24 तक, तेलंगाना में मछली उत्पादन 69.04 प्रतिशत बढ़कर 2.6 लाख टन से 4.39 लाख टन हो गया, जिसमें 6.01 प्रतिशत की प्रभावशाली संचयी वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) रही।

इसी तरह, झींगा उत्पादन 97.94 प्रतिशत बढ़कर 8,352 टन से 16,532 टन हो गया, जो 7.88 प्रतिशत की सीएजीआर है। 2023-24 में झींगा उत्पादन 16,532 टन दर्ज किया गया, जिसका मूल्य 545 करोड़ रुपये था। पिछले दशक में तेलंगाना ने निरंतर दोहरे अंकों की वृद्धि देखी, जिसे बेहतर बुनियादी ढांचे, बाजार पहुंच और मछुआरों के लिए कल्याणकारी उपायों से समर्थन मिला। मछली और झींगा उत्पादन का संयुक्त मूल्य 2014-15 में 2,637 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 7,059 करोड़ रुपये हो गया।

तेलंगाना, जो अब 5.73 लाख वर्ग किलोमीटर जल निकायों के साथ अंतर्देशीय जल में अग्रणी है, अंतर्देशीय मत्स्य पालन के लिए एक आदर्श राज्य के रूप में खड़ा है, जिसके उत्पादों की पूरे देश में मांग है।

धान खरीद केंद्र का तुम्माला, कोमटिरेड्डी ने किया औचक निरीक्षण

नलगोंडा, 22 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। धान की खरीद को प्रभावित करने वाली नमी की समस्या और उचित औसत गुणवत्ता (एफएक्यू) विनिर्देशों के बारे में किसानों की शिकायतों के जवाब में, कृषि मंत्री और नलगोंडा जिला प्रभारी, तुम्मला नागेश्वर राव ने सड़क और भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के साथ शुक्रवार को नलगोंडा मंडल के कोट्टापल्ली धान खरीद केंद्र में धान खरीद कार्यों का औचक निरीक्षण किया।

किसानों ने नमी की मात्रा और एफएक्यू विनिर्देशों के बारे में चिंता व्यक्त की, जो खरीद प्रक्रिया में बाधा डाल रहे हैं्। मंत्रियों ने खरीद केंद्र के कर्मचारियों से बातचीत की और किसानों से आवक, प्रदान की गई सुविधाओं और अब तक किए गए भुगतान के बारे में फीडबैक लिया। किसानों ने मंत्रियों को बताया कि दिसंबर के अंत तक धान की आवक जारी रहने की उम्मीद है। उन्होंने नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे किसानों से खरीदे गए धान का भुगतान शीघ्र सुनिश्चित करें ताकि उन्हें निजी व्यापारियों पर निर्भर न होना पड़े।

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान

National Institute of Indian Medical Heritage

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

अधिसूचना. 07/2024

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजनाएं एसआरएफ (सूचना प्रौद्योगिकी)-01 पद के लिए आवेदन का निमंत्रण है। पूर्ण विवरण इस **वेबसाइट** http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। किसी भी स्पष्टीकरण के लिए सभी कार्य दिवसों पर टेलीफोन नंबर 040-24067388 पर संपर्क किया जा सकता है।

प्रभारी सहायक निदेशक

प्रदीप मिश्रा की कथा में 200 चोरी, 15 महिलाएं अरेस्ट

वाराणसी, 22 नवंबर (एजेंसियां)। वाराणसी के डोमरी में कथावाचक प्रदीप मिश्रा की कथा चल रही है। इसमें 200 चोरी की घटनाएं हुईं। ज्यादातर कथा सुनने आईं महिलाओं के गहने चोरी हुए। किसी की चेन तो किसी का मंगल सूत्र तो किसी की कोई और ज्वैलरी। प्रबंधन के पास जब शिकायतें पहुंचने लगी तो वह परेशान हो गए। पुलिस कमिश्नर से शिकायत की। कमिश्नर ने जांच कराई। पंडाल में लगे सीसीटीवी चेक किए तो महिला चोरों का गिरोह हत्थे चढ़ा। पुलिस ने 15 महिलाओं को गिरफ्तार किया। सीसीटीवी में यह संदिग्ध हरकत करते हुए नजर आई। यानी, कथा के बीच ही एक जगह से दूसरी जगह उठकर बैठ रही थी। जांच की तो पता चला कि ये पूरा गैंग हैं। पूर्वांचल समेत यूपी-बिहार में जहां ज्यादा भीड़ वाले कार्यक्रम होते हैं, वहां पहुंचकर चोरियां करती हैं। पूछताछ में भी पुलिस को काफी देर तक गुमराह करती रही। काशी में प्रदीप मिश्रा की कथा अभी 5 दिन और चलेगी। दरअसल, शिव महापुराण में सुनने के लिए हजारों की संख्या में महिला भक्त सतुआ बाबा के आश्रम में पहुंच रहीं हैं। 200 चोरी की खबर से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने खुद मौके पर पहुंचकर जांच की। रामनगर पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए।

देवरिया में नेहाल सिंह मर्डर केस के 2 आरोपी पकड़े गए

देवरिया, 22 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले की पुलिस ने शुभम सिंह उर्फ नेहाल सिंह मर्डर केस के 2 आरोपियों को शिकंजे में लेने में सफलता हासिल की है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस ने इन दोनों आरोपियों को मुठभेड़ के बाद शुक्रवार तड़के गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने के कारण दोनों आरोपी घायल हो गए। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) सुनील कुमार सिंह ने बताया कि 7 नवंबर को देवरिया जिले के थाना सुरौली क्षेत्र के गांव जद्दु परसिया के पास मुख्य मार्ग पर 28 साल के शुभम सिंह उर्फ नेहाल सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। सिंह ने बताया कि इस केस में 2 आरोपी अनुराग गुप्ता और आशीष पांडेय को मुखबिर की सूचना पर आज तड़के गांव मरकटिया के पास पुलिस एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

कोचिंग सेंटर में 12वीं की छात्रा से रेप

अलीगढ़, 22 नवंबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ में कोचिंग संचालक ने 12वीं की छात्रा के साथ रेप किया। गुस्साए छात्र-छात्राओं ने कोचिंग को घेर लिया। छात्रों ने परिजनों को सूचना देने के साथ ही आरोपी संचालक की पत्नी को भी फोन किया। कोचिंग संचालक की पत्नी पुलिस को पहुंची तो आरोपी ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। गुस्साए लोग दरवाजा तोड़ने लगे। पुलिस ने लोगों को समझाकर हटाया। दरवाजा काटकर आरोपी को बाहर निकाला और थाने ले जाने लगी। आक्रोशित भीड़ आरोपी को पुलिस के कब्जे से छुड़ाने की कोशिश करने लगी। पुलिस ने सख्ती दिखाई तो गुस्साए लोगों ने पुलिस की जीप पर पथराव कर दिया। हालांकि बाद में संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और सख्त कार्रवाई का भरोसा देने पर लोग शांत हुए। मामला सुरेंद्र नगर स्थित कोचिंग सेंटर का है।

एसपी आवास पर सिपाही ने सरकारी बंदूक से खुद को मारकर दी जान

सहारनपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। सहारनपुर जनपद में एसएसपी आवास पर तैनात एक सिपाही ने सरकारी बंदूक से खुद को गोली मार ली। सिपाही की मौके पर ही मौत हो गई। सिपाही की ड्यूटी पहरे में लगी थी। गोली की आवाज सुनकर एसएसपी आवास परिसर में भगदड़ मच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि सिपाही काफी से तनाव में था। थाना जनकपुरी क्षेत्र में देहरादून रोड पर एसएसपी रोहित सिंह सजवाण का आवास है। अमित कुमार (37) की ड्यूटी एसएसपी आवास पर पीछे की तरफ पहरे में लगी थी। देर रात अमित ने अपनी सरकारी बंदूक से गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर आवास परिसर में अफरा-तफरी मच गई। परिसर में ड्यूटी कर रहे अन्य सिपाही मौके पर पहुंचे तो देखा कि अमित खून से लथपथ पड़ा है। मौके पर पहुंची थाना जनकपुरी पुलिस ने जानकारी जुटाई। सिपाही अमित मेरठ के बहसूमा गांव का रहने वाला है, जो काफी समय से तनाव में चल रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया है।

31 साल पुराने केस में 'एक घंटे कटघरे में खड़े रहे'

जिसने पप्पू यादव को पहुंचाया गाजीपुर कोर्ट

पूर्णिया, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को गाजीपुर के एमपी-एमएलए कोर्ट के कटघरे में एक घंटे तक खड़ा रखा गया। उनके खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी हुआ था, जिसके बाद वह कोर्ट पहुंचे। उन्हें 50 हजार रुपये के मुचलके पर कोर्ट के द्वारा रिहा किया गया। साथ ही उनके साथ जो 10 अन्य आरोपी थे उनके गैर हाजिरी का माफी का प्रार्थना पत्र भी अधिवक्ता के द्वारा पेश किया गया। वहीं न्यायालय ने इस मामले पर बहस के लिए चार दिसंबर को अगली तारीख तय किया है।

शासकीय अधिवक्ता नीरज श्रीवास्तव ने बताया कि साल 1993 में तब राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव विधायक हुआ करते थे और अपने एक अन्य विधायक साथी के साथ एक लंबे चौड़े काफिले के साथ गाजीपुर में चुनाव प्रचार के दौरान आने की जानकारी गाजीपुर पुलिस को हुई थी। तब तत्कालीन थाना अध्यक्ष बीएन सिंह ने इन लोगों के काफिले को रुकवाया और पप्पू यादव, उमेश यादव सहित करीब सैकड़ो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। बताते हैं कि उस वक्त पप्पू यादव चुनाव सभा में गड़बड़ी उत्पन्न करने के लिए बक्सर उजियार घाट होते हुए गाजीपुर की सीमा में प्रवेश किए थे।

सुनवाई के लिए भेजा एमपी-एमएलए कोर्ट

इसी मामले में पुलिस ने आरोप पत्र मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट के न्यायालय में पेश किया था। जहां पर मामले में सभी आरोपियों को 31 जुलाई 2023 को दोष मुक्त कर दिया गया। लेकिन उस आदेश के विरुद्ध जिला जज के न्यायालय में 6 सितंबर 2023 को शासकीय अधिवक्ता के द्वारा अपील दाखिल किया गया। उसके बाद जिला जज की अदालत ने मामले को एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई के लिए भेज दिया था

जारी किया गैर जमानती वारंट

एमपी एमएलए कोर्ट में इस मामले में लगातार कार्रवाई चल रही थी। बार-बार पुकार पड़ने के बाद भी आरोपियों की तरफ से कोई उपस्थित नहीं हो रहा था। इसके बाद कोर्ट ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए पप्पू यादव सहित 11 लोगों के विरुद्ध गैर जमानती वारंट 22 अक्टूबर को जारी किया था। उन्हें 4 नवंबर को कोर्ट में पेश होने के लिए तारीख नियत किया था। लेकिन पप्पू यादव ने कोर्ट के आदेशों के अवहेलना करते हुए उपस्थिति दर्ज नहीं कराई।

50 हजार के मुचलके पर किया रिहा

इसके बाद कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी के लिए मोहम्मदाबाद प्रभारी निरीक्षक को निर्देश देते हुए स्पष्टीकरण भी दाखिल करने को कहा। न्यायालय का सख्त रूप देख पप्पू यादव अपने समर्थकों के साथ कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने प्रार्थना पत्र दिया। इस दौरान उन्हें कटघरे में करीब एक घंटे से ऊपर भी रहना पड़ा। इसके बाद गैर जमानती वारंट निरस्त करते हुए 50 हजार रुपये के निजी बंध पत्र पर उन्हें रिहा किया गया। हालांकि, पप्पू यादव ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि वह कोर्ट का सम्मान करते हैं। उन्हें कोर्ट का आदेश पुलिस के द्वारा मिला तो कोर्ट का सम्मान करने के लिए वह न्यायालय में पेश हुए हैं।

अस्पतालों में होगा बड़ा बदलाव

एक्शन मोड में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक

झांसी, 22 नवंबर (एजेंसियां)। झांसी में हुए हादसे के बाद अब स्वास्थ्य विभाग जाग चुका है और अब प्रदेश के जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में आईसीयू, एनआईसीयू और पीआईसीयू का नए सिरे से सर्वे होने जा रहा है। जिन अस्पतालों में भी यह यूनिटें मानकों के अनुरूप नहीं है वहां सुधार करने के लिए कहा गया है और जहां सुधार की गुंजाइश न हो उन यूनिटों को दूसरी जगह शिफ्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग में अलग-अलग टीमें गठित करने के निर्देश दिए हैं। ये टीमें इन वार्डो का सर्वे करेंगी और जहां जो परिवर्तन की जरूरत होगी उस पर काम करेंगीं। झांसी हादसे के बाद वहां मौके पर पहुंचे ब्रजेश पाठक ने जब स्थितियों को देखा तो उन्हें स्थितियां ठीक नहीं लगी क्योंकि वहां कई दिक्कतें थीं जिसमें एक आईसीयू में मानक से अधिक बच्चे भर्ती थे और यूनिट से निकलने का रास्ता भी सिर्फ एक था जिस वजह से स्टाफ चाह कर भी बच्चों को नहीं निकल पाया। इस तरीके की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए अब स्वास्थ्य मंत्री ने रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

बिहार में 12 सीओ निलंबित, 189 का वेतन रुका

पटना, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में जमीन सर्वे हो रहा है। इस बीच जमीन सर्वे का काम सही से पूरा कैसे हो, लोगों को जो समस्या आ रही है उसका कैसे समाधान हो इस संबंध में लगातार निर्णय लिए जा रहे हैं। बदलाव किए जा रहे हैं। इसी क्रम में विभाग की ओर से बड़ा एक्शन लिया गया है। लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर गाज गिरी है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल ने बड़ा एक्शन लेते हुए भ्रष्टाचार में लिप्त और नाकाबिल 189 सीओ के वेतन को रोक दिया है। इसके साथ ही 12 सीओ को निलंबित कर दिया गया है। मंत्री दिलीप जायसवाल ने मीडिया से कहा कि देश की आजादी के बाद अभी तक का यह पहला बड़ा एक्शन है। दिलीप जायसवाल ने कहा, चाहे सर्वे का काम हो या राजस्व विभाग का कोई भी काम हो, जो हम आम जनता को सेवा देते हैं, मैंने खुला संदेश राजस्व विभाग के पदाधिकारी और कर्मचारियों को दिया है कि आप अगर जनता के साथ अन्याय करेंगे, जनता के काम में देर करेंगे, भ्रष्टाचार का अगर खेल होगा तो दिलीप जायसवाल एक ऐसा मंत्री है कि उसके कलम से कोई नहीं बचेगा।

पत्नी के जन्मदिन पर की फायरिंग, अब गए जेल

छपरा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। सारण में अवैध हथियार के प्रदर्शन और हर्ष फायरिंग को लेकर पुलिस काफी सक्रिय है। आए दिन इस तरह की वीडियो और फोटो सामने आने पर लोगों के ऊपर कार्रवाई हो रही है। इसी क्रम में नया गांव थाना क्षेत्र के महमुदचक गांव निवासी सोनू कुमार पिता जयदीप साहनी को गिरफ्तार किया गया है। जिसके द्वारा जन्मदिन के वक्त पत्नी के साथ अवैध हथियार से फायरिंग किए जाने का बीडीओ वायरल हुआ था। वीडियो वायरल होने के बाद कार्रवाई करते हुए पुलिस ने युवक को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है।

तांत्रिक आधी रात को भगा ले गया था लड़की, बंद कमरे में किया ऐसा काम 7 साल बाद मिली सजा

बिजनौर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में एक किशोरी से रेप करने वाले तांत्रिक को कोर्ट ने 10 साल जेल की सजा सुनाई है। मामला दिसंबर 2017 का है। आरोप है कि तांत्रिक मुरादाबाद की रहने वाली किशोरी को बहला फुसलाकर अपने साथ देहरादून ले गया। फिर उसने तंत्र-मंत्र के नाम पर किशोरी से रेप किया। जब इसकी भनक किशोरी के पिता को लगी तो उन्होंने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार किया। मामले में अब कोर्ट ने फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आरोपी तांत्रिक को 10 साल जेल की सजा सुनाई है। जानकारी के मुताबिक, तांत्रिक देहरादून के तांत्रिक देहरादून के डोईवाला का रहने वाला है। बिजनौर में तंत्र मंत्र के दौरान तांत्रिक ने किशोरी को अपने जाल में फंसा लिया। एक रात बहला फुसलाकर तांत्रिक किशोरी को देहरादून ले गया। फिर उसको नशीला पदार्थ खिलाकर रेप किया। मुरादाबाद की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने सात साल पुराने मामले में दोषी को कठोर कारावास की सजा सुनाई और दस हजार रुपये का जुर्माने भी लगाया।

ट्रैक्टर-ट्रॉली ने स्कूल वैन को मारी टक्कर, वाहन में फंसा छात्र

शाहजहांपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के मीरानपुर कटरा में लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार सुबह बच्चों से भरी स्कूल वैन को धान से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली से टक्कर लग गई। हादसे में वैन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त होने के साथ ही बच्चों में चीख पुकार मच गई। एक बच्चा वैन में फंस गया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार सुबह करीब आठ बजे एक स्कूल की वैन बच्चों को लेकर जा रही थी। वैन में 12 से अधिक बच्चे सवार थे। रास्ते में बिहारीपुर भनपुरा के पास पेट्रोल पंप से डीजल भराकर जा रहे धान से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली से वैन को टक्कर लग गई। हादसे के बाद बच्चों में चीख पुकार मच गई। छात्र अंश प्रताप सिंह वैन में फंस गया। छात्र के चेहरे से खून बह रहा था। आसपास के लोगों ने बचाव का कार्य शुरू किया। किसी तरह उसे बाहर निकाला गया। छात्र को चोट आने पर उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया है।

महिला के सामने मसाज कराते दिखे ऑन ड्यूटी थानाध्यक्ष

प्रतापगढ़, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जिले में पुलिस विभाग के एक अधिकारी का थाने में मसाज कराने का मामला सामने आया है। वहीं घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। दरअसल, वीडियो में लीलापुर के प्रभारी निरीक्षक अपनी कुर्सी पर बैठकर मसाज कराते हुए दिख रहे हैं। वहीं थाने में महिला फरियादी के सामने बैठकर मसाज करा रहे लीलापुर थानाध्यक्ष नरेंद्र सिंह का वीडियो वायरल होने के बाद देर रात एसपी ने मामले की जांच सीओ लालगंज को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट आने के बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में नेशनल हाइवे का नेटवर्क अमेरिका के बराबर हो जाएगा: गडकरी

पटना, 22 नवंबर (एजेंसियां)। आज भी देश के कई हिस्सों में अच्छी सड़कें नहीं हैं, लगातार देश में कई बड़े एक्सप्रेसवे और सड़कों का काम चल रहा है। इसी कड़ी में अब बिहार की सड़कों की हालत भी सुधरने वाली है। गया में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि जब 2029 में बीजेपी जीत कर केंद्र की सत्ता में 15 साल पूरे करेगी, तब तक बिहार में राष्ट्रीय राजमार्गों का नेटवर्क अमेरिका के बराबर हो जाएगा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार सड़क आधारभूत संरचना के मामले में तेजी से प्रगति कर रही है और यह बिहार में भी देखने को मिल रहा है, मैं वादा करता हूं कि मौजूदा पांच साल के कार्यकाल के बाद, जब हम सत्ता में 15 साल पूरे कर लेंगे, तो बिहार का सड़क नेटवर्क अमेरिका के बराबर हो जाएगा। उन्होंने इस मौके पर 3,700 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। गडकरी ने कहा कि आज जिन परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। उनमें राष्ट्रीय राजमार्ग-20 का बख्तियारपुर-रजौली खंड और रजौली से हल्दिया तक सड़क चौड़ीकरण शामिल है। इससे झारखंड और बिहार के बीच संपर्क बेहतर होगा, और नवादा जिले के लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा।

इन प्रोजेक्टस की रखी आधारशिला

गडकरी ने हसनपुर से बख्तियारपुर सड़क चौड़ीकरण खंड जिससे नालंदा और पटना जिलों के बीच यात्रियों को लाभ मिलने की उम्मीद है, सहित कई अन्य परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। अन्य परियोजनाओं में 5,100 करोड़ रुपये की लागत से 90 किलोमीटर लंबी मोकामा से मुंगेर सड़क का चौड़ीकरण और 1,250 करोड़ रुपये की लागत से नौ शहरों में 11 रेल ओवर ब्रिज शामिल हैं। गडकरी ने पटना में 10,000 करोड़ रुपये की लागत से ग्रीनफील्ड रिंग रोड की भी घोषणा की है।

संभल मस्जिद में सर्वे के मामले में मायावती ने कहा सुप्रीम कोर्ट हस्तक्षेप कर कार्रवाई करे

लखनऊ, 22 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने संभल मस्जिद मामले में प्रतिक्रिया दी है। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप की मांग की है। संभल की जामा मस्जिद में कोर्ट के एक आदेश के बाद रात को ही सर्वे कराया गया था। जुमे की नमाज को लेकर पीएसी और पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है। बसपा चीफ ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा- यूपी के संभल जिले की शाही जामा मस्जिद को लेकर अचानक विवाद, सुनवाई और फिर उसके फौरन ही बाद आपाधापी में सर्वे की खबरें राष्ट्रीय चर्चा व मीडिया की सुर्खियों में है, किन्तु इस प्रकार से सदभाव व माहौल को बिगाड़ने का संज्ञान सरकार तथा माननीय सुप्रीम कोर्ट को भी जरूर लेना चाहिए। यूपी के संभल जिले की शाही जामा मस्जिद को लेकर अचानक विवाद, सुनवाई और फिर उसके फौरन ही बाद आपाधापी में सर्वे की खबरें राष्ट्रीय चर्चा व मीडिया की सुर्खियों में है, किन्तु इस प्रकार से सदभाव व माहौल को बिगाड़ने का संज्ञान सरकार तथा मा। सुप्रीम कोर्ट को भी जरूर लेना चाहिए।

यूपी विधानसभा उपचुनाव: अखिलेश का दावा- 'हम नैतिक रूप से जीत चुके, बस प्रमाणपत्र बाकी'

लखनऊ, 22 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 9 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए वोटिंग संपन्न हो चुकी है। शनिवार 23 नवंबर 2024 को चुनाव के परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे।

चुनाव परिणाम से पहले ही समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बड़ा दावा किया है। अखिलेश ने कहा है कि समाजवादी पार्टी नैतिक रूप से जीत चुकी है, बस प्रमाणपत्र मिलना बाकी है। अखिलेश ने इसके साथ भाजपा पर निशाना साधते हुए अपने कार्यकर्ताओं की जमकर तारीफ भी की है। आइए जानते हैं अखिलेश ने और क्या कुछ कहा है।

भाजपा के संमर्थकों की संख्या कम हो रही

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन-समाजवादी पार्टी की सजगता व सक्रियता से जिस तरह हमारे मतदाताओं, समर्थकों, कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, नेताओं, उम्मीदवारों, समस्त पीडीए समाज व कुछ ईमानदार मीडियाकर्मियों ने भाजपा सरकार की चुनावी धांधली का डटकर सामना किया है, उसकी प्रशंसा हर ओर हो रही है।

ये सक्रियता आगे भी जारी रहेगी और अपनी सरकार बनाएगी। अखिलेश ने भाजपा पर चुनावी घपलों से लेकर राजनीतिक हथकंडों को अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा का समर्थन करनेवालों की संख्या दिन-पर-दिन गिरती जा रही है। जनता भाजपा को चुनना नहीं चाहती है, इसीलिए भाजपा भ्रष्ट शासन-प्रशासन-प्रचार तंत्र का दुरुपयोग करके सरकार में बने रहना चाहती है।

भाजपा किसी की सगी नहीं-

अखिलेश यादव ने कहा- धीरे-धीरे सबको ये समझ आ जाएगा कि चाहे नेता हों या अधिकारी, भाजपा सबको पहले लालच या अन्य किसी दबाव या भावनात्मक रूप से झाँसा देकर गलत काम करवाती है फिर जब वो पकड़े जाते हैं, उनका निलंबन होता है, उनपर मुक़दमा होता है, उनकी नौकरी जाती है या उनको जेल होती है या फिर समाज-परिवार अथवा विभाग में बदनामी होती है तो भाजपा उनसे पल्ला झाड़ लेती है। भाजपाई फँसानेवाले लोग हैं, बचानेवाले नहीं। भाजपा किसी की सगी नहीं है।

प्रमाणपत्र लेकर ही लौटें-

अखिलेश यादव ने कहा कि हम नैतिक रूप से जीत चुके हैं, बस प्रमाणपत्र मिलना बाक़ी है। अखिलेश ने इंडिया गठबंधन-सपा के सभी जागरूक उम्मीदवारों, कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, नेताओं, समर्थकों व समझदार आम जनता से अपील की है कि वे डटे रहें, अपने वोट की दिन-रात रक्षा करें व कल मतगणना के लिए पूरी तरह सावधान रहें और जीत का प्रमाणपत्र लेकर ही लौटें।

क्रिप्टो करेंसी खरीदने के नाम पर युवक से की मारपीट

लखनऊ, 22 नवंबर (एजेंसियां)। गोमतीनगर इलाके में क्रिप्टो करेंसी खरीदने को लेकर हुए विवाद में एक युवक के साथ मारपीट की गई। आरोपियों ने पहले क्रिप्टों करंसी बेचने के नाम पर युवक को एक रेस्टोरेंट में बुलाया और फिर उसे कार में बिठाकर मारपीट की। युवक अपने भाई के साथ वहां पहुंचा था। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों में कमीशनबाजी को लेकर विवाद हुआ था। आरोपियों ने क्रिप्टो करेंसी अपने अकाउंट में ट्रांसफर करा ली। इस मामले में पीड़ित ने गोमतीनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि उन्होंने जबरन पीड़ित युवक का डीमेट अकाउंट का पासवर्ड ले लिया और 1600 यूएसडीटी ट्रांसफर कर लिए। फैसल में पुलिस के पास शिकायत करने की बात कही तो आरोपी जान से मारने की धमकी दी और भाग निकले। इस मामले इंस्पेक्टर गोमती नगर राजेश त्रिपाठी का कहना है कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। शिकायत के आधार पर जाँच की जा रही है।

वाशिंग पाउडर की कंपनी ने नहीं दिए कूपन में जीते पैसे, 13 साल बाद 13 लाख रुपए देने का आदेश

पटना, 22 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में एक व्यक्ति को वाशिंग पाउडर के पैकेट में मिले कूपन से 13 साल पहले 5 लाख रुपए जीते थे, लेकिन कंपनी ने पैसे नहीं दिए। अब जाकर जिला उपभोक्ता आयोग ने कंपनी को 13 लाख 20 हजार रुपए का भुगतान करने का आदेश दिया है। दरअसल, साल 2011 में पटना के अभिताभ निरंजन ने सर्फ एक्सेल वाशिंग पाउडर के एक पैकेट में एक कूपन पाया, जिसमे उन्हें 5 लाख रुपए जीतने का दावा किया गया था। कूपन के मुताबिक ये इनाम हिंदुस्तान लिवर लिमिटेड और मुंबई स्थित सर्फ एक्सेल प्रतियोगिता की ओर से दिया जाना था। हालांकि, जब अभिताभ ने अपना इनाम लेने की कोशिश की तो कंपनी ने उन्हें कोई पैसा नहीं दिया। अमिताभ निरंजन ने इस मामले को लेकर पटना जिला उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया। आयोग ने कई बार कंपनी को नोटिस भेजा लेकिन कंपनी ने कोई जवाब नहीं दिया और ना ही कोई प्रतिनिधि अदालत में पेश हुआ। आयोग ने पाया कि कंपनी ने 'झूठे और आकर्षक विज्ञापनों के जरिये उपभोक्ताओं को गुमराह किया' और 'अनुचित व्यापार पद्धतियों का पालन' किया। आयोग के अध्यक्ष प्रेम रंजन मिश्र और सदस्य रजनीश कुमार ने कंपनी को जुर्माना और मुआवजे के तौर पर 13.2 लाख रुपए का भुगतान करने का आदेश दिया।

120 दिन में 13.20 लाख रुपए देने के आदेश

इस राशि में मूल इनाम राशि 5 लाख रुपए के साथ-साथ 26 सितंबर 2011 से 12% वार्षिक साधारण ब्याज भी शामिल है। इसके अलावा, कंपनी को मानसिक पीड़ा और शारीरिक उत्पीड़न के लिए 20,000 रुपए और मुकदमे की लागत के रूप में 10,000 रुपए का भुगतान भी करना होगा। कंपनी को यह पूरी राशि 120 दिनों के अंदर अदा करनी होगी। ये मामला उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा और कंपनियों की ओर से किए जाने वाले धोखाधड़ी वाले व्यवहार के खिलाफ एक मिसाल कायम करता है।

जेडीयू का दामन थामेंगे खान सर? नीतीश कुमार के बाद मनीष वर्मा से मिले

पटना, 22 नवंबर (एजेंसियां)। देश के चर्चित शिक्षक खान सर ने जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा से मुलाकात की है। उनकी इस मुलाकात के बाद अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या खान सर जेडीयू का दामन थामने का मन बना रहे हैं? इसके पीछे की वजह यह है कि अभी कुछ दिनों पहले ही खान सर ने सीएम नीतीश कुमार से भी मुलाकात की थी। अब मनीष वर्मा से वो मिले हैं। ऐसे में कयासों का दौर शुरू हो गया है। जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव मनीष वर्मा ने मुलाकात की तस्वीरों को अपने एक्स अकाउंट से शेयर किया है। मुलाकात की वजह उन्होंने अपने पोस्ट में बताई है। लिखा गया है, आज पटना आवास पर बिहार और देश के जाने-माने शिक्षक खान सर का आना हुआ। उनके साथ बिहार की शिक्षा-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने सहित बिहार के विकास को लेकर सार्थक चर्चा हुई।

निश्चित रूप से बिहार सहित पूरे देश के छात्रों के लिए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी को सुलभ बनाने में आपकी भूमिका सराहनीय है। आपको बता दें कि मनीष वर्मा रिटायर्ड आईएएस अधिकारी हैं। वे सीएम नीतीश कुमार के काफी करीबी माने जाते हैं। यही वजह है कि नीतीश कुमार ने उन्हें पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी दी है और जेडीयू का राष्ट्रीय महासचिव बनाया है। अभी कुछ दिनों से मनीष वर्मा भी लगातार अलग-अलग जिलों में जाकर सभाएं कर रहे हैं। लोगों से मिल रहे हैं। नीतीश कुमार के किए गए कामों के बारे में लोगों को बता रहे हैं। अब उनकी और खान सर की मुलाकात के बाद कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

'जम्मू में नेकां को कश्मीर केंद्रित एजेंडा नहीं चलाने देंगे, हिंदी को नजर अंदाज किया जा रहा': रंधावा

जम्मू, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा के बाहु विधानसभा से विधायक विक्रम रंधावा ने कहा कि हम जम्मू में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के कश्मीर केंद्रित एजेंडे को नहीं चलेंगे। जम्मू क्षेत्र के युवाओं के अधिकारों को कमजोर करने के मुद्दे को बर्दाशत नहीं किया जाएगा। रंधावा ने वीरवार को प्रेस क्लब के बाहर उम्मीदवारों के प्रदर्शन में शामिल होकर 10+2 लेक्चररों के लिए विज्ञापित पदों में हिंदी और संस्कृति को नजरअंदाज करने का विरोध किया। उन्होंने हिंदी के लिए 200, डोगरी, संस्कृत, और पंजाबी के लिए 20-20 पद शामिल करने पर जोर दिया। रंधावा ने कहा कि हम कश्मीर समर्थक एजेंडे को आगे बढ़ाने के प्रयासों के खिलाफ खड़े रहेंगे। उमर सरकार ने सत्ता में आते ही जम्मू के युवाओं की आकांक्षाओं को दरकिनार करते हुए अपनी कश्मीर-केंद्रित नीतियों को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर पीएससी की आलोचना की कि उसने फारसी के लिए चार पदों के लिए विज्ञापन दिया है, जबकि राष्ट्रीय भाषा हिंदी के लिए कोई भी पद नहीं दिया है। हम हिंदुस्तान में रह रहे हैं, किसी अरबी देश में नहीं, फिर भी फारसी और अरबी के पदों को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि लाखों लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा हिंदी को नजरअंदाज किया जा रहा है। इस असंतुलन को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने जम्मू-कश्मीर पीएससी की भर्ती अधिसूचना को तत्काल वापस लेने की मांग की। उम्मीदवारों ने किया प्रदर्शन कहां हिंदी व संस्कृत भाषा को अनदेखा किया गयाजम्मू। जम्मू-कश्मीर स्कूल शिक्षा विभाग में लेक्चरर के 575 पदों पर भर्ती होनी है। स्कूल शिक्षा विभाग ने भर्ती एजेंसी जम्मू-कश्मीर लोक सेवा आयोग को पद रेफर किए है।

विनोद तावड़े का राहुल-खड़गे को 100 करोड़ का नोटिस

मुझे और बीजेपी को बदनाम करने के लिए 5 करोड़ बांटने का आरोप लगाया, माफी मांगें

मुंबई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र चुनाव से पहले हुए कैश कांड पर भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को 100 करोड़ का मानहानि नोटिस भेजा। तावड़े ने कहा कि भाजपा और मुझे बदनाम करने के लिए इन नेताओं ने झूठे आरोप लगाए। कहा कि मैंने 5 करोड़ रुपए जनता में बांटे। भाजपा महासचिव ने कहा कि मैं इन नेताओं के साथ कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत को नोटिस भेज रहा हूं, ये लोग जनता के बीच मुझसे माफी मांगें या कोर्ट कार्रवाई का सामना करें। महाराष्ट्र में वोटिंग से एक दिन पहले 19 नवंबर को बहुजन विकास अघाड़ी (बीवीए) ने तावड़े पर 5 करोड़ रुपए बांटने का आरोप लगाया था। बीवीए अध्यक्ष

हितेंद्र ठाकुर और उनके बेटे क्षितिज 19 नवंबर विरार के होटल पहुंचे। यहां तावड़े नालासोपारा से भाजपा कैंडिडेट राजन नाइक और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग कर रहे थे। बीवीए ने आरोप लगाया कि तावड़े 5 करोड़ रुपए लेकर होटल पहुंचे थे और यहां वोटर्स को पैसे बांटे जा रहे थे।

राहुल-खड़गे माफी मांगे या कोर्ट का सामना करें- तावड़े तावड़े ने कहा, इन लोगों ने सिर्फ मुझे और मेरी पार्टी को बदनाम करने के लिए ऐसा किया। इससे मुझे दुख पहुंचा है। मैं एक मिडिल क्लास फैमिली से आता हूं।

चुनाव आयोग ने तावड़े के खिलाफ 2 एफआईआर दर्ज कराई

विपक्ष के आरोप के बाद चुनाव आयोग ने विनोद तावड़े और नालासोपारा से भाजपा कैंडिडेट राजन नाइक के खिलाफ 2 एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया, पहली एफआईआर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन के मामले में की गई है। आरोप है कि तावड़े और अन्य होटल में इकट्ठा हुए। दूसरी एफआईआर में मतदाताओं को नकदी और शराब की पेशकश कर उन्हें लुभाने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक चुनाव आयोग के अफसरों ने तावड़े के कमरे से 9 लाख रुपए और कागजात बरामद किए। इसका वीडियो सामने आया है। हालांकि चुनाव आयोग ने सिर्फ इतना कहा है कि कुछ सीज किया गया है।

पुलिसकर्मियों की सजगता से बेटी पहुंची परिजनों के पास

उमरिया, 22 नवंबर (एजेंसियां)। उमरिया के नौरोजाबाद थाना क्षेत्र का है। जहां डायल 100 में तैनात एसआई संदीप शुक्ला, प्रधान आरक्षक धर्मचंद और आरक्षक संजय गौलिया नौरोजाबाद रेलवे स्टेशन निरीक्षण पर थे। उन्हें एक लड़की संदिग्ध परिस्थितियों में बैठे हुए दिखाई दी। पूछताछ के दौरान जब लड़की के बैग की तलाश ली गई तो उसमें लड़की की पूरे शैक्षणिक डॉक्यूमेंट मिले। डायल 100 ड्यूटी में तैनात एएसआई संदीप शुक्ला ने तत्परता दिखाते हुए मौके से ही लड़की के मोबाइल से उनके परिजनों से रात दो बजे बात की।

बातचीत के दौरान पता चला कि दोपहर बाद से लड़की की तलाश परिजन कर रहे हैं। लेकिन लड़की का पता नहीं चल पा रहा था। सूचना मिलने के तुरंत बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए परिजन तत्काल देर रात ही अनुपपुर के राजेंद्र ग्राम के पास स्थित अपने गांव जरही से चार पहिया वाहन के माध्यम से नौरोजाबाद थाना की ओर रवाना हुए।

नवंबर की ठंड ने तोड़ा रिकॉर्ड, पचमढ़ी सबसे सर्द, इंदौर भी कंपकंपाया

इंदौर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में इस साल नवंबर की ठंड ने पिछले साल के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया है। प्रदेश के लगभग सभी शहरों में तापमान सामान्य से नीचे चला गया है, जिसमें पचमढ़ी सबसे ठंडा हिल स्टेशन साबित हो रहा है। राजधानी भोपाल में इस नवंबर का तापमान पिछले 10 सालों में तीसरी सबसे सर्द रात का गवाह बना, जब पारा 10.2 डिग्री सेल्सियस तक गिरा। इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर में भी रात का तापमान 15 डिग्री से नीचे आ गया।

कई शहरों में दस डिग्री से कम है तापमान

पचमढ़ी में सबसे कम तापमान 7.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जबकि अन्य शहरों जैसे शाजापुर, शहडोल, और मंडला में पारा 9 डिग्री के करीब रहा। बड़े शहरों में भोपाल और ग्वालियर में तापमान क्रमशः 10.2 डिग्री और 11.1 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि इंदौर और उज्जैन में यह 13.9 डिग्री और 11.5 डिग्री तक पहुंचा। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिम-उत्तर भारत में चल रही जेट स्ट्रीम हवाओं और दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम के सक्रिय होने से प्रदेश में सर्द हवाओं का असर बढ़ गया है।

एक सप्ताह में गिरा तापमान

पिछले एक सप्ताह से रात के साथ दिन के तापमान में भी 2-3 डिग्री की गिरावट देखी गई है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, ऐसा ही मौसम अगले कुछ दिनों तक बना रहेगा, जिसके बाद दिसंबर में ठंड और तेज हो जाएगी। इस प्रकार, मध्यप्रदेश में सर्दी ने नवंबर के महीने को कड़ाके की ठंड के साथ यादगार बना दिया है।

पंजाब में आप ने नए अध्यक्ष के नाम का किया ऐलान, अमन अरोड़ा को दी जिम्मेदारी

चंडीगढ, 22 नवंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी पंजाब के नए अध्यक्ष के नाम का ऐलान कर दिया है। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसकी जानकारी दी है। बता दें कि अमन अरोड़ा को आम आदमी पार्टी का नया पंजाब अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा विधायक शेर सिंह कलसी को आम आदमी पार्टी पंजाब का उपाध्यक्ष बनाया गया है।

सीएम मान ने किया पोस्ट

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने एक्स पर इस संबंध में एक पोस्ट भी किया। अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'आज मैंने पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी अपने दो करीबी साथी कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा और विधायक अमनशेर सिंह शैरी कलसी को सौंप दी है। पार्टी ने फैसला किया है कि अमन अरोड़ा पार्टी अध्यक्ष और शैरी कलसी वर्किंग प्रेसीडेंट के तौर पर काम करेंगे। मुझे अपने दोनों साथियों पर पूरा विश्वास है कि वे आने वाले समय में पार्टी और संगठन को पंजाब में और मजबूत करेंगे और नई ऊंचाइयों तक लेकर

जाएंगे।'

कौन हैं अमन अरोड़ा

बता दें कि अमन अरोड़ा पहली बार मार्च 2017 के पंजाब विधानसभा चुनाव में विधायक चुने गए। उन्होंने रिकॉर्ड 30,307 वोटों से सुनाम विधानसभा सीट पर चुनाव जीता था। उन्होंने कांग्रेस के जसविंदर सिंह धीमान को 75,277 वोटों के अंतर से हराया था। अमन अरोड़ा आम आदमी पार्टी की पंजाब राज्य इकाई के सह-अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के टिकट पर 2007 और 2012 में सुनाम से दो बार चुनाव लड़ा। इसके बाद जनवरी 2016 में, अरविंद केजरीवाल की राजनीति से प्रभावित होकर उन्होंने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ले ली थी।

कौन हैं शेर सिंह कलसी

अमन शेर सिंह (शेरी कलसी) एक भारतीय राजनीतिज्ञ और बटाला विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। वह आम आदमी पार्टी के सदस्य हैं। इसके अलावा कलसी पंजाब विधानसभा में विधायक के रूप में बटाला विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस बार आम आदमी पार्टी ने उन पर भरोसा जताते हुए बड़ी जिम्मेदारी दी है और उन्हें आम आदमी पार्टी पंजाब का उपाध्यक्ष बनाया गया है।

मस्जिद मामले में वक्फ बोर्ड का जवाब; मोहमद लतीफ को 2006 में बनाया संजौली मस्जिद कमेटी का अध्यक्ष

शिमला, 22 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के बहुचर्चित संजौली मस्जिद विवाद में आज जिला कोर्ट में सुनवाई हुई। इसमें वक्फ बोर्ड ने संजौली मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष मोहमद लतीफ को लेकर अपना जवाब फाइल किया और साल 2006 का वह डॉक्यूमेंट कोर्ट में दिखाया, जिसमें मोहमद लतीफ को संजौली मस्जिद कमेटी का अध्यक्ष बनाने की बात कही गई थी। वक्फ बोर्ड के पत्र पर शुक्रवार को अदालत में बहस हुई। अब यह मामला 30 नवंबर को फिर सुना जाएगा। बता दें कि ऑल हिमाचल मुस्लिम वेलफेयर एसोसिएशन नगर निगम आयुक्त शिमला के 5 अक्टूबर के आदेशों को कोर्ट में चुनौती दे रखी है। इसमें दलील दी गई कि मोहमद लतीफ नाम के जिस व्यक्ति ने मस्जिद तोड़ने की सहमति दी है, वह इसके लिए अधिकृत नहीं है। इस पर कोर्ट ने पिछली सुनवाई में वक्फ बोर्ड से मोहमद लतीफ को लेकर जवाब मांगा था।

5 अक्टूबर को आया था नगर निगम आयुक्त कोर्ट का फैसला

मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी ने संजौली मस्जिद की तीन मंजिलों को गिराने के निगम आयुक्त के आदेशों को चुनौती दे रखी है। संजौली मस्जिद मामले में एमसी आयुक्त कोर्ट ने बीते 5 अक्टूबर को फैसला सुनाया था। कोर्ट ने मस्जिद की 3 अवैध मंजिल हटाने के आदेश दिए थे। इसके बाद मस्जिद कमेटी ने अवैध हिस्से को हटाने का काम भी शुरू कर दिया है। मस्जिद की एटिक यानी छत को हटाने का काम पूरा हो गया है। अब टॉप की मंजिल की दीवारों को तोड़ा जाना है। इस बीच मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी ने कोर्ट में मामले को चुनौती दी है। संजौली मस्जिद कमेटी अपने खर्चे पर ऊपर की 3 मंजिल तुड़वाने का काम कर रही है।

'राहुल गांधी को देश के लोग मजाक में लेते हैं' अदाणी मामले पर एमपी के सीएम ने साधा निशाना

भोपाल, 22 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में गौतम अदाणी पर रिश्वत के आरोप लगने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की है। जिसपर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को देश के लोग मजाक में लेते हैं। उन्हें गंभीरता से नहीं लिया जाता है। इसके अलावा उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर भी तीखा हमला बोला है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव उज्जैन में मेडिसिटी और मेडिकल कॉलेज के साथ-साथ 550 बेड के अस्पताल का भूमि पूजन करने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने भूमि पूजन कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद एबीपी न्यूज़ से खास बातचीत की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को लोग गंभीरता से नहीं लेते। उन्होंने राहुल गांधी की ओर से अदाणी की गिरफ्तारी को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार किया है। वहीं फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कांग्रेस के अन्य नेताओं की ओर से दिए गए बयान पर पलटवार किया है। दरअसल, कांग्रेस नेताओं ने कहा था कि मध्य प्रदेश में किसान त्रस्त है और सरकार फिल्म देखने में मस्त है। इसपर उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह हमेशा हिंदुओं को लज्जित करने का काम करते हैं। मोहन यादव ने कहा की जनसंघ के जमाने से उज्जैन में मेडिकल कॉलेज की मांग उठ रही थी जो अब जाकर पूरी हुई है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज उज्जैन के स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को बेहतर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि मेरा जन्म भी जब नहीं हुआ था, तब भी लोग मेडिकल कॉलेज की मांग उठा रहे थे, लेकिन कांग्रेस की सरकार की वजह से इतने लंबे अंतराल तक मध्य प्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में मेडिकल कॉलेज की नींव नहीं रखी जा सकी।

मंत्री ने घर को कंटीले तारों से घेरा

इंफाल, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में हालिया हुई हिंसा के चलते तनाव है। 16 नवंबर को मुख्यमंत्री बीरेन सिंह और 17 विधायकों के घर हमले हुए थे। राज्य के मंत्री एल सुसींद्रो के घर को भी निशाना बनाया गया था। अब सुसींद्रो ने मणिपुर ईस्ट स्थित अपने घर को कंटीले तारों और लोहे के जाल से घेर दिया है। सुसींद्रो ने कहा कि संपत्ति की रक्षा करना हमारा संवैधानिक हक है। अगर भीड़ ने फिर हमला किया तो इसका जवाब दिया जाएगा। सुसींद्रो काफी चर्चा में रहते हैं। जब मणिपुर में हथियार लूटे जा रहे थे, तब उन्होंने घर में वेपंस ड्रॉप बॉक्स बनाया था, ताकि लोग हथियार जमा कर दें। सुसींद्रो, मैतेई समुदाय से आते हैं। विधायकों के घरों पर हमले के दौरान 1.5 करोड़ रुपए के जेवर लूटे जाने का खुलासा हुआ है। जेडीयू विधायक के. जॉयकिशन सिंह की मां ने पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। तोड़फोड़ करने वाली भीड़ ने थांगमेइबंद इलाके में विधायक के आवास से 18 लाख रुपए नकद भी लूट लिए। विस्थापितों के लिए रखे कई सामान भी नष्ट कर दिए। रिलिफ कैंप की वॉलंटियर सनयाई ने दावा किया कि हिंसा के दौरान लॉकर, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान और फर्नीचर में तोड़फोड़ की गई। भीड़ 7 गैस सिलेंडर ले गई। विस्थापितों के दस्तावेज नष्ट कर दिए। तीन एसी ले जाने की भी कोशिश की। मणिपुर में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लेने वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने कहा है कि यदि भाजपा मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को हटाती है तो पार्टी अपने फैसले पर दोबारा विचार कर सकती है। एनपीपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युमनाम जॉयकुमार सिंह ने कहा- बीरेन सिंह राज्य में शांति लाने में पूरी तरह विफल रहे हैं। यही कारण है कि एनपीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया। हालांकि, समर्थन वापस लेने का मणिपुर सरकार पर कोई असर नहीं पड़ा, क्योंकि 60 सदस्यों वाले सदन में बीजेपी के पास 32 विधायकों के साथ पूर्ण बहुमत है। नगा पीपुल्स फ्रंट और जेडीयू भी सत्तारूढ़ गठबंधन में हैं। जॉयकुमार ने दावा किया कि सीएम की अध्यक्षता में 18 नवंबर को हुई बैठक में एनपीपी के तीन विधायक शामिल हुए थे, यह भ्रम के कारण हो सकता है। बैठक एनडीए विधायकों के लिए थी। हमने केवल बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लिया है, लेकिन हम अभी भी एनडीए के सहयोगी हैं। हालांकि, हमने अपने विधायकों को आगाह किया है कि राज्य या राष्ट्रीय अध्यक्ष की पूर्व मंजूरी के बिना ऐसी बैठकों में जाने पर उन पर एक्शन लिया जा सकता है। इस बीच, राज्य सरकार ने लोगों को जरूरी चीजें खरीदने के लिए घाटी के चार जिलों में अलग-अलग टाइम पर कर्फ्यू में ढील दी है। इंफाल पूर्व और थौबल के जिला मजिस्ट्रेटों ने सुबह 5 बजे से दोपहर 12 बजे तक छूट दी है।

अंबरनाथ में दिल दहलाने वाली घटना, नवजात बच्ची को इमारत से फेंका? पुलिस ने शुरू की जांच

मुंबई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के अंबरनाथ पश्चिम से एक दिल दहला देने वाली घटना देखने को मिली है। दरअसल यहां शंकर हाइट्स इमारत में एक नवजात बच्ची को इमारत से फेंकने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के मुताबिक, शंकर हाइट्स इमारत में रात के समय बच्ची पैदा हुई थी। ऐसा अनुमान जताया जा रहा है कि पैदा होने के बाद उसे इमारत से नीचे फेंक दिया गया। सुबह जब इमारत में रहने वाले बाहर निकले तो निवासियों ने बच्ची को इमारत के डक्ट में देखा और तुरंत स्थानीय नगर नगरसेवक उमेश पाटिल को सूचित किया। पाटिल ने तुरंत पुलिस को जानकारी दी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने नवजात बच्ची के शव को कब्जे में लिया और पोस्टमॉर्टम के लिए शासकीय अस्पताल भेज दिया। इस मामले में पुलिस ने पूछताछ के लिए दो महिलाओं को हिरासत में ले लिया है। पुलिस यह जांच कर रही है कि आखिर इस घटना को किसने अंजाम दिया है। पुलिस यह भी पता लगाने में लगी हुई है कि क्या यह बच्ची अविवाहित मां की थी और क्या उसे जानबूझकर फेंका गया या कोई अन्य मामला है। फिलहाल पुलिस सबी पहलुओं से मामले की गहन जांच कर रही है। बता दें कि इस घटना के बाद से पूरे इलाके में लोग दंग हो गए हैं। बता दें कि एंबुलेंस में बच्ची की शव को अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा कपड़े में लपेटकर ले जाया गया। बता दें कि इससे पहले गाजियाबाद के इंदिरापुरम इलाके में शाम के करीब 6 बजे क बच्ची छठी मंजिल से गिर गई। जानकारी के मुताबिक, बच्ची अपने घर की बॉलकनी में रील बना रही थी। इस दौरान वह स्टूल से फिसल गई। वह स्टूल पर खड़ी होकर रील बना रही थी। इस दौरान फोन बचाने की कोशिश में वह जमीन पर रखे सीमेंट के गमले पर फिसल गई और छठी मंजिल से नीचे जा गिरी।

जीतू पटवारी की आंखों में आंसू, देखते रहे राह, नहीं आए सीनियर, क्या दिग्गजों को स्वीकार नहीं हैं पटवारी ?

भोपाल, 22 नवंबर (एजेंसियां)। 15 महीने की कमलनाथ सरकार में मंत्री रहे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले जीतू पटवारी को पिछले साल दिसंबर में विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। तब से उन्हें कांग्रेस की राज्य इकाई के भीतर आलोचना और अकेले छोड़े जाने का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी से कार्यकर्ताओं ने भाजपा में बड़े पैमाने पर पलायन किया। इसके अलावा राज्य की सभी 29 संसदीय सीटों पर हार के लिए जीतू पटवारी को दोषी ठहराया गया था। अब उन्हें नई राज्य कार्यकारिणी की नियुक्ति के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी राज्य कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक में भावुक हो गए। बैठक से वरिष्ठ नेताओं के दूर रहने के कारण पटवारी ने समर्थन की गुहार लगाई। बैठक से पूर्व मुख्यमंत्री, मौजूदा नेता प्रतिपक्ष और पूर्व नेता प्रतिपक्ष समेत कई दिग्गज नेता नदारद रहे।

नहीं आए कई दिग्गज नेता

पार्टी की इस अहम बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार, पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह, सीडब्ल्यूसी सदस्य कमलेश्वर पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव और अन्य शीर्ष नेता अनुपस्थित रहे।

अकेले में लगा सकते हैं फटकार- जीतू पटवारी

इन दिग्गज नेताओं के न रहने के कारण पटवारी भावुक हो गए और उन्होंने भारी आवाज़ में कहा कि आप सिर्फ़ उम्र से ही नहीं, बल्कि अनुभव से भी मेरे वरिष्ठ हैं। संगठन को मजबूत बनाने के लिए, मैं आपका सहयोग चाहता हूं। आप सुझाव दीजिए, मैं उस पर अमल करूंगा। अगर आप चाहें तो मुझे अकेले में फटकार भी लगा सकते हैं। पटवारी ने यह बात कांग्रेस की बैठक में कही। इस बैठक में एआईसीसी महासचिव भंवर जितेंद्र सिंह और राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा भी मौजूद थे।

परिस्थितियों का दिया हवाला

पटवारी ने कहा कि आप जानते हैं कि किन परिस्थितियों में मुझे पार्टी की कमान सौंपी गई थी। उन्होंने याद दिलाया कि विधानसभा चुनावों में पार्टी की हार के बाद उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। इतना कहते-कहते उनकी आवाज़ रुक गई और वे आगे कुछ नहीं बोल पाए। इस दौरान विवेक तन्खा ने पटवारी को संभालते हुए कहा कि जीतू भाई, ये रोना-धोना नहीं चलेगा। हम मिलकर लड़ेंगे।

बीजेपी ने साधा निशाना

इस घटना पर तंज कसते हुए सत्ताधारी बीजेपी के प्रदेश मीडिया अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने कहा कि ये जीतू पटवारी के आंसू नहीं हैं, बल्कि कांग्रेस पार्टी के आंसू हैं।

बिहार के ग्रामीण इलाकों को सौगात, सीएम नीतीश कुमार ने 8837.77 करोड़ की योजनाओं को दिखाई हरी झंडी

पटना, 22 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को अपने सरकारी आवास से 8837.77 करोड़ रुपये की 6199 योजनाओं को लॉन्च करते हुए कहा कि यह अत्यंत खुशी की बात है कि ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा कई पथों एवं पुलों का उद्घाटन के साथ-साथ शिलान्यास किया गया है. इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन और सुगम होगा. उन्होंने इसके लिए विभाग के पदाधिकारियों को बधाई दी. कार्यक्रम में ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री को हरित गुच्छ भेंटकर स्वागत किया. इस दौरान ग्रामीण कार्य विभाग की योजनाओं पर आधारित एक लघु फिल्म प्रस्तुत की गई. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि जिन योजनाओं को शुरू किया गया है, उन सभी पथों एवं पुलों का निर्माण समय पर पूरी क्वालिटी के साथ किया जाएगा. इसी के साथ उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वैसे सभी पथों एवं पुलों, जिनका उद्घाटन आज किया जा रहा है, उन सभी का नियमित निरीक्षण करते हुये उनकी रेलुगर मेंटेनेंस होनी चाहिए.

किन-किन परियोजनाओं की हुई शुरुआत

आपको बता दें कि मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना के तहत 983 करोड़ रुपये की लागत से 763 पथों (कुल लंबाई 947 किलोमीटर) एवं चार पुलों (कुल लंबाई 435 मीटर) का निर्माण किया गया है. मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ अनुरक्षण कार्यक्रम के तहत एक हजार 113 करोड़ रुपये की लागत से 972 पथों (कुल लंबाई 1,904 किलोमीटर) की मरम्मती करायी गयी है. मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के तहत 92 करोड़ रुपये की लागत से 33 पथों (कुल लंबाई 104 किलोमीटर) का उन्नयन (पुनर्निर्माण/सुदृ ढ़ीकरण / चौड़ीकरण) कराया गया है. राज्य योजना अंतर्गत 139 करोड़ रुपये की लागत से पांच पथों (कुल लंबाई छह किलोमीटर) एवं 36 पुलों (कुल लंबाई 1,614 मीटर) का निर्माण कराया गया है. वहीं मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना अंतर्गत एक हजार 824 करोड़ रूपये की लागत से 1,472 पथों (कुल लंबाई 1,571 किलोमीटर) एवं पांच पुलों (कुल लंबाई 304 मीटर) का निर्माण किया जाना है. मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ अनुरक्षण कार्यक्रम अंतर्गत दो हजार 350 करोड़ रूपये की लागत से 2.306 पथों (कुल लंबाई 4,148 किलोमीटर) की मरम्मती करायी जानी है. मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना अंतर्गत एक हजार 739 करोड़ रूपये की लागत से 442 पथों (कुल लंबाई 1,701 किलोमीटर) एवं एक पुल (कुल लंबाई 27 मीटर) का उन्नयन (पुनर्निर्माण/सुदृढ़ीकरण/चौड़ीकरण) का कार्य कराया जाना है. राज्य योजना अंतर्गत 597 करोड़ रूपये की लागत से 30 पथों (कुल लंबाई 73 किलोमीटर) एवं 139 पुलों (कुल लंबाई 5,993 मीटर) का निर्माण कराया जाना है.

मौके पर उपस्थित थे प्रदेश के मंत्री गण

कार्यक्रम में ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ एस सिद्धार्थ, ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, ग्रामीण कार्य विभाग के अभियंता प्रमुख सह विशेष सचिव भगवत राम सहित ग्रामीण कार्य विभाग के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे.

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 23 नवंबर- 2024

बहादुरी को सलाम

महिला कांस्टेबल हों तो दिल्ली की दो बहादुर महिलाओं जैसी। जिनकी बहादुरी से सभी का दिल जीत लिया है। इसलिए दोनों महिला कांस्टेबल सीमा देवी और सुमन हुड्डा की चहुंओर वाहवाही हो रही है। उक्त दोनों महिला कांस्टेबल ने पिछले नौ महीनों में 104 गुमशुदा बच्चों को ढूंढ निकालने वाला जो सराहनीय काम किया है वह क्षमता विरले लोगों में ही होती है। इन दोनों महिला सिपाहियों ने मार्च से नवंबर के बीच हरियाणा,बिहार और यूपी के दूर-दराज इलाकों का दौरा कर बिछड़े बच्चों को उनके परिवारों से मिलाया है। इस दौरान उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इनमें प्रमुख है बच्चों की नई तस्वीरें न होना, भाषा की बाधा,अनजान जगहों पर जाना और स्थानीय लोगों से मदद न मिलना आदि शामिल है। इन मुश्किलों के बावजूद,दोनों ने बच्चों को ढूंढ निकाला और उन्हें उनके परिजनों तक पहुंचा दिया। दिल्ली पुलिस की उत्तरी जिला की एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट में तैनात, सीमा और सुमन के अनुसार एक मुहिम के तहत मार्च से नवंबर के बीच यह रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। दूर-दराज के इलाकों में उन्हें कई बार नई जगहों और वहां के लोगों से अनजान होने की वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ऐसे में उन्हें स्थानीय पुलिस से भरपूर मदद मिली। कई बार ऐसा भी हुआ कि जिन नंबरों से बच्चे बात करते थे, वे बंद पाए गए। ऐसे में साइबर टीम की मदद से फोन की आखिरी लोकेशन का पता लगाया गया। इन्हें मुश्किल तब पड़ी थी जब बवाना से एक 13 साल की बच्ची लापता हो गई थी। उसके सबसे छोटे भाई ने बताया कि उसने अलग-अलग नंबरों से फोन करके बताया था कि वह ठीक है। हालांकि,अलग-अलग नंबरों से फोन आने के कारण उसे कुछ गड़बड़ होने का शक था। जब मामले की जांच की गई तो बच्ची नोएडा के जारचा इलाके में मिली। वह वहां घरेलू नौकर के रूप में काम कर रही थी। उसे तुरंत वहां से छुड़ाया गया। नए इलाकों में, सीमा और सुमन को लोगों का विश्वास जीतने में समय लगता था,जिसके बाद ही वे घर-घर जाकर तलाशी ले पाती थीं। पुरानी तस्वीरें होने के कारण बच्चों की पहचान करना भी मुश्किल हो जाता था। जब परिवार के पास अपने बच्चों की नई तस्वीरें नहीं होती थीं,तो 4 से 17 साल के इन बच्चों की पहचान उनके माता-पिता को खुद आकर करनी पड़ती थी। बहरहाल, सुमन हुड्डा को बच्चों को उनके परिवारों से मिलाकर बहुत सुकून मिलता है। उन्होंने बताया कि हमारी कोई निश्चित ड्यूटी नहीं होती है। जब भी हमें गुमशुदा बच्चों की जानकारी मिलती है, हम तुरंत घर से निकल पड़ते हैं। सुमन के अनुसार गांवों में जाने के लिए कोई परिवहन की व्यवस्था भी नहीं होती है। इसलिए कई बार हमें कई किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ता है। बहुत से लोग हमारी मदद के लिए तैयार रहते हैं,लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिन्हें लगता है कि पुलिस की मदद करने से वे कानूनी पचड़े में न पड़ जाएं। उन्हें अक्सर रेलवे स्टेशनों पर भीख मांगने और फेरी वालों से सुराग मिलते हैं। गुमशुदा बच्चों की तस्वीरें दिखाने पर अक्सर उन्हें देखे जाने की जानकारी मिल जाती थी। 13 से 17 साल के बच्चे अक्सर सोशल मीडिया पर मिले अजनबियों के बहकावे में आ जाते हैं। बच्चों के लापता होने की वजहों में प्रेम प्रसंग,नशा,माता-पिता की उचित देखभाल न मिलना और शिक्षा की कमी शामिल हैं। सीमा खुद दो बच्चों की मां हैं,जिनकी उम्र 16 और 10 साल है। एक मां होने के नाते,उनका मानना है कि माता-पिता को अपने बच्चों से बात करनी चाहिए और इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे क्या कर रहे हैं। डीसीपी (बाहरी उत्तरी) निधिन वलसन को सीमा और सुमन की ओर से किए गए असाधारण कार्य पर गर्व है। उन्होंने अन्य पुलिस वालों से भी ऐसे ही कार्य की अपेक्षा की है।

मिशनरियां अंधविश्वास फैलाकर समाज को तोड़ रही हैं !

अशोक भाटिया

ईसाई मिशनरियां भ्रम और अंधविश्वास फैलाकर न केवल भारतीय समाज को तोड़ रही हैं, बल्कि कन्वर्जन कर समाज को लगातार कमजोर करने का प्रयास भी कर रही हैं। पिछले लगभग दो दशकों में पेंटेकोस्टल आंदोलन से प्रेरित कथित करिश्माई ईसाइयत की ऐसी लहर चली कि अब पंजाब का कोई भी जिला इससे अछूता नहीं रह गया है। सभी 23 जिलों में ईसाइयों ने अपनी पैठ बना ली है। विशेषकर, समूचे माझा, दोआबा क्षेत्र, पंजाब के मालवा क्षेत्र में फिरोजपुर और फाजिल्का के सीमावर्ती क्षेत्रों में ईसाई बहुत बड़ी संख्या में हो गए हैं। राज्य में बड़े पैमाने पर चल रहे कन्वर्जन को लेकर सिख और हिंदू समाज आक्रोशित है, जिसकी परिणति अक्सर होने वाले संघर्षों के रूप में देखी जा सकती है।

वैसे पंजाब में कितने चर्च और पादरी हैं, इसका कोई ठोस आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। लेकिन अनुमान है कि यहां पादरियों की संख्या लगभग 65,000 है। इनमें लगभग 5,000 पादरी तो ऐसे हैं, जिन्होंने हाल ही में ईसाइयत कबूल की है। इनमें से अधिकांश आज भी लोगों को बरगलाने के लिए हिंदू-सिख नाम और हिंदू सिख वेश बनाए रखे हुए हैं तथा सिख और हिंदू समाज के लोगों को कन्वर्ट कर रहे हैं। पंजाब में ऐसा कोई गांव, नगर और शहर नहीं है, जहां चर्च न हों। बल्कि घरों में ही चर्च खुल गए हैं, जहां लालच देकर सिखों और हिंदुओं को कन्वर्ट किया जा रहा है। कन्वर्जन की फांस में नौ वंचित समुदायों की बड़ी संख्या है। इनमें रविदासी (मजहबी सिख), वाल्मीकि, सांसी, बावरिया, बाजीगर, राय सिख, बराड़, बंगला, गाधिले और नट शामिल हैं। इसके अलावा, कुछ ब्राह्मण परिवार भी इनके अनुयायी हैं। राज्य में उभरती क्रिश्चियन मिनिस्ट्रीज स्वतंत्र रूप से काम कर रही हैं। हालांकि सूबे में चर्च आफ नॉर्थ इंडिया है, जिसके अंतर्गत उत्तर भारत के अधिकांश प्रोटेस्टेंट चर्च आते हैं। दूसरी ओर जालंधर डायोसिस के अंतर्गत पंजाब के 23 में से 15 जिलों के अलावा हिमाचल प्रदेश के चार जिलों के रोमन कैथोलिक चर्च आते हैं। लेकिन ये मिनिस्ट्रीज इनमें से किसी के साथ संबद्ध नहीं हैं। स्वतंत्र रूप से काम कर रहे इन पादियों को एक छतरी के नीचे लाने के हरप्रीत देओल ने पेंटेकोस्टल चर्च प्रबंधक समिति बनाई, जिससे 1,000 से अधिक स्थानीय पादरी जुड़ चुके हैं। कहा जा रहा है कि कि पिछले कुछ समय से तथाकथित ईसाई मिशनरी चमत्कारिक इलाज और कपटपूर्ण सिखों का जबरन धर्म परिवर्तन कर रहे हैं। पंजाब के सिखों और हिंदुओं को ईसाई धर्म में धर्मांतरण कराने के लिए उन्हें गुमराह किया जा रहा है और यह सरकार की नाक के नीचे हो रहा है। दरअसल भारत के कानून में धर्म के नाम पर अंधविश्वास फैलाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का प्रावधान है, लेकिन वोट बैंक की राजनीति के कारण कोई भी सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तैयार नहीं है। वहां के लोगों का कहना है कि हम अपने धर्म में भी चमत्कारिक इलाज (पाखंडवाद) के खिलाफ हैं। बाइबल भी ऐसे लोगों की निंदा करती है, लेकिन यहाँ इस तरह के अंधविश्वासों का इस्तेमाल पंजाब के लोगों को लुभाने के लिए किया जा रहा है।ज्ञात हो कि पंजाब एक सीमावर्ती राज्य है और यहाँ के गरीब हिंदुओं और सिखों को धर्मांतरित करने के लिए 'विदेशी ताकतें' फंडिंग कर रही हैं। उन्होंने इसे चिंताजनक बताते हुए स्थानीय लोगों का कहना है कि अब इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनके अनुसार धर्मांतरण करने वाले लोग आरक्षण का लाभ भी ले रहे हैं। यह कैसे हो रहा है, यह एक प्रश्न है। गौरतलब है कि पंजाब जैसे आधुनिक व वैज्ञानिक सोच वाले राज्य में भी अगर धर्म परिवर्तन से जुड़ी खबरें आती रहती हैं तो यह वास्तव में बहुत ही गंभीर मामला है क्योंकि यह भारत का एक मात्र ऐसा राज्य है जहां के लोगों को सिख गुरुओं ने सबसे पहले धार्मिक पाखंडवाद को नकारने का पाठ पढ़ाया और कर्म (कार्य) की शक्ति में विश्वास रखने का उपदेश दिया। यहां के लोगों की उदात्त संस्कृति ने मानवीयता को मजहब की चारदीवारी के घेरे में कैद करने से इनकार किया जिसमें सिख गुरुओं का ही सबसे बड़ा योगदान रहा क्योंकि उन्होंने 'मानस की जात' को एक ही रूप मे पहचाना। गुरु नानक देव जी से लेकर गुरु गोविन्द सिंह महाराज तक सभी दस गुरुओं ने अन्याय के समक्ष कभी भी सिर न झुकाने को मानव धर्म बताया और सत्य व हक की राह में बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने के लिए प्रेरित किया। दीन-हीन की सेवा को मानव कर्त्तव्य बताया और कर्म या मेहनत करने को ईमान बताया। सिख गुरुओं ने सबसे बड़ा उपदेश यह दिया कि किसी दैवीय चमत्कार पर भरोसा करने के बजाय मनुष्य अपनी मेहनत और लगन पर यकीन रख कर ही अपने जीवन में चमत्कार कर सकता है। इसका प्रमाण आज हम स्वयं केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में देख सकते हैं क्योंकि जिस प्रान्त या देश में भी पंजाबी हैं वे अपनी मेहनत व कार्यक्षमता के बूते पर ही आगे बढे. हैं । ऐसे समाज में यदि किसी विशेष मजहब के प्रचारक यहां के सिख व हिन्दुओं को दैवीय चमत्कारों के जाल में फंसा कर उनका धर्म परिवर्तन कराते हैं तो इसका संज्ञान लिये बिना नहीं रहा जा सकता। पिछले कुछ वर्षों से पंजाब में ईसाई मिशनरी यहां के सिख व हिन्दू युवकों विशेष रूप से पिछड़े वर्ग के समाज में अपने धार्मिक दैवीय चमत्कारों के नाम पर इसाई बनाने का अभियान चलाये हुए हैं। यह अभियान पंजाब के सरहदी जिलों में विशेष तौर पर चलाया जा रहा है। ये ईसाई मिशनरी धार्मिक पाखंड फैला कर इन लोगों को सम्मोहित करने का प्रयास करते हैं और फिर उनकी धार्मिक पहचान को अनावश्यक बता कर केश त्यागने को कहते हैं तथा ईसाई बनने के लिए प्रेरित करते हैं। इस बारे में पिछले वर्ष भी सिख समुदाय के कई जत्थेदारों ने ध्यान खींचने की कोशिश की थी। परन्तु तत्कालीन सरकार ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया था। परन्तु इस बार वहां के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट रूप से सरकार से मांग की है कि धर्म परिवर्तन पर रोक लगाने के लिए एक कानून लाया जाये जिससे राज्य में पाखंडवाद और अंधविश्वास को बढ़ावा देने वाली ईसाई मिशनरियों की गतिविधियों पर लगाम लग सके। वैसे स्वयं में यह कम आश्चर्य का विषय नहीं है कि पंजाब जैसे राज्य के लोग भी अंधविश्वास का शिकार हो सकते हैं परन्तु भौतिक लालच और रातोंरात परिस्थितियों के बदलने के मोह में व्यक्ति ऐसे चक्करों में फंस भी सकता है, जिसका लाभ ईसाई मिशनरियां संभवतः उठा रही हैं। वरना कोई वजह नहीं थी कि वहां के जागरूक लोगों को स्वयं ही इस बुराई को खत्म करने की कमान संभालने की कार्रवाई करनी पड़ती।यदि गौर से देखा जाये तो सिख गुरुओं ने ही हिन्दू धर्म में फैले पाखंडवाद को समाप्त करने का बीड़ा उठाया था और मनुष्य को अपने ऊपर भरोसा करने का सन्देश दिया था। आज भी सिख संगतों में हमें ये उपदेश सुनने को मिलते हैं। जात- पांत के विरुद्ध भी सिख गुरुओं ने व्यापक अभियान चलाया और हर इंसान को एक समान समझने का व्यावहारिक गुर भी सिखाया। गुरुद्वारों में अनवरत लंगर चलना इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है जिसमें हर दीन व मजहब के आदमी की सेवा खुली रहती है। परन्तु आश्चर्य की बात यह है कि पंजाब में जो पिछड़े या दलित वर्ग के लोग ईसाई धर्म में परिवर्तित होते हैं उन्हें ईसाई बनने के बावजूद आरक्षण की सुविधाएं मिलती रहती हैं जबकि आरक्षण की सुविधा केवल हिन्दू व सिख धर्म के दलितों को ही मिल सकती है। वैसे देखा जाये तो अंधविश्वास बढ़ाने के खिलाफ भी देश में बाकायदा कानून है मगर इसका उपयोग करने से विभिन्न राज्य सरकारें इसलिए घबराती हैं कि इसमे वोट बैंक का मसला आकर फंस जाता है। खुद को चमत्कारिक बताने वाले लोग हर मजहब में आसन जमा कर बैठे हैं। केवल सिख धर्म ही ऐसा है जिसमें ऐसी कोई गुंजाइश नहीं है।

क्योंकि इसके सन्त व धार्मिक उपदेशक गुरुओं के बताये मार्ग पर चलने के उपदेश देते हैं और उस 'गुरु ग्रन्थ साहब' को अपना प्रेरक मानते हैं जिसमें दलित व पिछड़े वर्ग के सन्तों की वाणियां भी संग्रहित हैं। इनमे अंधविश्वास व पोंगापंथी व पाखंडवाद पर करारा प्रहार होता है।

पसमांदा मुसलमानों की ताकत को पहचाने सत्ता प्रतिष्ठान

गौतम चौधरी

वर्ण और जाति, पारंपरिक भारतीय समाज की नींव है। सामाजिक संरचना की यदि बात करें तो इसे आप किसी कीमत पर नजरअंदाज नहीं कर सकते । इस व्यवस्था की संरचना एक-दो वर्ष या फिर एक-दो सौ सालों में नहीं हुआ है। इसका लंबा इतिहास है। पक्ष-विपक्ष, हानी-लाभ की बात करें तो कई तर्क इसके पक्ष और कई इसके विपक्ष में मिल जाएंगे लेकिन इस व्यवस्था की अहमियत इतनी है कि भारतीय समाज में आप अपना धर्म और पांथिक चिंतन चाहे जितना बदल लों जाति व वर्ण आपका पीछा नहीं छोड़ेगा। लंबे इतिहास और वर्षों में कई बदलावों के बावजूद, जाति अभी भी हमारी राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक-आर्थिक प्रणालियों में व्यापक रूप से स्वीकृत एक संस्था के रूप में काम कर रही है। भारतीय समाज में जाति को लेकर कई आन्दोलन भी हुए। कहा तो यहां तक जाता है कि भारत की लंबे समय तक गुलामी का कारण भी जाति व्यवस्था रही है। तर्क तो यहां तक दिए जाते हैं कि जाति व्यवस्था की विंगतियों के कारण ही मुस्लिम आक्रांता भारत में अपनी जड़ जमाने में कामयाब हुए। यह कितना सत्य है विश्लेषण का विषय है लेकिन इसके विपक्ष में भी कई तर्क हैं और उनमें से सबसे मजबूत तर्क यह है कि यदि ऐसा ही था तो फिर भारतीय मुस्लिम समाज में जाति व्यवस्था कैसे प्रवेश कर गयी? वैसे मुस्लिम समाज एकरूपता की बात तो करती है लेकिन जाति व्यवस्था वहां भी किसी न किसी रूप में है। यदि भारतीय मुस्लिम समाज की बात करें तो यह व्यवस्था हिन्दुओं की तुलना में थोड़ी कमजोर जरूर है लेकिन वहां भी है। भारत का मुस्लिम समुदाय एकरूपता से कोसों दूर है। इसके भीतर पसमांदा के नाम से जाना जाने वाला एक महत्वपूर्ण वर्ग मौजूद है जो सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का बुरी तरह सामना कर रहा है। यह ठीक उसी प्रकार, जिस प्रकार हिन्दुओं की पिछड़ी जातियां कर रही है। वर्तमान समय में हिन्दुओं की कुछ पिछड़ी जातियां तो बेहद मजबूत होकर उभरी है. अब अगड़ी कही जाने वाली जातियों को हर मोर्चो पर चुनौती दे रही है लेकिन मुस्लिम समाज में ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है। पसमांदा मुद्दे और आज के भारत में इसकी प्रासंगिकता को समझना वास्तविक सामाजिक-धार्मिक समानता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। भारत में मुसलमान एक हजार वर्षों से अधिक समय से उपमहाद्वीप के इतिहास का हिस्सा रहे हैं। ऐतिहासिक अभिलेखों से यह स्पष्ट होता है कि भारत में अधिकांश मुसलमान पहले से मौजूद समुदायों से धर्मांतरित हुए हैं। शेष मुस्लिम समूह, जिनकी उत्पत्ति मध्य एशिया में हुई है, सदियों पहले यहां पहुंचे और अब उपमहाद्वीप के समाज में समाहित हो गए हैं। यद्यपि इस्लाम में परिवर्तित होने से व्यक्ति को एक नए धार्मिक समुदाय और विश्वास प्रणाली तक पहुंच मिली है लेकिन यह किसी की जाति को बदलने में असमर्थ है।

रूपांतरण किसी व्यक्ति के व्यवसाय, उनकी संपत्ति या उसकी कमी, उनके पड़ोसियों की उनके बारे में धारणा या उनके सामाजिक पदानुक्रम को नहीं बदल सकता है। जो लोग इस्लाम में परिवर्तित हो जाते हैं उन्हें एक नया धार्मिक ग्रंथ प्राप्त होता है और वे उस ईश्वर में बदलाव देखते हैं जिसकी वे पहले पूजा करते थे। लोगों को इसमें नैतिक आराम मिल सकता है। हालांकि, जिस तरह आपका धर्म या धार्मिक ग्रंथ बदलने से आपकी त्वचा का रंग नहीं बदलेगा, उसी तरह यह किसी व्यक्ति के जाति-आधारित व्यवसाय, कौशल, विरासत, सामाजिक अंतरताना या स्वास्थ्य को भी नहीं बदल सकता है। पसमांदा के खिलाफ सबसे घातक रणनीति में से एक पसमांदा संघर्ष का सांप्रदायिकरण है। सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काकर, पसमांदा मुसलमानों द्वारा सामना किए जाने वाले जाति-आधारित भेदभाव और सामाजिक-आर्थिक अभाव के वास्तविक मुद्दों से ध्यान हटा दिया जाता है। यह न केवल हाशिये पर पड़े समुदाय की वास्तविक चुनौती और समस्याओं को कमज़ोर करता है, बल्कि मुस्लिम समुदाय के भीतर भी विभाजन को बढ़ावा देता है। सच्चर समिति रिपोर्ट (2006) और रंगनाथ मिश्रा आयोग रिपोर्ट (2007) सहित अध्ययनों और रिपोर्टों ने पसमांदा मुसलमानों द्वारा सामना की जाने वाली सामाजिक-आर्थिक असमानताओं पर प्रकाश डाला है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि पसमांदा समुदाय उच्च जाति के मुसलमानों (अशरफ) और हिंदुओं के बीच दलित और ओबीसी जैसे अन्य हाशिये पर रहने वाले समुदायों की तुलना में बेहद पिछड़ी हुई है। शिक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं तक इनकी पहुंच अशरफों की अपेक्षा कम है। इन निष्कर्षों के बावजूद, उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करने वाली लक्षित नीतियों का अभाव रहा है। बहुसंख्यक होने के बावजूद, पसमांदाओं को ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण राजनीतिक प्रतिनिधित्व का अभाव रहा है। एक मजबूत आवाज की अनुपस्थिति ने उनकी विशिष्ट जरूरतों को पूरा करने और संसाधनों में उनका उचित हिस्सा सुरक्षित करने के प्रयासों में और बाधा उत्पन्न की है। इसके अतिरिक्त, पसमांदा अक्सर व्यापक मुस्लिम पहचान में समाहित हो जाती है, जिससे उनके विशिष्ट अनुभव और आकांक्षाएं अस्पष्ट हो जाती हैं। पसमांदाओं को हाशिए पर धकेलने का भारत के सामाजिक ताने-बाने और लोकतांत्रिक आदर्शों पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। भारत में वास्तविक सामाजिक न्याय प्राप्त करने के लिए उनका उत्थान आवश्यक है। मुस्लिम समुदाय का एक बड़ा वर्ग गरीबी में फंसा हुआ है, जिससे देश की समग्र प्रगति में बाधा आ रही है।

एक अध्ययन में बताया गया है किं सामाजिक-आर्थिक अभाव और कट्टरपंथ एक-दूसरे का पूरक है। पसमांदाओं को सशक्त बनाने से शिकायतों का फायदा उठाने वाले चरमपंथी आख्यानों का मुकाबला करने में मदद मिल सकती है। अधिक समावेशी मुस्लिम समुदाय भारत की धर्मनिरपेक्ष पहचान को मजबूत करता है। जब एक महत्वपूर्ण वर्ग अपने धर्म के भीतर अपनी जाति पृष्ठभूमि के आधार पर हाशिए पर महसूस करता है, तो यह सभी के लिए समान व्यवहार के धर्मनिरपेक्ष सिद्धांत को कमजोर करता है। पसमांदा मुद्दा सिर्फ एक विशिष्ट समुदाय के उत्थान के बारे में नहीं है, यह भारत के विविध समाज की वास्तविक क्षमता को साकार करने के बारे में है। इस हाशिए पर मौजूद वर्ग को सशक्त बनाकर, भारत एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। आगे बढ़ने के लिए सरकार, नागरिक समाज संगठनों और स्वयं मुस्लिम समुदाय के सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। पसमांदा मुद्दे को पहचानना और इसके समाधान की दिशा में काम करना न केवल एक नैतिक अनिवार्यता है, बल्कि एक मजबूत और समृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में उठाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

पुलिस अकादमी में हुई संदिग्ध मृत्यु किसी को सजा नहीं

प्रियंका सौरभ

नियति का यह कैसा दुखद विधान है कि विशिष्ट प्रतिभाओं को यहाँ अत्यल्प जीवन ही मिलता है। आदि शंकराचार्य से लेकर स्वामी विवेकानंद, स्वामी रामतीर्थ, श्रीनिवास रामानुजन, भारतेंदु हरिश्चंद्र और रांगेय राघव तक, एक लंबी सूची है ऐसे महापुरुषों की, जो अपनी चमक बिखेरकर अल्पायु में ही इस दुनिया से विदा हो गए। भारतीय पुलिस सेवा के युवा अधिकारी मनुमुक्त 'मानव' भी एक ऐसे ही जगमगाते प्रतिभा-पुंज थे, जिन्हें काल ने असमय ही अपना ग्रास बना लिया। 28 अगस्त, 2014 को बहुमुखी प्रतिभा के धनी, अत्यंत होनहार और प्रभावशाली पुलिस अधिकारी मनुमुक्त की मात्र 30 वर्ष, 9 माह की अल्पायु में नेशनल पुलिस अकेडमी, हैदराबाद (तेलंगाना) के स्विमिंग पूल में डूबने से, संदिग्ध परिस्थितियों में, मृत्यु हो गई थी। स्विमिंग पूल के पास ही स्थित ऑफिसर्स क्लब में चल रही विदाई पार्टी के बाद, आधी रात को जब मनुमुक्त का शव स्विमिंग पूल में मिला, तो अकेडमी में ही नहीं, पूरे देश में हड़कंप मच गया, क्योंकि यह अकेडमी के 66 वर्ष के इतिहास में घटित होने वाली पहली इतनी बड़ी दुर्घटना थी। यहीं यह बताना भी आवश्यक है कि इतनी मर्मांतक और दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी के बाद भी इस मामले की न तो ठीक-से जांच हुई और न ही किसी अधिकारी या कर्मचारी की जिम्मेदारी तय कर, उसके विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की गई। मनुमुक्त के पिता, वरिष्ठ साहित्यकार और शिक्षाविद् डॉ. रामनिवास 'मानव' भरे मन से बताते हैं कि अधिकारियों की आपराधिक लापरवाही और मनुमुक्त की मृत्यु के षड्यंत्र में शामिल उनके बैचमेट अफसरों की संलिप्तता के दस्तावेजी सबूतों के बावजूद, उनके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं हुई, बल्कि तेलंगाना पुलिस और सीबीआई ने इसे सामान्य घटना बताकर मामले को रफा-दफा कर दिया। तेलंगाना पुलिस और सीबीआई का पूरा प्रयास दोषियों को बचाने का था, दोषियों को सजा दिलाने का नहीं। यही नहीं, मनुमुक्त को ट्रेनी बताकर सभी सरकारों ने पल्ला झाड़ लिया, किसी ने एक रुपये की भी आर्थिक सहायता परिवार को प्रदान नहीं की। विगत एक दशक से अपने बेटे के हत्यारों को सजा दिलाने के लिए निरंतर संघर्ष करते आ रहे 70वर्षीय बुजुर्ग डॉ. 'मानव' निराश होकर कहते हैं कि अब उनका न प्राकृतिक न्याय-व्यवस्था में विश्वास बचा है और न भारतीय न्याय-व्यवस्था में। उल्लेखनीय है कि मनुमुक्त 2012 बैच और हिमाचल प्रदेश काडर के परम मेधावी और ऊर्जावान पुलिस अधिकारी थे। 23 नवंबर, 1983 को हिसार (हरियाणा) में जन्मे तथा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से उच्च शिक्षा प्राप्त मनुमुक्त ने 'सी' सर्टिफिकेट सहित एनसीसी की सभी सर्वोच्च उपलब्धियाँ प्राप्त की थीं। वह बहुत अच्छे चिंतक होने के साथ-साथ बहुमुखी कलाकार और सफल फोटोग्राफर भी थे; सेल्फी के तो मास्टर ही थे। उनकी समाज-सेवा में भी बड़ी रुचि थी। वह अपने दादा-दादी की स्मृति में अपने पैतृक गाँव में स्वास्थ्य-केंद्र तथा नारनौल में सिविल सर्विस एकेडमी स्थापित करना चाहते थे। देश और समाज के लिए उनके और भी बहुत सारे सपने थे, जो उनकी असामयिक मृत्यु के साथ ही ध्वस्त हो गए।

इकलौते जवान आईपीएस बेटे की मृत्यु मनुमुक्त के पिता, वरिष्ठ साहित्यकार और शिक्षाविद् डॉ. रामनिवास 'मानव' तथा माता अर्थशास्त्र की पूर्व प्राध्यापिका डॉ. कांता भारती के लिए भयानक वज्रपात से कम नहीं थी। कोई अन्य दम्पत्ति होता, तो शायद टूटकर बिखर जाता, लेकिन 'मानव' दम्पत्ति ने अद्भुत धैर्य और साहस का परिचय देते हुए, न केवल इस अकल्पनीय-असहनीय पीड़ा को झेला, बल्कि अपने बेटे की स्मृतियों को सहेजने और सजीव बनाए रखने के लिए भरसक प्रयास भी प्रारंभ कर दिए। उन्होंने अपनी संपूर्ण जमापूंजी लगाकर 10 अक्टूबर, 2014 को मनुमुक्त 'मानव' मेमोरियल ट्रस्ट का गठन किया और नारनौल में 'मनुमुक्त भवन' का निर्माण कर उसमें वातानुकूलित लघु सभागार, संग्रहालय और पुस्तकालय की स्थापना की। ट्रस्ट द्वारा अढाई लाख का एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार, एक लाख का एक राष्ट्रीय पुरस्कार, 21-21 हज़ार के दो तथा 11-11 हज़ार के तीन राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार और सौ मनुमुक्त 'मानव' स्मृति-सम्मान प्रारंभ किए। मनुमुक्त 'मानव' युवा शक्ति के प्रतीक ही नहीं, प्रेरणा-स्रोत भी थे। देहांत के एक दशक बाद भी उन्हें बड़े सम्मान के साथ स्मरण किया जाता है। परिवार ने मीडिया, सोशल मीडिया और फ़ेसबुक के माध्यम से उनकी प्रेरक स्मृतियों को जीवित रखा हुआ है। इसके लिए मनुमुक्त की बड़ी बहन और विश्वबैंक, वाशिंगटन डीसी (अमरीका) की वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ. एस अनुकृति का भी भरपूर सहयोग रहता है।

जो बाइडेन आग में घी डालने का काम कर रहे हैं ?

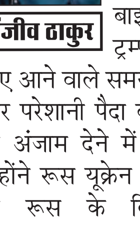

संजीव ठाकुर

अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बनते ही डेमोक्रेट पार्टी के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के लिए आने वाले समय मे कांटे बोने और परेशानी पैदा करने के काम को अंजाम देने में लग गए हैं। उन्होंने रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन को रूस के विरुद्ध फास्ट बैलेस्टिक मिसाइल्स इस्तेमाल करने के लिए एक समझौता कर उसे बड़ी मात्रा में मिसाइल की आपूर्ति भी कर दी है जिसके इस्तेमाल से दूरगामी क्षेत्र में भारी जान माल का नुकसान होने की संभावना बनती है और इसका इस्तेमाल यूक्रेन ने रूस के क्षेत्र में करना भी शुरू कर दिया और इसके फलस्वरुप रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने स्पष्ट रूप से घोषणा कर दी है कि वह अमेरिका की इस चाल को अच्छे से समझते हैं और यूक्रेन यदि इन मिसाइल्स का इस्तेमाल करता है तो वह परमाणु बम का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति द्वारा विश्व युद्ध की संभावना को रोकने की तो बात दूर उसे और भड़काने का प्रयास करने की कोशिश कर रहे हैं। इधर डोनाल्ड ट्रंप के जीतने और प्रधानमंत्री मंत्री नरेंद्र मोदी के उनके साथ अच्छे संबंधों के चलते भारत की आर्थिक स्थिति को अस्थिर करने एवं भारत सरकार को कमजोर करने के लिए अमेरिका के व्यापारी जॉर्ज सिरोस के माध्यम से भारत के बड़े व्यापारी अदानी के विरुद्ध अमेरिका की संघीय अदालत में मुकदमा चलवा कर उसके विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट भी जारी करवा दिया गया है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के भारत विरोधी व्यापारी जॉर्ज सीरोस के के व्यापारी पुत्र के संबंध संघीय अदालत के जज से मधुर संबंध पूर्व से ही स्थापित है और भारत तथा भारत के प्रधानमंत्री एवं अदानी को लक्ष्य रखकर षड्यंत्र रचा गया है जिससे प्रधानमंत्री मोदी की छवि को धुमिल किया जा सके। पूर्व राष्ट्रपति जो बाईडेन अब भारत विरोधी हो चुके हैं और उनकी पार्टी की हार का एक बड़ा कारण प्रवासी भारतीयों को भी मानते हैं इन परिस्थितियों में इजराइल फिलिस्तीन युद्ध और रूस यूक्रेन युद्ध में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति आज में घी डालने का काम कर रहे हैं। जबकि डोनाल्ड ट्रंप कमर्शियल सोच वाले व्यक्ति हैं और विश्व युद्ध की किसी भी संभावना पर वे रोक लगाने का प्रयास करेंगे। आज पूरा वैश्विक परिदृश्य और पृथ्वी परमाणु युद्ध के ज्वालामुखी पर बैठी हुई है ।परमाणु संपन्न देशों के तमाम शासक और हुक्मरान अपनी राजनैतिक आकांक्षाएं, मंसूबे और सनक को पूरा करने के लिए एक दूसरे के रक्त के प्यासे बने हुए हैं। परमाणु संपन्न देशों में चीन ,रूस और नॉर्थ कोरिया ऐसे देश हैं जिनकी बागडोर सनकी तानाशाह प्रशासकों के हाथों में है और ये देश अपनी विस्तार वादी महत्वाकांक्षा और सनक के चलते परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने से नहीं चूकेंगे। इतिहास गवाह है की सनकी प्रशासकों से हमेशा मानवता और शांति को युद्ध और हिंसा का खतरा बना रहता आया है। अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध में नागासाकी तथा हिरोशिमा में युद्ध की सनक में परमाणु बम से हमला कर लाखों लोगों को मौत के मुंह में भेज दिया था इसके अलावा परमाणु हथियारों के उपयोग से पैदा हुए विकरण से आज भी जापान में बच्चों पर अप्राकृतिक प्रभाव दिखाई देतें है।

सुधरेंगे नहीं तो मिट जायेंगे

डॉ. नीरज भारद्वाज

मैंने धर्मपत्नी से कहा कि पिछले दो दिन से मैले ही कपड़े पहन रहा हूं तो उन्होंने मुस्कुराकर कहा- नहीं, कपड़े तो मैं रोजाना धो रही हूं. मैंने गलती एक कर दी कि कपड़े छत पर सुखा दिए और प्रदूषण के चलते छत पर सूखने से ज्यादा गंदे हो गए। अब बताओ क्या करें। मैं इस बात से बहुत हैरान था कि जब कपड़े बाहर से इतने गंदे और मैले हो गए हैं तो यह प्रदूषित हवा हमारे अंदर जाकर हमारे जीवन और स्वास्थ्य का कितना विनाश कर रही है। फिर मेरे मस्तिष्क में एक दृश्य और आया कि बस में बैठे एक बच्चे की आंखों से पानी गिर रहा था, मैंने सोचा वह रो रहा है लेकिन यह तो प्रदूषण की मार से हो रहा था। आज प्रदूषण के चलते देश के नगरों और महानगरों की हालत यह है कि यहां रहना मुश्किल हो गया है। फिर भी हम यहां रह रहे हैं। कोई अपने कारोबार का बहाना बता कर रह रहा है, कोई अपनी नौकरी का बहाना बताकर रह रहा है। कोई कह रहा है कि यहां से जाकर कैसे गुजारा होगा, गांव छोड़कर तो यहां आए थे। आज दिल्ली ही नहीं बल्कि बहुत से महानगर और नगर प्रदूषण की भयानक चपेट में है। इतना कुछ होने के बाद भी हम मौन समाधि लगाए कुछ नहीं कर रहे हैं। सड़कों पर गाड़ियों और उद्योग धंधों को बराबर तेज दिशा में आगे चला रहे हैं। सरकारें मौन हैं, किसी को किसी से कोई लेना देना नहीं है, सब चल रहा है। कौन जिएगा, कौन मरेगा, कोई नहीं सोच रहा है। दीपावली को लेकर तो बहुत लोग शोर मचा रहे थे. अब तो दीपावली नहीं है। फिर भी प्रदूषण इतने खतरनाक स्तर पर क्यों पहुंच गया। ऐसा लगता है कि सब पैसे की अंधी दौड़ में भागे जा रहे हैं, हमें क्या? कोई करेगा आंदोलन, कोई और करेगा। हम तो शाम को केवल उन्हें टीवी पर बैठकर देखेंगे। कितने लोग अरेस्ट हुए, कितने जेल में डाल दिए गए, कितने का सिर फूटा है। हम उस आंदोलन का हिस्सा नहीं बनेंगे, वास्तव में देखा जाए तो आज दिल्ली की हवा बहुत ही खराब है। साथ ही यदि देखा जाए तो जल स्रोत अर्थात दिल्ली में बहने वाली यमुना की हालत बद् से बद्त्तर हो चुकी है। हवा खराब, पानी खराब, समझो मनुष्य का सारा जीवन खराब। हम इस खराब वातावरण में भी अपने को जिंदा रखे हुए हैं कि अपने आप ही कोई सुधार हो जाएगा। क्या कभी अपने आप कोई सुधार हुआ है। सुधार के लिए तो लोगों को स्वयं ही कदम उठाने पड़ते हैं। हमें सरकारों को जागना नहीं, बल्कि स्वयं को ही जागना होगा और इस दूषित हवा और दूषित जल के महा प्रभाव से बचने के लिए आगे आना होगा। जैसे-जैसे यह ज़हरीला वातावरण बनता जा रहा है, यह आने वाली पीढियां के लिए नहीं, वर्तमान पीढ़ियां ही इसमें नष्ट हो जाएंगी। आने वाली पीढ़ी होगी तो हमें देखेंगी। कहने का भाव यह है कि इस प्रदूषित होते वातावरण की समस्या से स्वयं समाधान निकालना होगा।

अगहन मास में अपनाएं श्रीकृष्ण की सीख

महाभारत युद्ध से पहले अर्जुन हो गए थे भ्रमित श्रीकृष्ण ने समझाया भ्रम होगा तो सफलता नहीं मिलेगी

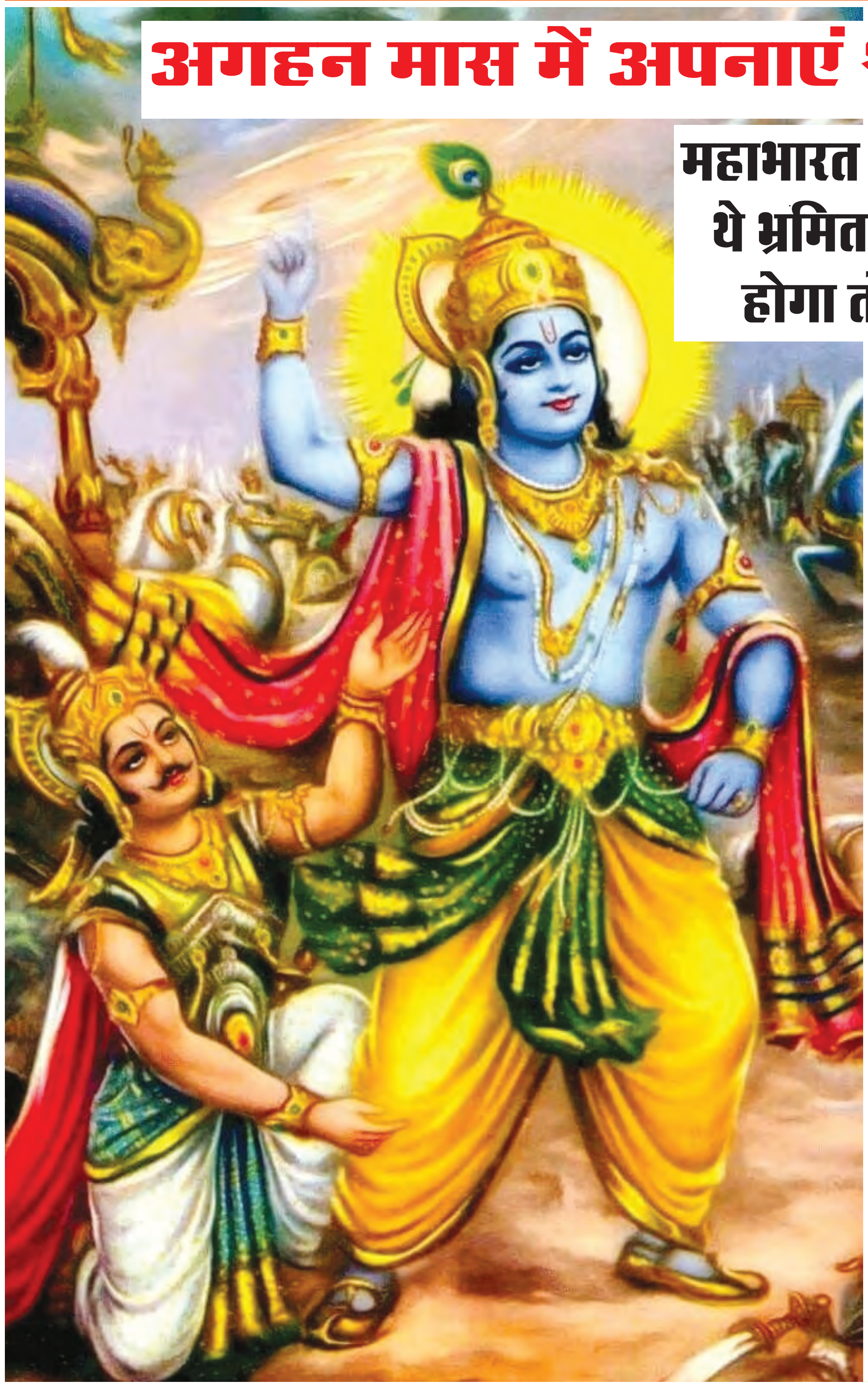

अगहन (मार्गशीर्ष) मास को श्रीकृष्ण को स्वरूप माना जाता है। इसलिए इस मास में श्रीकृष्ण की पूजा के साथ ही इनकी कथाएं पढ़ने-सुनने की भी परंपरा है।

श्रीकृष्ण की सीख जीवन में उतार लेने से हमारी सभी समस्याएं दूर हो सकती हैं। श्रीकृष्ण ने महाभारत युद्ध से पहले अर्जुन का भ्रम दूर करने के लिए गीता उपदेश दिया था। श्रीकृष्ण ने अर्जुन को समझाया था कि सफलता होना चाहते हैं तो किसी भी काम की शुरुआत में भ्रम नहीं होना चाहिए।

महाभारत में कौरव और पांडवों की सेनाएं युद्ध के लिए आमने-सामने खड़ी थीं। श्रीकृष्ण अर्जुन के सारथी बने थे। युद्ध शुरू होने से ठीक पहले अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा कि मेरे रथ को कौरवों की सेना की ओर ले चलो। मैं पितामह भीष्म, द्रोणाचार्य, दुर्योधन, अश्वत्थामा और कर्ण को देखना चाहता हूं।

श्रीकृष्ण ने रथ आगे बढ़ा दिया। दोनों सेनाओं के बीच में पहुंचकर श्रीकृष्ण ने रथ रोक दिया। अर्जुन ने कौरव पक्ष को देखा और कुछ देर सोच-विचार करने के बाद श्रीकृष्ण से कहा कि माधव मैं युद्ध नहीं करना चाहता।

श्रीकृष्ण ने अर्जुन की ओर देखा तो वे समझ गए कि अर्जुन भ्रमित हो गया है। अर्जुन ने आगे कहा कि मैं ठीक से खड़ा नहीं हो पा रहा हूं, मेरा मुंह सूख रहा है, मेरा शरीर कांप रहा है, मैं धनुष नहीं उठा पा रहा हूं। मेरा मन भ्रमित है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं युद्ध करूं या न करूं।

श्रीकृष्ण ने कहा कि हमारी सारी कमजोरियां चल सकती हैं, लेकिन भ्रम नहीं चल सकता है। तुम युद्ध इसलिए नहीं करना चाहते हो, क्योंकि तुम्हारे सामने कुटुंब के लोग हैं। जबकि तुम धर्म की रक्षा के लिए युद्ध कर रहे हो, इसलिए मन में कोई भ्रम मत रखो। धर्म को बचाना है।

इसके बाद श्रीकृष्ण ने अर्जुन का भ्रम दूर करने के लिए 700 श्लोकों में गीता का उपदेश दिया। गीता सुनने के बाद अर्जुन ने कहा कि अब मेरा भ्रम दूर हो गया अब मैं तैयार हूं।

श्रीकृष्ण की सीख

हम जब भी कोई काम शुरू कर रहे होते हैं, तब हमारे मन में कोई भ्रम नहीं होना चाहिए, अगर मन में कोई भ्रम होगा तो काम करना बहुत मुश्किल हो जाएगा और सफलता मिलने की संभावनाएं खत्म हो जाएंगी। इसलिए भ्रम से बचें और पूरी ईमानदारी के साथ फल की चिंता किए बिना अपने कर्म करते रहें।

29 मार्च तक शनि रहेगा कुंभ राशि में

शनिदेव देते हैं हमारे कर्मों के फल, भगवान शिव ने बनाया था शनि को ग्रहों का न्यायाधीश

इस सप्ताह शनि ने कुंभ राशि में अपनी चाल बदली है, शनि वक्री से मार्गी हो गया है। अब ये ग्रह आगे की ओर बढ़ेगा और 29 मार्च को कुंभ से मीन राशि में प्रवेश करेगा। शनि की चाल बदलने का असर सभी 12 राशियों पर होगा। जिन लोगों की राशि के लिए मार्गी शनि शुभ नहीं है, उन लोगों को हर शनिवार शनिदेव का तेल से अभिषेक करना चाहिए।

शनि सूर्य के पुत्र हैं। इनके जन्म से जुड़ी कथा के मुताबिक सूर्य की पत्नी का नाम संज्ञा है। यमराज-यमुना सूर्य और संज्ञा की संतान हैं। संज्ञा सूर्य का तेज सहन नहीं कर पा रही थीं तो उन्होंने अपनी छाया को सूर्य की सेवा में नियुक्त कर दिया और स्वयं सूर्य से दूर रहने चली गईं। कुछ समय बाद सूर्य और छाया की संतान के रूप में शनि देव का जन्म हुआ। माना जाता है कि छाया भी सूर्य का तेज सहन नहीं कर पाती थीं, सूर्य के सामने आते ही छाया ने अपनी आंखें बंद कर ली थीं, इस वजह से छाया की संतान यानी शनि देव श्याम वर्ण (काले) हैं।

भगवान शिव ने शनि को बनाया न्यायाधीश

शनि के जन्म के बाद सूर्य देव को जब छाया के बारे में मालूम हुआ कि ये उनकी पत्नी संज्ञा की छाया है तो वे बहुत क्रोधित हुए, उन्होंने छाया का अपमान कर दिया। अपनी माता का अपमान देखकर शनि सूर्य से क्रोधित हो गए। इसके बाद से शनि सूर्य को शत्रु मानने लगे। शनि ने शिव जी को प्रसन्न करने के लिए घोर तप किया। तप से प्रसन्न होकर शिव जी शनि के सामने प्रकट हुए। शिव जी शनि से वर मांगने के लिए कहा तो शनिदेव ने वर मांगा कि उन्हें सूर्यदेव के समान ऊंचा पद चाहिए, ताकि वे सूर्य का अहंकार तोड़ सके। शिव जी ने शनि को ग्रहों का न्यायाधीश नियुक्त दिया। इसके बाद से शनि को नौ ग्रहों में सूर्य के समान माना जाता है। शनि हमारे कर्मों का फल प्रदान करने वाले देवता है, इस कारण शनि पूजनीय बन गए और अन्य ग्रहों की अपेक्षा शनिदेव के भक्त काफी अधिक हैं।

ये हैं शनिदेव से जुड़ी खास बातें

शनि का एक नाम शनैश्चर है यानी धीरे चलने वाला ग्रह। शनि बहुत धीमी गति से चलता है, इस कारण ये ग्रह एक राशि में करीब ढाई साल रुकता है।

शनि ग्रह मकर और कुंभ राशि के स्वामी है। कुंडली में शनि तुला राशि में उच्च का रहता है और मेष राशि में नीच का रहता है।

ज्योतिष में शनि की साढ़ेसाती और ढय्या को बहुत प्रभावी माना जाता है। साढ़ेसाती में शनि का एक राशि पर साढ़ेसात साल तक सीधा असर होता है। ढय्या ढाई साल की होती है।

शनिदेव उन लोगों के लिए शुभ रहते हैं जो परिश्रमी हैं, अनुशासन में रहते हैं और धर्म का पालन करते हैं।

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए हर शनिवार सरसों का तेल, काले तिल, जूते-चप्पल का दान करना किया जाता है।

फूटी किस्मत का समय गया

इन 2 राशियों की भर जाएगी तिजोरी

वैदिक ज्योतिष गणना के अनुसार आज का दिन यानी 22 नवंबर का दिन बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि आज काल भैरव जयंती है। इसी दिन भगवान शिव ने रौद्र रूप काल भैरव की पूजा की थी। आज कालाष्टमी का व्रत भी है। इस व्रत को करने से कहा जाता है कि हर मनोकामना पूरी होती है। तो वही ज्योतिष गणना के अनुसार काल भैरव जयंती पर मन के कारक ग्रह चंद्र देव अपना राशि परिवर्तन करने जा रहे हैं।

चंद्र देव के राशि परिवर्तन करने से राशि चक्र के 12 राशि के जातक पर सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकता है।

तो चलिए आज हम आपको इस रिपोर्ट में बताते हैं कि चंद्र देव के राशि परिवर्तन से किन राशि के जातक की किस्मत बदल सकती है।

चंद्र देव करेंगे गोचर

अयोध्या के ज्योतिष पंडित कल्कि राम बताते हैं कि आज मार्गशीर्ष माह का कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि है और आज के दिन शाम 5:09 पर चंद्र देव कर्क राशि से निकलकर सिंह राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में चंद्रदेव दो दिनों तक रहेंगे।

इसके बाद सिंह राशि से निकलकर कन्या में प्रवेश करेंगे, जिसका प्रभाव राशि चक्र के 12 राशि के जातक पर सकारात्मक और नकारात्मक तौर पर देखने को मिलेगा। लेकिन दो रशिया ऐसी हैं, जिनकी किस्मत बदल सकती है। इसमें कर्क और तुला राशि के जातक शामिल हैं।

कर्क और तुला राशि के जातकों की बदल सकती है किस्मत

कर्क राशि – कर्क राशि के जातक के लिए यह समय बेहद अच्छा रहेगा। देवगुरु बृहस्पति की भी कृपा प्राप्त होगी। शुभ कार्य में सफलता मिलेगी। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा लोगों को सीनियर का साथ मिलेगा।

तुला राशि – तुला राशि के जातक के लिए ये समय बेहद अच्छा रहेगा। चंद्र देव की कृपा प्राप्त होगी। सभी प्रकार की सुखों की प्राप्ति होगी। शुभ कार्यों में सफलता मिलेगी। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। साथ ही विदेश यात्रा का संयोग बनेगा।

काल भैरव और बटुक भैरव में क्या है अंतर?

भगवान भैरव को महादेव का अवतार माना जाता है, कलयुग में बहुत ही सिद्ध अवतार है भैरव का। यह अवतार साधकों को सिद्धियां भी देता है। ऐसे तो भैरव 52 प्रकार के हैं , लेकिन आज हम आपको काल भैरव और बटुक भैरव की उत्पत्ति की कथा बताएंगे कि कैसे इनके अवतार हुए।

काल भैरव : पौराणिक कथा के अनुसार जब ब्रह्मा-विष्णु में बहस छिड़ी की श्रेष्ठ देवता कौन है तो समस्त ऋषि, मुनि और वेदों ने शिव को सर्वश्रेष्ठ बताया। ब्रह्मा जी ने इस बात को स्वीकार नहीं किया। तब शिव जी के शरीर से एक अग्नि स्तंभ प्रकट हुआ। शिव जी ने ब्रह्मा-विष्णु जी से कहा कि इस स्तंभ का ओर या छोर जो पता लगा लेना वही बड़ा देवता होगा। ब्रह्मा जी ऊपर की तरफ चले तो विष्णु जी नीचे की ओर चल दिए। काफी संघर्ष के बाद विष्णु जी ने तो शिव जी को श्रेष्ठ मान लिया, लेकिन ब्रह्मा जी ने झूठ बोल दिया कि उन्हें छोर मिल गया।

शिव ने उन्हें झूठा करार दिया, तब ब्रह्मा जी क्रोध में आकर भोलेनाथ का अपमान करने लगे। इस दौरान शिव के अंश से एक विकराल गण की उत्पत्ति हुई, जिसे काल भैरव कहा गया। काल भैरव ने ब्रह्मा जी का 5वां सिर धड़ से अलग कर दिया, जो अपमानजनक बातें कर रहा था। तांत्रिक पूजा में काल भैरव की पूजा अचूक मानी जाती है। अघोरी-तंत्र साधना करने वाले सिद्धियां प्राप्त करने के लिए काल भैरव को पूजते हैं।

बटुक भैरव : जब परमेश्वरि महाकाली को शांत करने के लिए परमेश्वर भगवान् शिव माता के चरणों के नीचे लेट गए थे, तब माता काली को जिस पश्चाताप ने घेरा था, उसके कारण माता ने भगवान शिव से ये वचन लिया था कि आज के उपरांत वो कभी उनके सामने भूमिशायी नहीं होंगे। तब भगवान ने उन्हें वचन दे दिया परन्तु कालांतर में जब माता ने दारुक नमक असुर का संघार करने के लिए पुनः काली स्वरुप धारण किया और वो नियंत्रण से बाहर हो गयी तो भगवान ने वचनबंधित होने के कारण एक नन्हें से बालक का रूप धारण किया और मां, मां कहकर काली मां को पुकारना आरम्भ किया।

बालक की करूण पुकार को सुन कर मां काली का ह्रदय द्रवित हो गया और वो अपना आक्रोश भूलकर उसे गोद में लेकर लाड-प्यार करने लगी और उनका क्रोध शांत होकर उनका उग्र रूप शांत हो गया। तब उस बालक से मां ने पूछा कि तुम कौन हो? तो उस बालक ने उत्तर दिया कि शिव हूँ, तुम्हें शांत करने के लिए मैंने ये बटुक रूप धारण किया है। बटुक का अर्थ होता है बाल रूप। तब माता ने कहा कि आप अपने पूर्व रूप को धारण करिए। तब भगवान् शिव अपने शिवरूप में आ गए।

तब माता ने उनसे पुनः आग्रह किया, आप अपने भीतर से उस बटुक रूप को बहार निकालिए। तो भगवान् शिव ने उनसे इसका कारण पूछा। इस पर उन्होंने कहा कि उस स्वरूप में आपने मुझे मां कहा है? आप तो मेरे स्वामी हैं पुत्र नहीं हो सकते। तब परमेश्वर ने पुनः बटुक रूप को प्रकट किया। तब माता ने उनसे कहा कि आपने इस बटुक रूप में संसार की रक्षा की है मेरे क्रोध से, इसलिए आज से आपको भैरव की उपाधि दी जाती है। आज से आप 'बटुक भैरव' के रूप में पूजे जाएंगे और मेरे पुत्र के रूप में जाने जाएंगे।

बटुक भैरव पापियों के काल है, उनकी उपस्थिति साधको को सुख का आभास करवाती है, वही वो बालक पांच वर्ष की आयु में भी पापियों का काल है, सोचिये की जिस बालक ने मां काली के क्रोध को शांत कर दिया, उसके सामने कौन ऐसा है जो अपनी शक्ति दिखाएगा। ये थी बाबा बटुक भैरव की उत्पत्ति की कथा।

शीघ्र फल देते हैं भैरव : काल भैरव का रूप अत्यंत प्रचंड माना जाता है और ऐसी मान्यता है कि इनकी पूजा-आराधना या साधना से फौरन फल की प्राप्ति होती है। वहीं जो लोग बटुक भैरव की आराधना करते हैं, उन्हें फल की प्राप्ति तो होती है लेकिन इसमें समय लग जाता है। इसीलिए आप देखेंगे कि जिन परेशानियों में तत्काल फल की जरूरत होती है, वहां काल भैरव की पूजा ही की जाती है।

बिना लग्न विचारे क्यों नहीं करनी चाहिए शादी?

16 संस्कारों में से एक संस्कार विवाह भी है। वहीं हिंदू धर्म में शादी विवाह या फिर कोई भी मांगलिक कार्य शुभ तिथि और मुहूर्त देखकर ही किया जाता है। माना जाता है कि तभी शुभफल की प्राप्ति होती है। इससे वैवाहिक जीवन सुखमय रहता है। वहीं विवाह में लग्न का बेहद खास महत्व होता है। बिना लग्न के शादी दोष मानी जाती है। विवाह मे लग्न सावधानी पूर्वक निकाली जाती है। गलत लग्न मे शादी होने से शादी के बाद वैवाहिक जीवन मे नकरात्मक प्रभाव पड़ सकता है।देवघर के ज्योतिषाचार्य से कौन कौन से शुभ लग्न और क्या महत्व जानते है?

शादी विवाह में लग्न का विशेष महत्व होता है। वैसे तो लग्न 12 प्रकार के होते हैं। लेकिन शादी विवाह के लिए स्थिर लग्न बेहद श्रेष्ठ माना जाता है। स्थिर लग्न में शादी विवाह होने से वैवाहिक जीवन के लिए शुभ होता है। शादी विवाह मे तिथि से ज्यादा लग्न देखना चाहिए।

कैसे निकाला जाता है शादी विवाह के शुभ लग्न

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि वर वधू कुंडली में ग्रह नक्षत्र देखकर ही लग्न तय की जाती है। जिस लग्न मे गुरु और शुक्र अस्त ना हो वो शुभ माना जाता है। इसके साथ ही सभी ग्रह शुभ स्थिति मे हो। जैसे लग्न मे सूर्य पहले और सातवें भाव मे ना हो, चन्द्रमा पहले छठें और आठवें भाव मे ना हो, गुरु सातवे और आठवें भाव मे ना हो,शुक्र तीसरे सातवें और आठवें भाव मे ना हो,इन चीजों को देख कर भी लग्न त्यार किये जाते है।

लड़की पक्ष वाले देते है लग्न

कई जगहों पर अलग अलग परम्परा से शादी विवाह किये जाते है। वहीं झारखण्ड, बिहार, उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों मे विवाह शुभ तिथि और लग्न देखकर ही शादी तय की जाती है। वहीं विशेषकर झारखण्ड बिहार जैसे राज्य मे जब लड़के का तिलक पड़ जाता है तो लड़की के पिता एक शुभ लग्न और मुहूर्त लिखकर लड़के के पिता को सौपते है और उसी लग्न मे और मुहूर्त मे बारात लेकर आने के लिए निमंत्रण करते है। ताकि शुभ लग्न मे विवाह सम्पन्न हो। जिसे बोल चाल की भाषा मे लग्न टिप भी कहते है।

वास्तु दोष क्या है?

वास्तु दोष का अर्थ है रहने की जगह में ऊर्जा का असंतुलन। यह असंतुलन केवल कमरों, फर्नीचर या यहां तक कि रंगों के अनुचित स्थान के कारण उत्पन्न होता है।

माना जाता है कि घर में वास्तु दोष की उपस्थिति नकारात्मकता पैदा करती है और व्यक्ति के समग्र विकास को भी रोकती है।

वास्तु दोष के लक्षण और संकेत

वास्तु शास्त्र सकारात्मक ऊर्जा प्रवाह के लिए सामंजस्यपूर्ण रहने की जगह बनाने पर जोर देता है, आप नीचे दिए गए लक्षणों ओर संकेतों के माध्यम से जान सकते हैं कि घर में वास्तु दोष है या नहीं।

पारिवारिक कलह

तनावपूर्ण पारिवारिक माहौल या परिवार के सदस्यों से बार-बार बहस होना भी वास्तु दोष का संकेत है। परिवार के भीतर अलगाव असंगति का संकेत हो सकती है।

सकारात्मक ऊर्जा बाधित होने के लक्षण

घर में बेचैनी या असामंजस्य की भावना घर में वास्तु दोष का पहला संकेत है।

अंदर के तापमान में अचानक गिरावट या उछाल भी एक प्रमुख संकेत है कि हवा और ऊर्जा के प्रवाह में असंतुलन है। अगर आपको लगता है कि आपका घर भारी ऊर्जा से भरा हुआ है या उचित वेंटिलेशन होने के बावजूद कोई रुकावट है, तो इसका मतलब है कि घर में ऊर्जा का प्रवाह अवरुद्ध है। खर्चों में अचानक वृद्धि या पैसे बचाने में कठिनाई भी वास्तु दोष का एक प्रमुख संकेत है।

धनुष पर आरोप लगाने के बाद नयनतारा ने जताया इन सितारों का आभार, सूची में शामिल शाहरुख-चिरंजीवी

नयनतारा ने हाल ही में धनुष पर अपनी डॉक्यूमेंट्री 'नयनतारा: बियॉन्ड द फेयरी टेल' में फिल्म 'नानुम राउडी धान' के दृश्यों का उपयोग करने की अनुमति देने से इनकार करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि उनकी कानूनी टीम ने ट्रेलर में इस्तेमाल किए गए पर्दे के पीछे के तीन सेकंड के फुटेज के लिए 10 करोड़ रुपये की मांग की। इसके बाद धनुष की कानूनी टीम ने फुटेज हटाने के लिए 24 घंटे का नोटिस जारी किया, जिसके परिणामस्वरूप अब दोनों पक्षों के बीच तनाव पैदा हो गया है। हालांकि, धनुष पर आरोप लगाने का बाद नयनतारा ने बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान और साउथ सुपरस्टार चिरंजीवी की तारीफ की है।

नयनतारा ने धनुष पर लगाए आरोप

धनुष को लिखे अपने पत्र में नयनतारा ने कहा था कि अभिनेता-फिल्म निर्माता ने दो साल तक इंतजार कराने के बाद उन्हें एनओसी देने से इनकार कर दिया। वहीं, इंस्टाग्राम पर एक नई पोस्ट में अभिनेत्री ने लिखा है, "मैंने जिस भी फिल्म में काम किया है, वह मेरे जीवन में बहुत महत्व रखती है, क्योंकि सिनेमा में मेरी यात्रा अनगिनत सुनहरे पलों से भरी है।'

एनओसी देने के लिए अन्य निर्माताओं का जताया आभार

नयनतारा ने आगे लिखा, 'इनमें से कई फिल्में खासतौर पर मेरे दिल के करीब हैं और मैं उन यादों और दृश्यों को अपनी डॉक्यूमेंट्री में शामिल करना चाहती थी। जब मैंने अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित निर्माताओं से संपर्क किया, तो उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट या देरी के इसकी मंजूरी दे दी। मैं उन सभी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।'

नयनतारा ने दिया शाहरुख खान को धन्यवाद

इसके बाद नयनतारा ने बॉलीवुड अभिनेता-निर्माता शाहरुख खान का जिक्र किया, जो डॉक्यूमेंट्री में भी दिखाई दिए हैं। नयनतारा की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'जवान' के कुछ सीन भी डॉक्यूमेंट्री में शामिल किए गए हैं। इस मूवी में वह शाहरुख खान के अपोजिट नजर आईं। वहीं, नयनतारा ने साझा किया कि शाहरुख ने उन्हें तुरंत सीन को इस्तेमाल करने की एनओसी दे दी। उन्होंने अपने तमिल फिल्म इंडस्ट्री के साथियों को भी धन्यवाद दिया, जिनमें के बालाचंदर, उदयनिधि स्टालिन, केई ज्ञानवेल राजा, एआर मुरुगादॉस और अन्य शामिल हैं।

चिरंजीवी और राम चरण की भी की तारीफ

इसके अलावा उन्होंने तेलुगु इंडस्ट्री से चिरंजीवी, राम चरण और अन्य को धन्यवाद दिया, और मलयालम इंडस्ट्री से उन्होंने अब्दुल हमीद मुहम्मद फाजिल, एनवी विंध्यन, हौली पोट्टर और महा सुबैर को धन्यवाद दिया। उन्होंने यह भी लिखा, 'मेरे सबसे पेशेवर पलों का एक टुकड़ा साझा करने के लिए धन्यवाद। ऐसे क्षणों में आपका अटूट समर्थन मुझे गहराई से प्रभावित करता है। मैं इस दयालुता को सदैव संजो कर रखूंगी। दूसरे लोगों की खुशी में खुशी ढूंढते हुए हमारी साथ की यात्रा हमेशा जारी रहे।'

एक्टिंग से रिटायरमेंट नहीं लेंगे नाना पाटेकर बोले- 'पागल हो जाऊंगा या किसी को मार डालूंगा'

नाना पाटेकर को सिनेमा की दुनिया का सबसे शानदार अभिनेता माना जाता है। वे दशकों से फिल्म जगत में काम कर रहे हैं। अभी भी उनके अंदर काम करने का जोश बरकरार है। नाना पाटेकर अपनी फिल्म वनवास के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने वाले हैं। अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए वे कई जगहों पर जा रहे हैं।

रिटायरमेंट पर बोले नाना पाटेकर

अनिल कपूर ने बातचीत में नाना पाटेकर से पूछा कि वे फिल्मों से रिटायरमेंट लेना चाहते हैं? इसके जवाब में नाना पाटेकर ने कहा, वे रिटायरमेंट की बात को नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा, मैं कैसे रिटायर हो सकता हूं? अगल-बगल (हमारे आस-पास) में इतना कुछ हो रहा है, इतना प्रदूषण, इतनी घुटन। वहीं, एक्टिंग से उन्हें एक लक्ष्य और एक अलग तरह की शांति मिलती है।

काम नहीं करूंगा तो हो जाऊंगा पागल

नाना पाटेकर ने कहा कि वे जिस तरह से अपना भविष्य देखते हैं, वो थोड़ा सा अलग है। उन्होंने कहा कि अगर उनके पास काम नहीं होगा तो वे कैसे जिएंगे। उन्होंने कहा कि शायद वे मर जाएं, शायद पागल हो जाएं या किसी को मार दें। वो नहीं जानते कि एक्टिंग छोड़ने पर क्या होगा। काम उनके जीवन का एक अविभाज्य हिस्सा बन गया है और उनकी मानसिक शांति के लिए, महत्वपूर्ण है।

वनवास में आएंगे नजर

मजाक में कहा कि रिटायर होना 'मुश्किल' होगा क्योंकि उनके घर के लोग उन्हें बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे। नाना पाटेकर को उनके अलग अंदाज और फिटनेस के लिए जाना जाता है। नाना पाटेकर अब फिल्म वनवास में नजर आने वाले हैं। फिल्म में उनके साथ उत्कर्ष शर्मा भी दिखने वाले हैं। फिल्म का निर्देशन और निर्माण अनिल शर्मा ने किया है।

'अभिषेक मेरे बेटे; मेरे उत्तराधिकारी', बिग बी ने नई फिल्म के लिए थपथपाई बेटे की पीठ

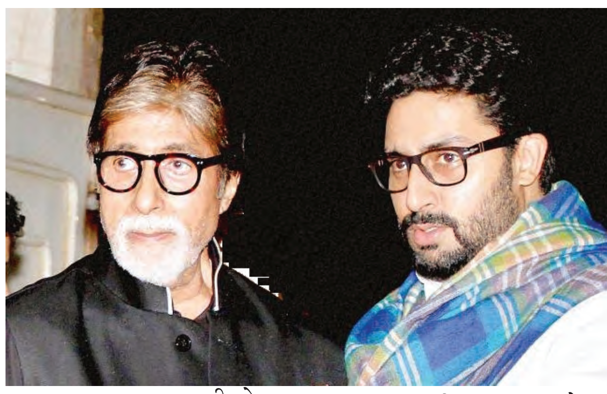

इस वक्त अगर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के ट्विटर हैंडल पर जाएंगे तो वहां सिर्फ आपको अभिषेक बच्चन की फिल्म 'आई वांट टू टॉक' से जुड़े पोस्ट ही मिलेंगे। यह फिल्म आज ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। बेटे की फिल्म है और बिग बी हौसला बढ़ाने में बिल्कुल कसर नहीं छोड़ रहे हैं। फिल्म की रिलीज से पहले से ही उन्होंने अभिषेक बच्चन की इस फिल्म का प्रमोशन शुरू कर दिया। अब लोगों से मिल रही तारीफों को भी वे अपनी एक्स अकाउंट की वॉल पर लगातार शेयर कर रहे हैं।

साझा किया अभिषेक बच्चन के फैन का पोस्ट

अमिताभ बच्चन ने बेटे अभिषेक बच्चन की तारीफ में एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने दिवंगत कवि व अपने पिता हरिवंश राय बच्चन द्वारा रचित कुछ पंक्तियों को लिखते हुए अभिषेक बच्चन की तारीफ की है। दरअसल, अभिषेक बच्चन के एक फैन पेज की तरफ से पोस्ट साझा कर लिखा गया, 'हम अभिषेक बच्चन की इस फिल्म को देखने के लिए उतावले हो रहे हैं'। इस पोस्ट को अमिताभ बच्चन ने री-पोस्ट करते हुए लिखा है, 'ये शब्द जादुई हैं, मेरा प्यार, आशीर्वाद और भी बहुत कुछ...'।

बेटे की तारीफ में लिखी ये बात

अमिताभ बच्चन ने आगे लिखा है, 'मेरे बेटे, बेटे होने से मेरे उत्तराधिकारी नहीं होंगे; जो मेरे उत्तराधिकारी होंगे वो मेरे बेटे होंगे !! अभिषेक मेरे बेटे; मेरे उत्तराधिकारी'। अमिताभ बच्चन के इस पोस्ट पर उनके प्रशंसकों कि प्रतिक्रिया आ रही है। एक यूजर ने लिखा, 'बिल्कुल सही कहते हैं । अभिषेक जी आपके उत्तराधिकारी होने साथ-साथ जया जी के उत्तराधिकारी भी हैं। आप दोनों के गुण अभिषेक जी में भरे हुए हैं। वे ग्रेट एक्टर हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आपने पिता का धर्म बखूबी निभाया है'।

अभिषेक बच्चन की फिल्म 'आई वांट टू टॉक' का निर्देशन शूजित सरकार ने किया है। उनके साथ जूनियर बच्चन पहली बार काम कर रहे हैं। इस फिल्म के बाद अभिषेक बच्चन की झोली में सुजॉय घोष की फिल्म है। वे शाहरुख खान और सुहाना खान अभिनीत फिल्म 'किंग' में भी अहम भूमिका में नजर आने वाले हैं।

युजवेंद्र चहल की पत्नी तेलुगु डेब्यू के लिए तैयार धनश्री!

युजवेंद्र चहल क्रिकेट की दुनिया में एक उल्लेखनीय नाम हैं। युवी ने आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के एमवीपी होने के लिए काफी प्रसिद्धि हासिल की है। इसी बीच उनकी पत्नी-डेंटिस्ट, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और डांस कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो धनश्री जल्द ही तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने जा रही हैं।

तेलुगु डेब्यू के लिए तैयार धनश्री!

रिपोर्ट के अनुसार, धनश्री दिल राजू के बैनर तले निर्मित 'आकाशम दाति वास्तव' नाम के तेलुगु फिल्म से अपनी शुरुआत करेंगी। इस प्रोजेक्ट में कोरियोग्राफर यश मुख्य भूमिका में होंगे। जानकारी तो यह भी है कि इस फिल्म में प्रसिद्ध मलयालम अभिनेत्री कार्तिका मुरलीधरन भी अभिनय करेंगी, जो 'सबा नयागन' और 'सीआईए' में अपने अभिनय से प्रसिद्ध हुईं।

फिल्म में निभाएंगी महत्वपूर्ण किरदार

धनश्री के डेब्यू की बात करें तो कथित तौर पर वह फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। हालांकि, इस नवीनतम चर्चा पर अधिक विवरण और आधिकारिक घोषणा का इंतजार है। रिपोर्ट के अनुसार, यह एक डांस बेस्ड फिल्म है और एक कोरियोग्राफर होने के नाते निर्माताओं को धनश्री इस फिल्म के लिए परफेक्ट लगी हैं।

'आकाशम दाति वास्तव' की शूटिंग जारी हालांकि, निर्माताओं ने इस भूमिका के लिए धनश्री को चुनने से पहले कई अभिनेत्रियों के ऑडिशन लिए। रिपोर्ट के अनुसार, धनश्री फिल्म में अपनी भूमिका की गहराई और पूरी कहानी पर विचार करने के बाद ही फिल्म में शामिल होने के लिए सहमत हुईं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने पहले ही फिल्म के कुछ सीन मुंबई में ही शूट कर लिए हैं। इसका बाकी हिस्सा हैदराबाद में पूरा होने की संभावना है।

कौन हैं धनश्री वर्मा?

धनश्री और कार्तिका मुरलीधरन के अलावा 'आकाशम दाति वास्तव' ससी कुमार मुथुलुरी के निर्देशन की पहली फिल्म भी है। उल्लेखनीय गायक कार्तिक ने फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर तैयार किया है। खैर, एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और प्रतिभाशाली कोरियोग्राफर के रूप में अपनी उपस्थिति के कारण धनश्री पहले ही दर्शकों के बीच अपनी पहचान बना चुकी हैं। जाहिर है, वह बचपन से ही एक प्रशिक्षित शास्त्रीय भरतनाट्यम डांसर भी रही हैं। धनश्री 2020 में युजवेंद्र चहल के साथ शादी के बंधन में बंधीं। यह जोड़ी पहले अलग होने की अफवाहों से सुर्खियों में आई थी। हालांकि, वे केवल निराधार अनुमान थे।

चेन्नई के छात्र ने 'अमरण' के निर्माताओं पर किया केस, जानें क्यों मांगा 1.1 करोड़ रुपये का मुआवजा?

चेन्नई के एक इंजीनियरिंग छात्र वीवी वागीसन ने तमिल फिल्म 'अमरण' के निर्माताओं को कानूनी नोटिस जारी किया है। उन्होंने फिल्म में उनके निजी मोबाइल नंबर के उपयोग के कारण हुई परेशानी के लिए मुआवजे के रूप में 1.1 करोड़ रुपये की मांग की गई है। 31 अक्तूबर, 2024 को रिलीज हुई शिवकार्तिकेयन और साई पल्लवी स्टारर इस फिल्म के एक सीन में छात्र का नंबर दिखाए जाने के बाद हंगामा शुरू हो गया, जिसके बाद कई प्रशंसकों ने इसे साईं पल्लवी का नंबर समझकर कॉल करना शुरू कर दिया।

दीवाली पर आने लगे बैक-टू-बैक कॉल

यह घटना तब हुई जब वागीसन अपने परिवार के साथ दीवाली मना रहे थे। अचानक से उनके फोन पर अननोन नंबर से कई कॉल आने लगीं। फोन को लगातार बजता देखकर पहले तो वह भ्रमित हुए। उन्होंने कॉल म्यूट कर दी, लेकिन अगले दिन रुकावटें बढ़ गईं। वॉइस मैसेजेस को सुनने के बाद उन्हें पता चला कि उनका नंबर फिल्म 'अमरण' के एक मुख्य सीन में दिखाया गया था।

दर्शक हुए गुमराह

फिल्म में फोन नंबर देखकर दर्शक यह मानने लगे कि यह साई पल्लवी का नंबर है। फिर क्या था लोगों ने नंबर पर बैक टू बैक कॉल करनी शुरू कर दी। इसके कारण वागीसन की दिनचर्या गंभीर रूप से बाधित होने लगी। छात्र ने साझा किया, 'मैं बिना किसी बाधा के सो नहीं सकता, पढ़ाई नहीं कर सकता या यहां तक कि कैब बुक करने जैसी आवश्यक सेवाओं का उपयोग भी नहीं कर सकता।'

छात्र वीवी वागीसन ने मांगा मुआवजा

वागीसन ने शुरुआत में फिल्म के निर्देशक राजकुमार पेरियासामी और मुख्य अभिनेता शिवकार्तिकेयन को सोशल मीडिया पर टैग किया और उनसे मदद मांगी। हालांकि, फिल्म निर्माताओं की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर, उन्होंने कानूनी कार्रवाई करने का फैसला किया। अपने वकील के माध्यम से, वागीसन ने मांग की कि उनका फोन नंबर फिल्म से हटा दिया जाए और उनके द्वारा सहन की गई कठिनाइयों और मानसिक पीड़ा के लिए मुआवजे के रूप में 1.1 करोड़ रुपये दिए जाएं।

निर्माताओं की ओर से जवाब का इंतजार

छात्र ने स्पष्ट किया कि वह अपना नंबर नहीं बदलेगा क्योंकि यह आधार और बैंक डिटेल्स जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों से जुड़ा हुआ है। फिल्म के निर्माता और निर्देशक ने अभी तक कानूनी नोटिस का जवाब नहीं दिया है, जबकि वागीसन को लगातार कॉल का सामना करना पड़ रहा है। 'अमरण' की बात करें तो यह फिल्म दर्शकों को दिल जीतने में सफल रही है।

अनन्या की मिनी स्कर्ट और ब्लेजर ने फैंस का दिल जीता, देखिए स्टाइलिश अंदाज

अनन्या पांडे ने हाल ही में अपने सादगी भरे और बेहद स्टाइलिश लुक से एक बार फिर सभी का दिल जीत लिया। सफेद टॉप और मिनी स्कर्ट में उन्होंने जो लुक अपनाया, वह इतना सुंदर था कि, हर कोई उसे देखता ही रह गया। उन्होंने बेज पैनल वाली मिनी स्कर्ट पहनी, जिसमें फ्रंट वेल्ट पॉकिट्स भी थे। अनन्या का ओवरसाइज ब्लेजर, जो उनके पूरे लुक को एक अलग स्तर पर ले गया। यह ब्लेजर बड़ा जरूर था, लेकिन उतना ही आकर्षक और डिटेलिंग से भरपूर था।

मेकअप और हेयरस्टाइल का परफेक्शन

अनन्या के मेकअप ने उनके पूरे लुक में चार चांद लगा दिए। उनके गालों पर हल्का गुलाबी ब्लश, चमकदार गुलाबी लिपस्टिक और लुभावनी पलकें उनकी खूबसूरती को और बढ़ा रही थीं। आंखों पर हल्के काजल और आईलाइनर का बैलेंस उनके सॉफ्ट ग्लैम लुक को परफेक्ट बना रहा था। उनके बालों को एक स्टाइलिश बन में सजाया गया था, जो न केवल उनकी खूबसूरती को बढ़ा रहा था बल्कि पूरे लुक में एलीगेंस और सोफिस्टिकेशन भी जोड़ रहा था।

अनन्या पांडे का फैशन सेंस हमेशा से ही उनकी सबसे बड़ी ताकत रहा है। वह न केवल स्टाइलिश आउटफिट्स चुनती हैं, बल्कि उनमें आरामदायक होना भी सुनिश्चित करती हैं। उनका वॉर्डरोब यह दिखाता है कि फैशन सिर्फ दिखावे के लिए नहीं है, बल्कि इसे पहनने वाले की पर्सनालिटी को भी निखारता है।

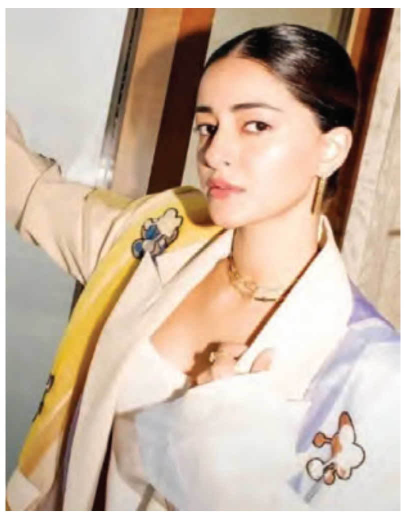

ग्रेइश-सिल्वर ड्रेप्ड साड़ी भूमि का एथनिक और ग्लैमरस लुक

गोवा में आयोजित 55वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भूमि पेडनेकर ने अपने शानदार अंदाज से सभी का दिल जीत लिया। रेड कार्पेट पर भूमि एक फ्लोइंग, ड्रेप्ड साड़ी और ब्लाउज पहनकर नजर आईं। भूमि की ग्रेइश-सिल्वर ड्रेप्ड साड़ी महेश्वरी सिल्क से बनी है, जो कि सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले फैब्रिक्स में से एक है। इस साड़ी को पारंपरिक लुक से हटकर एक नया डिजाइन किया गया है। इसमें एक खूबसूरत ब्लैक बॉर्डर है जो इसकी खूबसूरती को और भी बढ़ा देता है। यह साड़ी पल्लू की जगह एक खास तरह की ड्रेपिंग के साथ डिजाइन की गई है।

भूमि का एथनिक और ग्लैमरस लुक

इस शानदार साड़ी के साथ भूमि ने अपने लुक को स्टाइलिश और ग्रेसफुल बनाया। उन्होंने इसे एक स्टेटमेंट रिंग और मैचिंग इयररिंग्स के साथ एक्सेसराइज किया। भूमि ने ब्लॉक हील्स वाले पीप-टो सैंडल्स को अपने आउटफिट के साथ जोड़ा, जो उनके लुक को और भी एलीगेंट बनाते हैं।

भूमि के मेकअप की बात करें तो उन्होंने इसे मिनिमल और क्लासी रखा। उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा और सेंटर पार्टिंग के साथ एक क्लीन और सोबर हेयरस्टाइल अपनाया। उनका मेकअप पूरी तरह से उनके ड्रेस के साथ मेल खाता था। डार्क ब्रो, ब्राउन लिप शेड, स्पार्कलिंग मेटालिक आईशैडो, गालों पर हल्का गुलाबी टिंट और मस्कारा लगे घने पलकों ने उनके लुक को परफेक्ट फिनिशिंग दी।

शादी सीजन के लिए परफेक्ट है ये लुक

भूमि का यह लुक न केवल स्टाइलिश था बल्कि शादी के इस सीजन के लिए भी एक बेहतरीन इंस्पिरेशन है। अगर आप अपनी दोस्त की शादी में जा रही हैं। तो इस तरह की ड्रेप्ड साड़ी और स्टेटमेंट ब्लाउज का चयन आपके लिए सही रहेगा। यह लुक परंपरागत और मॉडर्न फैशन का खूबसूरत मिश्रण है।

आनंद एल राय हॉरर-कॉमेडी 'नई नवेली' में नजर आएंगी कृति सेनन

कृति सेनन ने हाल ही में 'दो पत्ती' से बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू किया है। इस मूवी को दर्शकों और समीक्षकों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिलीं। अब अभिनेत्री अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। रिपोर्ट की मानें तो कृति ने आनंद एल राय के जरिए निर्मित एक हॉरर कॉमेडी फिल्म साइन की है।

'नई नवेली' में नजर आएंगी कृति सेनन

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अस्थायी रूप से 'नई नवेली' शीर्षक वाली यह फिल्म राय के बैनर कलर येलो प्रोडक्शंस के तहत बनाई जाएगी। यह फिल्म 'तेरे इश्क में' पर काम करने के बाद कृति सेनन और आनंद एल राय के बीच एक और सहयोग का प्रतीक है।

कब शुरू होगा प्रोडक्शन?

'तेरे इश्क में' का एक बड़ा हिस्सा पूरा होने के बाद 'नई नवेली' का प्रोडक्शन 2025 के मध्य में शुरू होगा। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने इस नए प्रोजेक्ट के लिए अभिनेत्री के उत्साह का खुलासा करते हुए कहा, 'कृति सेनन आनंद एल राय के साथ कई सहयोगों पर चर्चा कर रही हैं और वह उनके काम की बड़ी प्रशंसक रही हैं।'

हॉरर-कॉमेडी फिल्म की बढ़ती मांग

रिपोर्ट में आगे कहा गया है, 'हॉरर कॉमेडी इस सीजन का स्वाद है और नई नवेली को लोकप्रिय शैली में एक नया रूप लाने की उम्मीद है।' हालांकि, फिल्म में कृति सेनन के किरदार के बारे में विवरण अभी भी गुप्त हैं। 'नई नवेली' के निर्देशक का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन यह ज्ञात है कि यह अवधारणा राय के कार्यालय में विकसित की गई है।

आनंद एल राय का वर्कफ्रंट

हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'नई नवेली' बनाने के अलावा, आनंद एल राय बहुचर्चित 'तनु वेड्स मनु' फ्रेंचाइजी के तीसरे भाग का निर्देशन करने की भी तैयारी कर रहे हैं। फिल्म में कंगना रणौत और आर माधवन मुख्य भूमिका में होंगे और यह अगले साल के अंत में रिलीज होगी। आने वाले महीनों में इन फिल्मों पर और अधिक और बड़ी जानकारी आने की उम्मीद है।

जीत पर एक्सपर्ट बोले- भारत ने ऐसे बनाया चीन पर अपना वर्चस्व, मिड फील्ड सबसे मजबूत कड़ी रही

नीले आसमा के तले, नीले जमीं पर जीत के अश्वमेध रथ पर सवार मेजबान भारतीय टीम ने खिताबी मुकाबले में चीन की अभेद दीवार को भेद लगातार दूसरी बार ख़िताब अपने नाम किया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशिया चैंपियंस ट्रॉफी पर कब्ज़ा कर मनोरम पहाड़ियों से घिरी एतिहासिक नगरी राजगीर में एशियन हॉकी का सिरमौर बना। भारतीय हॉकी टीम के मुख्य प्रशिक्षक डॉ हरेंद्र सिंह की योद्धाओं ने आज उतार-चढाव भरे इस रोमांचक ज़ंग में चीन की शक्तिशाली टीम पर मैच के शुरुआत से ही दबाव बनाया। चीन के प्रशिक्षक ह्वांग योंगशेंग ने आज नए रणनीति के साथ टीम उतारी थी। चीन की स्टार खिलाड़ी यूंक्सिया फैन, ओउ ज़िक्सिया आज भारतीय टीम के लिए बाधा बनी रही। पूरे मैच में भारत ने अपनी पकड़ बनाई रखी। भारतीय टीम के पास 52% बॉल कंट्रोल रहा, आठ सर्किल इंट्री की और पांच बार गोल पर शूट किया। भारतीय टीम को छह पेनाल्टी कॉर्नर मिला जिसमें एक को गोल में बदल कर चीन को पहली बार एशिया चैंपियंस ट्रॉफी जितने के सपने को तोड़ दिया। भारत के लिए यह स्वर्णिम गोल कर स्टार खिलाड़ी दीपिका ने अपने व्यक्तिगत गोल की संख्या 11 कर

लिया। स्वर्णिम जीत की कमान संभालने वाली दीपिका को टॉप स्कोरर और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवार्ड मिला।

अनुशासित खेल से चीन की शक्तिशाली आक्रमण को कुंद किया

मिज़ोरम की लालरेम्सियामी को प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला। पूरे टूर्नामेंट में अपने जुझारू खेल से भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। मिड फ़ील्ड भारतीय टीम की सबसे मज़बूत कड़ी रही है। पूरे टूर्नामेंट में अपने स्पीड और सूझबूझ से खेलने वाली कप्तान सलीमा नेहा और शर्मीला ने चीन के आक्रमण को हॉफ लाईन पर रोका और और डिफेंस और फॉरवर्ड के बीच तालमेल बनाया। रक्षा पंक्ति में उदिता, वैष्णवी, सुशीला और ज्योति ने क्लीन टेकिंग और अनुशासित खेल से चीन की शक्तिशाली आक्रमण को कुंद किया।

ओलिंपिक रजत पदक विजेता चीन पर अपना वर्चस्व बनाया

भारतीय हॉकी टीम ने भारतीय तथा यूरोपीयन शैली के हॉकी के मिश्रण का शानदार प्रदर्शन किया। आत्मविश्वास से लबरेज़ भारतीय टीम शारीरिक छमता, मानसिक दृढ़ता, शानदार तालमेल एवं स्टिक वर्क के साथ खेलते ओलिंपिक रजत पदक विजेता चीन पर अपना वर्चस्व बनाया। पूरे प्रतियोगिता में अपराजित भारतीय हॉकी टीम ने राउंड रॉबिन लीग में मलेशिया, कोरिया, थाईलैंड, चीन, जापान तथा सेमीफाइनल में जापान को हराते हुए फ़ाइनल तक का सफ़र को पूरा किया। इस चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय हॉकी को संगीता, ब्यूटी, सोनेलिता, ज्योति, वैष्णवी और इशिका जैसे कई उभरते सितारे मिले। इन खिलाडियों पर भविष्य का दारोमदार रहेगा।

इस जीत से बिहार में हॉकी की लोकप्रियता बढ़ी है

आज मगध की पूर्व राजधानी रही ऐतिहासिक और धर्मनगरी राजगीर के खेल प्रेमी दर्शकों का उत्साह तथा जोश देखने लायक था। बिहार के हॉकी प्रेमियों को अपनी सरजमीं पर इतने बड़े जीत पर तिरंगा लहराने का मौका पहली बार मिला है। इस जीत के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, हॉकी इंडिया, खेल मंत्री, खेल विभाग, खेल प्राधिकरण और विशेष रूप से इस आयोजन के कर्ताधर्ता रविंद्रन शंकरण को इस सफल आयोजन के लिए बधाई।

इस स्वर्णिम जीत के गवाह बने बिहार के लिए यह आयोजन खेल और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा। इस जीत से बिहार में हॉकी की लोकप्रियता बढ़ी है। इस लोकप्रियता को अवसर में बदलने की जरूरत है। इस एतिहासिक सफल आयोजन के बाद नवोदित खिलाडियों को आधारभूत संरचना, सही प्रोत्साहन और उचित सम्मान दे तो आने वाले समय में बिहार के खिलाड़ी भी हमें तिरंगा लहराना का अवसर देती रहेगी।

चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी को लेकर विवाद के बीच बीसीसीआई उठा सकता है बड़ा कदम

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर जारी गतिरोध को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अधिकारियों से मुलाकात कर सकते हैं। साथ ही वह पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी से बात कर सकते हैं। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वे टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेंगे, जबकि पीसीबी इस बात पर अड़ा हुआ है कि वे 'हाइब्रिड' ढांचे में नहीं जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, जय शाह दुबई में आईसीसी अधिकारियों से मिलेंगे और इसके बाद नकवी से फोन पर बात करेंगे जहां वे किसी संभावित निष्कर्ष पर पहुंचने का प्रयास करेंगे।

सुमैर अहमद सैयद मुख्य संचालन अधिकारी नियुक्त

इससे पहले पाकिस्तान क्रिकेट

बोर्ड ने गुरुवार को सुमैर अहमद सैयद को चैंपियंस ट्रॉफी का मुख्य संचालन अधिकारी नियुक्त किया। हालांकि, अगले साल के शुरू में टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर अनिश्चितता बरकरार है। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने बोर्ड के इस रुख को दोहराया कि वह टूर्नामेंट की मेजबानी पूरी तरह पाकिस्तान में करना चाहता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इससे पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को सूचित किया था कि वह भारतीय टीम को 50 ओवर की प्रतियोगिता के लिए पाकिस्तान नहीं भेजना चाहता है।

नकवी ने सैयद को लेकर कही थी यह बात

इस बीच नकवी ने सैयद की क्षमताओं पर भरोसा जताते हुए उन्हें एक संगठित पेशेवर बताया। नकवी ने कहा, 'सुमैर प्रशासनिक विशेषज्ञता के धन के साथ एक असाधारण रूप से संगठित पेशेवर हैं। क्रिकेट के लिए उनके अटूट जुनून है। मुझे विश्वास है कि वह खिलाड़ियों, अधिकारियों और प्रशंसकों के लिए एक अविस्मरणीय आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 प्रदान करेंगे।'

सैयद ने मेजबानी को लेकर दिया यह बयान

सैयद ने कहा, 'आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 विश्व स्तरीय क्रिकेट आयोजनों की मेजबानी करने की पाकिस्तान की क्षमता को प्रदर्शित करने, दुनिया भर के खिलाड़ियों और प्रशंसकों का स्वागत करने का वादा करता है ताकि खेल के लिए देश के जुनून और प्रसिद्ध आतिथ्य का अनुभव किया जा सके। तैयारियां पहले से ही अच्छी तरह से चल रही हैं। स्टेडियम के नवीनीकरण का काम पूरा होने वाला है और आईसीसी के साथ महत्वपूर्ण चर्चा चल रही है।

2021 के गाबा टेस्ट के बाद पहली बार अश्विन या जडेजा के बिना उतरा भारत

रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा की अनुभवी स्पिन जोड़ी को पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में मौका नहीं मिला।

कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस के दौरान इस फैसले की पुष्टि की कि इन दोनों की अनुपस्थिति से वॉशिंगटन सुंदर के एकमात्र स्पिनर के रूप में खेल रहे हैं। बुमराह ने टॉस जीतने के बाद अपने चयन की पुष्टि करते हुए कहा, 'वाशी एकमात्र स्पिनर हैं।' रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में कप्तानी कर रहे बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है।

पिछली बार 2021 में हुआ था ऐसा

पिछली बार जडेजा और अश्विन दोनों भारत के टेस्ट लाइनअप से जनवरी 2021 में प्रतिष्ठित गाबा टेस्ट में अनुपस्थित रहे थे।

तब जडेजा अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण मैच नहीं खेल पाए थे, जबकि अश्विन पीठ की समस्या के कारण मैच से बाहर हो गए थे। गाबा 2021 टेस्ट में ही वॉशिंगटन सुंदर ने इस प्रारूप में डेब्यू किया था और भारत की ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

सुंदर ने चार विकेट लिए महत्वपूर्ण अर्धशतक बनाया था। साथ ही शार्दुल ठाकुर के साथ अहम साझेदारी भी की थी। इन

दोनों की बदौलत ही भारत ने ब्रिस्बेन में ऐतिहासिक जीत हासिल की थी और गाबा में ऑस्ट्रेलिया का घमंड तोड़ा था। अपने डेब्यू के बाद सुंदर ने केवल कुछ ही टेस्ट खेले हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों के अनुकूल उनकी क्षमता एक महत्वपूर्ण कारक है। ऑस्ट्रेलिया में 42 की बल्लेबाजी औसत और नियंत्रण और निरंतरता दिखाने वाले गेंदबाजी के कारण सुंदर ने अच्छे विकल्प साबित हो सकते हैं।

अश्विन-जडेजा के नहीं खेलने से एक्सपर्ट्स हैरान

अश्विन और जडेजा की अनुपस्थिति को कई ऑस्ट्रेलियाई विशेषज्ञों ने आश्चर्यजनक बताया। अश्विन, 3,474 टेस्ट रन और 470 से अधिक विकेट और जडेजा, 3,235 रन और 275 विकेट के साथ पिछले कई वर्षों से भारत के लिए प्राथमिकता रहे हैं। दोनों खिलाड़ी बल्लेबाजी लाइनअप को महत्वपूर्ण गहराई भी प्रदान करते हैं, जिससे उन्हें बाहर करना मुश्किल हो जाता है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर माइकल हसी ने इस फैसले पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, 'अश्विन और जडेजा बल्ले से भी मदद कर सकते हैं। उनका अनुभव मूल्यवान होता।'

सुंदर का चयन ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के कई बल्लेबाजों के खिलाफ भारत की रणनीति को दर्शाता है।

ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष सात में उस्मान ख्वाजा और ट्रेविस हेड समेत पांच बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं।

इसके अलावा सुंदर का हालिया घरेलू और अंतरराष्ट्रीय फॉर्म भी संतोषजनक रहा है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में 7/59 और 4/56 के आंकड़े दर्ज किए थे। उन्होंने लगातार विकेट लेने और नियंत्रण बनाए रखने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

डिंग लिरेन के खिलाफ मैच से पहले एरिगेसी ने दी गुकेश को सलाह, खुद को दावेदार मत मानो

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप के मुकाबले की तैयारियां कर रहे हैं। इस मैच से पहले हमवतन अर्जुन एरिगेसी ने उन्हें महत्वपूर्ण सलाह दी है। एरिगेस का मानना है कि गुकेश को सिर्फ अपनी तैयारियों पर ध्यान देना चाहिए और खिताबी मैच में उतरते हुए खुद को प्रबल दावेदार नहीं समझना चाहिए। सिंगापुर में 25 नवंबर से होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले लिरेन प्रभावी प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं जिससे गुकेश को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

डी गुकेश

इस साल सितंबर में 2799 की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ इतिहास में 15वें सर्वाधिक रेटिंग अंक हासिल करने वाले खिलाड़ी एरिगेसी ने कहा, अगर मैं गुकेश की जगह होता तो मैं यह नहीं सोचता कि मैं प्रबल दावेदार हूं। मैं सिर्फ अपनी तैयारियों पर ध्यान देता। और मुझे यकीन है कि गुकेश भी ऐसा करेगा। मुझे लगता है कि यह स्पष्ट है कि गुकेश प्रबल दावेदार हैं। दोनों के अपने मजबूत और कमजोर पक्ष हैं, लेकिन गुकेश प्रबल दावेदार है। इसका डिंग की फॉर्म से अधिक लेना देना है क्योंकि चीन का खिलाड़ी अच्छी लय में नहीं है।

एरिगेसी का मानना है कि अगर लिरेन अपनी क्षमता के अनुरूप खेलते हैं तो यह कड़ा मुकाबला होगा। उन्होंने कहा, अगर लिरेन अपने सर्वश्रेष्ठ के आसपास का भी प्रदर्शन करता है तो यह बेहद रोमांचक मुकाबला होगा। एक शतरंज प्रशंसक के रूप में मैं उम्मीद करता हूं कि ऐसा हो। मैं ही नहीं बल्कि कोई भी शतरंज प्रशंसक उम्मीद करेगा कि डिंग अच्छा प्रदर्शन करे और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाए जिससे कि यह रोमांचक मुकाबला हो। लेकिन भारतीय होने के नाते मैं गुकेश का समर्थन करता हूं।

एरिगेसी का मानना है कि पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को उनकी प्रतिभा शतरंज जगत में सभी से आगे रखती है। उन्होंने साथ ही कहा कि नॉर्वे का यह खिलाड़ी अपने विरोधियों को नर्वस कर देता है।

दोहरे ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ब्राउनली ने किया संन्यास का एलान, बोले- अब समय आ गया

ट्रायथलॉन में दोहरे ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और दो बार के विश्व चैंपियन ब्रिटेन के एलिस्टेयर ब्राउनली ने 36 साल की उम्र में संन्यास लेने की घोषणा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, अब इस अध्याय को यही समाप्त करने का समय आ गया है। ट्रायथलॉन ने मेरी जिंदगी बना दी। मैंने अपने बचपन को उन सपनों को पूरा जिनको देखने का मैंने कभी साहस किया था। जितनी कल्पना की थी, उससे कहीं ज्यादा पाया।

लंदन 2012 में ब्राउनली ने 1500 मीटर की तैराकी, 40 मीटर की बाइक रेस, दस किमी की दौड़ जीती। उनके छोटे भाई जोनाथन ने कांस्य पदक जीता था। उसके बाद रियो डि जेनेरियो में अपने खिताब का बचाव किया। टखने की चोट से प्रभावित रहे ब्राउनली ने कहा कि अब ट्रेनिंग में उसके आसपास नहीं कर पाता जितना पहले मैं कभी कर चुका हूं। उन्होंने कहा कि मैं फिट और स्वस्थ रहकर खेल को अलविदा कहना चाहता हूं न कि चोटिल होकर।

ऑस्ट्रेलिया लगातार तीसरी बार डेविस कप के सेमीफाइनल में पहुंचा, अमेरिका को 2-1 से हराया

ऑस्ट्रेलिया ने अमेरिका को 2-1 से हराकर लगातार तीसरे वर्ष डेविस कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। दोनों एकल में 1-1 की बराबरी के बाद युगल में नतीजा निकला। मैट एबडेन और जॉर्डन थाम्पसन की ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी ने बेन शेल्टन और टॉमी पॉल की जोड़ी को 6-4, 6-4 से हराया। ऑस्ट्रेलिया 28 बार डेविस कप टेनिस का चैंपियन रहा है। अब उसकी टक्कर गत विजेता इटली और अर्जेंटीना के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगी। अन्य सेमीफाइनल नीदरलैंड और जर्मनी के बीच होगा।

इससे पहले शुरुआती एकल में ऑस्ट्रेलिया के थानासी ने चार मैच प्वाइंट बचाते हुए बेन शेल्टन को 6-1, 4-6, 7-6 (14) से हराकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। उसके बाद यूएस ओपन के उपविजेता फ्रिट्ज दुनिया के नौवें नंबर के डि मिनोर को 6-3 , 6-4 से हराकर अमेरिका को बराबरी पर ले आए।

बल्ले से खराब फॉर्म के बीच कैच छोड़ने के मामले में भी कोहली ने बनाया अनचाहा रिकॉर्ड

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की फॉर्म टीम इंडिया के लिए चिंता का विषय साबित हो रही है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू सीरीज में फ्लॉप रहने के बाद भारत को अपने पूर्व कप्तान से काफी उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया में कोहली का रिकॉर्ड भी शानदार रहा है। इसी बीच पर्थ टेस्ट मैच की पहली पारी में विराट ने टीम और अपने फैंस को निराश ही किया है।

विराट कोहली ने 12 गेंदों पर 5 रनों की पारी खेली और हेजलवुड की गेंद पर उस्मान ख्वाजा के हाथों कैच आउट हो गए। इस तरह उनकी खराब फॉर्म में एक और कड़ी जुड़ गई है।

इसके अलावा कोहली ने भारतीय गेंदबाजी के दौरान कैच भी छोड़ दिया। जसप्रीत बुमराह की गेंद पर विराट कोहली ने मार्नश लाबुशेन का आसान कैच ड्रॉप कर दिया। इस शानदार गेंद पर मार्नस लाबुशेन के बल्ले का किनारा निकला, जिस पर कोहली ने ज्यादा मूवमेंट नहीं की और कैच पकड़ने की जल्दबाजी में गेंद को ड्रॉप कर बैठे।

विराट आमतौर पर बढ़िया क्षेत्ररक्षक माने जाते हैं लेकिन साल 2011 से अब तक कम से कम 100 मौके हासिल करने वाले खिलाड़ियों में कोहली का कैच ड्रॉप करने का प्रतिशत काफी ज्यादा है। यह आंकड़ा कोहली की कैच पकड़ने की क्षमता पर सवाल भी खड़े करता है। कोहली ने इस अवधि में 29.6 प्रतिशत कैच छोड़े हैं और उनसे ज्यादा कैच छोड़ने के प्रतिशत के मामले में केवल जेम्स एंडरसन ही उनसे आगे हैं।

हालांकि एंडरसन एक गेंदबाज हैं जो कभी अपनी फील्डिंग क्षमताओं के कारण नहीं जाने जाते थे। अगर सिर्फ बल्लेबाजों की बात की जाए तो विराट कोहली ने साल 2011 से अब तक सर्वाधिक कैच छोड़े हैं। इसी बीच कप्तान जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम इंडिया को शानदार वापसी कराई है। खबर लिखे जाने तक भारत की पहली पारी 150 रनों के जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम के 7 विकेट भी 60 रनों के स्कोर पर गिर चुके थे। इनमें जसप्रीत बुमराह ने चार, मोहम्मद सिराज ने दो और हर्षित राणा ने एक विकेट हासिल किया।

पर्थ टेस्ट में 24 नवंबर को भारतीय टीम से जुड़ेंगे रोहित शर्मा

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से पर्थ में पहला टेस्ट मुकाबला खेला । भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। वह 24 नवंबर (रविवार) को भारतीय टीम से जुड़ेंगे, यानी इस मुकाबले के तीसरे दिन वह पर्थ में दिखेंगे। इसकी जानकारी समाचार एजेंसी पीटीआई ने गुरुवार को दी।

बता दें कि, हिटमैन अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम के साथ नहीं गए थे। 15 नवंबर को उनकी पत्नी रितिका ने दूसरे बच्चे को जन्म को दिया था।

पहले टेस्ट में खेलेंगे रोहित?

पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में शुक्रवार से खेला जाएगा। इस मैच में रोहित शर्मा नहीं खेलेंगे। चूंकि वह इस मुकाबले के तीसरे दिन टीम से जुड़ेंगे, ऐसे में दिग्गज दूसरे टेस्ट में खेलते दिखेंगे। यह मुकाबला छह दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। पीटीआई को बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, ₹रोहित

पहले टेस्ट के तीसरे दिन पर्थ पहुंचेंगे।

बुमराह संभालेंगे कप्तानी

रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में जसप्रीत बुमराह भारतीय टीम की कमान संभालेंगे। गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेज गेंदबाज ने इस बारे में बात करते हुए बताया कि कोच और टीम प्रबंधन ने पहले ही टीम का नेतृत्व करने के लेकर उन्हें अवगत करा दिया था। इसके अलावा उन्होंने बताया कि उनकी रोहित से इस विषय में पहले बात हो चुकी है।

कड़वी यादों को भुलाना चाहेगी भारतीय टीम

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के लिहाज से भारत के लिए यह सीरीज काफी अहम है। फाइनल में पहुंचने के लिए उन्हें हर हाल में चारों मुकाबले जीतने होंगे और एक टेस्ट ड्रॉ कराना होगा। मालूम हो कि, हाल ही में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू जमीन पर 0-3 से टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में भारत पुरानी यादों को पीछे छोड़कर नई शुरुआत करना चाहेगी। बुमराह से जब न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हमें न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से सीख लेनी होगी, लेकिन हम इस भार को लिए नहीं रह सकते हैं। यहां परिस्थिति अलग है और आपको अलग नतीजे की उम्मीद होगी।

अडानी के शेयरों में कोहराम जारी, शेयर बाजार खुलते ही 76 हजार करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। रिश्वत मामले में गौतम अडानी और उनके सहयोगियों को कोई राहत मिलती हुई दिखाई नहीं दे रही है. गुरुवार को केन्या ने भी एक प्रोजेक्ट से हाथ पीछे खींच लिए हैं. वहीं दूसरी ओर रेटिंग एजेंसीज ने भी अडानी की कंपनियों को नेगेटिव रेटिंग देना शुरू कर कर दिया है. जिसकी वजह से शुक्रवार को भी अडानी ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में बाजार खुलते ही गिरावट देखने को मिली. अडानी इंटरप्राइजेज समेत कुछ कंपनियों के शेयर अपने 52 हफ्तों के लोअर लेवल पर पहुंच गए. जिसकी वजह से अडानी ग्रुप के मार्केट कैप को करीब 76 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो गया. वहीं दूसरी ओर शेयर बाजार में तेजी देखने को मिल रही है. सेंसेक्स जहां 600 से ज्यादा की तेजी के साथ कारोबार करता हुआ दिखाई दिया. वहीं दूसरी ओर निफ्टी में 130 से ज्यादा अंकों की तेजी देखने को मिली. शेयर बाजार में बैंकिंग शेयर में तेजी देखने को मिल रही है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर अडानी ग्रुप की कंपनियों के मार्केट कैप को कितना नुकसान हुआ और शेयर बाजार में किस तरह की तेजी देखने को मिल रही है।

अडानी ग्रुप की कंपनियों को कितना नुकसान

अडानी इंटरप्राइजेज के शेयर में गिरावट देखने को मिली और बाजार खुलते ही कंपनी के मार्केट कैप में 14,888.94 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया और कंपनी का मार्केट कैप 2,34,298.68 करोड़ रुपए पर आ गया.अडानी पोर्ट एंड एसईजेड के शेयरों में गिरावट देखी गई और बाजार खुलते ही कंपनी के मार्केट कैप में 12,799.32 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया और कंपनी का मार्केट कैप 2,27,991.37 करोड़ रुपए पर आ गया.अडानी पावर के शेयरों में गिरावट देखी गई और बाजार खुलते ही कंपनी के मार्केट कैप में 11,851.68 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया और कंपनी का मार्केट कैप 1,71,796.47 करोड़ रुपए पर आ गया.अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों में गिरावट देखी गई और बाजार खुलते ही कंपनी के मार्केट कैप में 7,189.68 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया और कंपनी का मार्केट कैप 76,623.81 करोड़ रुपए पर आ गया.अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में गिरावट देखी गई और बाजार खुलते ही कंपनी के मार्केट कैप में 20,199.15 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया और कंपनी का मार्केट कैप 1,61,394.33 करोड़ रुपए पर आ गया

.अडानी टोटल गैस के शेयरों में गिरावट देखी गई और बाजार खुलते ही कंपनी के मार्केट कैप में 4,052.8 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया और कंपनी का मार्केट कैप 62,194.26 करोड़ रुपए पर आ गया.अडानी विल्मर के शेयरों में गिरावट देखी गई और बाजार खुलते ही कंपनी के मार्केट कैप में 2,032.02 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया और कंपनी का मार्केट कैप 36,237.02 करोड़ रुपए पर आ गया.एसीसी लिमिटेड के शेयरों में गिरावट देखी गई और बाजार खुलते ही कंपनी के मार्केट कैप में 748.33 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया और कंपनी का मार्केट कैप 37,293.61 करोड़ रुपए पर आ गया.अंबुजा सीमेंट के शेयरों में गिरावट देखी गई और बाजार खुलते ही कंपनी के मार्केट कैप में 2,142.92 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया और कंपनी का मार्केट कैप 1,17,010.68 करोड़ रुपए पर आ गया.एनडीटीवी के शेयरों में गिरावट देखी गई और बाजार खुलते ही कंपनी के मार्केट कैप में 43.52 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया और कंपनी का मार्केट कैप 1,047.66 करोड़ रुपए पर आ गया.अडानी ग्रुप के शेयरों में इस गिरावट की वजह से मार्केट कैप को 75,948.36 करोड़ रुपए का नुकसान हो गया.

2027 तक 40 लाख महिलाओं को मिल सकेंगे रोजगार के अवसर

लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की अनोखी पहल

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए 2027 तक 40 लाख महिलाओं के लिए कामकाज के अवसर पैदा होंगे। फिक्की के अध्यक्ष अनीश शाह ने बताया कि तीन साल में कार्यबल में इस लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा। महिलाओं की समान भागीदारी से वैश्विक जीडीपी में 28 अरब डॉलर जोड़े जा सकते हैं। वहीं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भी इस समारोह में नवचार बढ़ाने पर जोर दिया।

नवाचार और अनुसंधान बढ़ाएं : गोयल

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने समारोह में कहा, राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन के तहत आवंटित एक लाख करोड़ रुपये का उपयोग उद्योगों को नवाचार को बढ़ावा देने और अनुसंधान आधारित इकोसिस्टम के लिए करना चाहिए। युवाओं को नए विचार विकसित करने की मानसिकता के लिए तैयार किया जाना चाहिए। राष्ट्र ने दुनिया का विश्वास अर्जित किया है।

शीर्ष प्रबंधन में महिलाएं 20% से भी कम

कार्यस्थल में महिला विषयक रिपोर्ट में भारत के औपचारिक कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी में कमी की तरफ ध्यान दिलाया गया। इसमें 325 कंपनियों का अध्ययन किया गया था। इस अध्ययन में भारत, केन्या और नाइजीरिया में 13 लाख से अधिक कर्मचारियों का सर्वेक्षण किया गया। इसमें खुलासा हुआ कि भारत में महिलाओं का शीर्ष प्रबंधन स्तर का प्रतिनिधित्व 20% से भी कम है।

लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की अपील

भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ यानी फिक्की के अध्यक्ष शाह ने वार्षिक सम्मेलन में कॉरपोरेट से कार्यस्थल में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की अपील की।

आंकड़ों के मुताबिक, करिअर की शुरुआत में महिलाओं की हिस्सेदारी 33 फीसदी है। जैसे-जैसे पद ऊंचे होते जाते हैं, महिलाओं की संख्या कम होती है। सिर्फ 24% महिलाएं मैनेजर बन पाती हैं। सबसे ऊंचे पदों पर महिलाओं की हिस्सेदारी सिर्फ 17 फीसदी रह जाती हैं। पुरुषों के प्रबंधकीय भूमिकाओं में आगे बढ़ने की संभावना दोगुनी से अधिक है। महिलाओं के पद छोड़ने की संभावना पुरुषों से 1.3 गुना ज्यादा हैं। कंपनियों में उच्च स्तर के नेतृत्व में महिलाओं के नौकरी छोड़ने की दर कम हो जाती है। एजेंसी

कम भागीदारी वैश्विक समस्या

रिपोर्ट के अनुसार, औपचारिक नौकरियों में महिलाओं की कम भागीदारी एक वैश्विक समस्या है। हालांकि, समाधान हर देश और कार्यस्थल की अलग स्थिति को ध्यान में रखकर होने चाहिए। भारतीय महिलाओं की खास चुनौतियों को समझ कर और संस्था की वर्तमान स्थिति का आकलन कर यह फासला कम किया जा सकता है। इससे संस्थाएं प्रतिभा का बेहतर इस्तेमाल कर सकती हैं।

जीडीपी में 9 फीसदी बढ़ोतरी संभव

विश्व बैंक के अनुसार, हालांकि देश में दस महिलाओं में से सिर्फ 6 महिलाएं औपचारिक तौर से काम करती हैं, पर भागीदारी बढ़ाने से भारतीय अर्थव्यवस्था में 9 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हो सकती है।

एलन मस्क-विवेक रामास्वामी यूएसए में घटाएंगे 500 बिलियन डॉलर की फिजूलखर्ची

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति चुने जाने के बाद से ही उनके फैसले चर्चा का विषय बन रहे हैं.

उन्होंने सत्ता की कुर्सी हासिल करने से पहले ही अमेरिकी सरकार में कई बदलावों को मंजूरी दी है और उनपर काम भी शुरू हो चुका है. ट्रंप ने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिएशेंसी यानी डोगे के नाम से जो विभाग बनाया गया है उसके जरिए अमेरिका में 500 बिलियन डॉलर के खर्चों को कम करने का प्लान तैयार है।

हेल्थकेयर और एनएएसए के खर्च भी रडार पर

डोगे के नए लीडर अमेरिका में घटाएंगे 500 बिलियन डॉलर की फिजूलखर्ची

डोनाल्ड ट्रंप ने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिएशेंसी नाम से एक नया विभाग बनाया है और इसकी कमान अपने दोस्त एलन मस्क और विवेक रामास्वामी को सौंपी है. अब नया अपडेट ये है कि ये दोनों डोगे (डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिएशेंसी) के अंतरगत यूएसए में कई विभागों में खर्चा कम करेंगे.

इसके तहत जिन विभागों और मंत्रालयों के खर्चों में कटौती की जाएगी उनमें मुख्य रूप से हेल्थकेयर, बच्चों के लिए दी जाने वाली ग्रांट और एनएएसए के लिए बजट कम करने की बात की गई है।

एलन मस्क को बनाया डोगे का प्रमुख

एलन मस्क की अमेरिकी प्रशासन में दखल के संकेत साफ हैं और अपने दोस्त को एलन मस्क को डोगे का प्रमुख भी बनाया है. ये एक ऐसी पोजीशन है जिसमें उन्हें कांग्रेस के विवादास्पद मेंबर्स के साथ करीबी रूप से मिलकर काम करना होगा. डोनाल्ड ट्रंप अक्सर टेस्ला-स्पेसएक्स, न्यरालिंक के सीईओ एलन मस्क के साथ सहयोग की बातें दोहराते रहते हैं अब क्रिप्टोकरेंसी के फील्ड में जमकर निवेश करने की बात भी की जा रही हैं।

डोगे की स्थापना के मौके पर डोनाल्ड ट्रंप ने कही बड़ी बात

डोनाल्ड ट्रंप ने इस डोगे की स्थापना के मौके पर कहा कि मस्क और रामास्वामी बढ़ती सरकारी ब्यूरोक्रेसी को घटाने, अतिरिक्त नियामकीय आदेशों को कम करने के साथ फेडरल एजेंसियो में हो रही बर्बादी को कम करने और फेडरल स्ट्रक्चर की कुछ मोर्चों की रीस्ट्रक्चरिंग पर ध्यान देंगे।

शादियों के सीजन में सोना-चांदी खरीदना बना टेंशन? अचानक आई तेजी है वजह

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। देश में त्योहारी सीजन खत्म होने के साथ ही सोना और चांदी के दाम घटने लगे थे। गिरते दाम से उन परिवारों में खुशी का माहौल था जहां शादियां होने है। जबकि दूसरी तरफ बाजार के कारोबारी भी खुशी थे कि शादियों के सीजन में सोना-चांदी के घटे दामों से गहनों की खरीदी को बढ़ावा मिलेगा। लेकिन सराफा बाजार के साथ ही शादियों की खरीदारी के लिए निकले लोगों को रूस-अमेरिका के रुख ने झटका दे दिया है। युक्रेन से आ रही खबरों ने सोने के दाम को यू टर्न लेने पर मजबूर कर दिया है। ऐसे में भारतीय कारोबारियों के साथ सोने खरीदने वालों को निराशा हाथ लगी है। दरअसल, सोना और चांदी के भाव अंतरराष्ट्रीय बाजार से तय होते हैं। दीपावली से पहले देश में सोना (24 कैरेट) भारतीय बाजार में 82000 रुपये प्रति दस ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन अमेरिका के चुनाव परिणाम ने बाजार का रुख पलट दिया। इससे सोने के साथ चांदी के दाम भी घटने लगे। ऐसे में सराफा बाजार को उम्मीद थी कि दिसंबर के साथ बाद नए साल में दाम घटेंगे। इससे खरीदार भी खुश थे। लेकिन पिछले चार दिनों से बाजार में अचानक तेजी आने लगी है। 22 नवंबर 2024 को 24 कैरेट सोने की कीमत 77 हजार 406 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है। 21 नवंबर 2024 की तुलना में सोने के भाव में आज 474 रुपये ज्यादा तेजी देखी गई है। विज्ञापनआल इंडिया सराफा एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अमर उजाला से चर्चा में कहा कि, सोने को संकट की स्थिति में सुरक्षित निवेश का माध्यम माना जाता है। जब अर्थव्यवस्था पर संकट या अनिश्चितता दिखती है तो देश-विदेश के निवेशक सोने में निवेश बढ़ा देते हैं। ऐसे में इसकी कीमत बढ़ने लगती है और चांदी पर भी असर दिखाई देता है। अमेरिका में चुनाव परिणाम आते ही भारत समेत वैश्विक बाजार मान रहे थे कि नए राष्ट्रपति ट्रंप कुछ ऐसे कदम उठाएंगे जो युद्ध खत्म करेंगे। ऐसे में सोना-चांदी सस्ता होने लगा था। लेकिन 18 नवंबर से इजरायल-हिजबुल्लाह और फिर रूस-यूक्रेन युद्ध में तनाव बढ़ा है। इसके बाद अमेरिकी सरकार ने अपनी मिसाइलों के रूस के खिलाफ इस्तेमाल की यूक्रेन को छूट दे दी। जिससे बाजार की परिस्थितियां बदल गई है। हालांकि लेकिन सोने चांदी के दामों में नए साल में कमी आने की पूरी संभावना है। क्योंकि 20 जनवरी के बाद बाइडन की जगह ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति बन जाएंगे। माना जा रहा है कि वे युद्ध पर मौजूदा रुख के उलट निर्णय लेकर लड़ाई खत्म करवा सकते हैं।

99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी हुआ महंगा

हालांकि, गुरुवार को चांदी 93,000 रुपये प्रति किलो के भाव पर स्थिर रही। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने के साथ ही आज 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में भी 1400 रुपये प्रति की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिसके बाद इसका भाव 78,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। बुधवार को 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना गिरावट के साथ 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था।

बीआईएस द्वारा नए लाइसेंसधारकों के साथ संवाद

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) हैदराबाद शाखा ने आज 'मानक संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नए बीआईएस लाइसेंसधारकों को मानकीकरण, प्रमाणन प्रक्रिया, और डिजिटल पहल के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम में 40 नए लाइसेंसधारकों ने भाग लिया। संयुक्त निदेशक श्रीमती सट्टू सविता ने बीआईएस की गतिविधियों, लाइसेंस प्रक्रिया, परीक्षण प्रोटोकॉल, नवीनीकरण प्रक्रिया, और मानक ऑनलाइन पोर्टल की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। यह पोर्टल लाइसेंसधारकों के लिए एक सरल और पारदर्शी मंच के रूप में कार्य करता है। सत्र के दौरान, श्रीमती सविता ने बीआईएस की डिजिटल पहलों, जैसे कि बीआईएस केयर ऐप, के बारे में भी जानकारी दी। इस ऐप के माध्यम से उपभोक्ता और लाइसेंसधारक उत्पादों की प्रामाणिकता की जांच कर सकते हैं, मानकों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, और अपनी शिकायतें या प्रश्न दर्ज कर सकते हैं। उन्होंने कहा, बीआईएस केयर ऐप जैसे डिजिटल समाधान बीआईएस और उसके हितधारकों के बीच पारदर्शिता और सुलभता को बढ़ावा दे रहे हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने नकली कॉल से संबंधित एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा की। उन्होंने लाइसेंसधारकों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने का आग्रह किया। यह देखा गया है कि कुछ लोग बीआईएस अधिकारियों के नाम पर धोखाधड़ी कर रहे हैं। ऐसे मामलों से बचने के लिए श्रीमती सविता ने सत्यापन के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले लाइसेंसधारकों ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस सत्र ने उनके कई तकनीकी और प्रक्रियात्मक सवालों का समाधान किया और उन्हें भारतीय मानकों का महत्व समझने में मदद की। यह कार्यक्रम उत्पादों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने में भारतीय मानकों की भूमिका को उजागर करता है। 'मानक संवाद' बीआईएस की अपने हितधारकों के साथ सहयोगात्मक संबंध को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बीआईएस अपने लाइसेंसधारकों को आवश्यक उपकरण, ज्ञान, और समर्थन प्रदान कर उद्योगों में गुणवत्ता और विश्वास की संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है।

शेयर बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स 1900 अंक चढ़कर 79,000 के पार- निफ्टी 23900 के ऊपर बंद

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। नवंबर सीरीज की एक्सपायरी के दिन मिडकैप-स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी के दम पर शेयर बाजार की क्लोजिंग अच्छे नोट पर हुई है. बैंकिंग, आईटी, रियल एस्टेट समेत सभी सेक्टोरल इंडेक्स में बढ़त के साथ बाजार की क्लोजिंग हुई है. निफ्टी बैंक 763 अंक चढ़कर 51135 के लेवल पर बंद हुआ है. निफ्टी के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में तेजी के साथ कारोबार बंद हुआ है लेकिन मीडिया सेक्टर एक ऐसा सेक्टर रहा जिसमें गिरावट के साथ क्लोजिंग देखने को मिली है.

किन स्तरों पर बंद हुआ घरेलू शेयर बाजार

शुक्रवार के कारोबार में एनएसई के निफ्टी में 557.35 अंक या 2.39 फीसदी की उछाल के साथ 23,907 पर क्लोजिंग दिखाई दी है. बीएसई का सेंसेक्स 1961.32 अंकों या 2.54 फीसदी की जबरदस्त बढ़त के साथ 79,117 पर बंद हुआ है.

सेंसेक्स के शेयरों में चौतरफा हरियाली

सेंसेक्स के शेयरों में 30 में से 30 शेयरों में हरे निशान में कारोबार देखा जा रहा है. सेंसेक्स के टॉप गेनर्स में एसबीआई, टीसीएस, टाइटन, आईटीसी, इंफोसिस, एलएंडटी के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल देखा जा रहा है.

निफ्टी के शेयरों का अपडेट

निफ्टी के 50 में से 49 शेयरों में तेजी देखी जा रही है और केवल 1 शेयर में गिरावट के साथ कारोबार देखा जा रहा है. केवल बजाज ऑटो का शेयर गिरावट के लाल निशान में है और बाकी सभी शेयरों में बढ़त के साथ कारोबार देखा जा रहा है. सबसे ऊपर एसबीआई, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, टीसीएस और टाइटन के नाम शामिल हैं.

बीएसई का मार्केट कैप

बीएसई का मार्केट कैप देखें तो 432.70 लाख करोड़ रुपये पर ये आ चुका है और इसके साथ ही इसमें आज शानदार 7.41 लाख करोड़ रुपये का उछाल दर्ज किया गया है. इसमें 4041 शेयरों पर कारोबार बंद हुआ और 2446 शेयरों में तेजी के साथ ट्रेड क्लोज हुआ है. 1475 शेयरों में गिरावट रही और 120 शेयरों में गिरावट के साथ कारोबार बंद हुआ है.

रूस ने यूक्रेन पर पहली बार दागी ये खास मिसाइल, कच्चे तेल की कीमतों ने पकड़ ली रफ्तार, टेंशन में इंडिया

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच तनाव कम होने का नाम नहीं ले रही है. अब तो रूस ने यूक्रेन पर जारी हमले को और तेज कर दिया है. 21 नवंबर को जब रूस ने यूक्रेन के निप्रो शहर पर इंटरकॉन्टिनेंटल मिसाइल रुपये-26 रूबेज से हमला किया. इस घटना से न केवल दोनों देशों के बीच संघर्ष और गहरा हुआ, बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भी हलचल मच गई है. यूक्रेनी वायु सेना ने पुष्टि की है कि रूस ने यह हमला पहले से योजनाबद्ध तरीके से किया था. इस हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी देखने को मिली. गुरुवार को ब्रेंट क्रूड वायदा 0.4% की बढ़त के साथ 73.09 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड वायदा भी 69.03 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड कर रहा था. भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति में बाधा की चिंताओं ने कीमतों को बढ़ावा दिया.भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए तेल की बढ़ती कीमतें चिंता का विषय हैं. भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का अधिकांश हिस्सा आयात करता है, जिससे वैश्विक तेल बाजार के उतार-चढ़ाव का सीधा असर पड़ता है. कच्चे तेल की ऊंची कीमतें न केवल व्यापार घाटे को बढ़ा सकती हैं, बल्कि महंगाई दर में भी इजाफा कर सकती हैं. रूस भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता है, इसलिए सप्लाई में किसी भी बाधा का भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर गहरा असर पड़ सकता है। तेल बाजार पर एक और असर ओपेक+ की आगामी बैठक से पड़ सकता है. पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक+) और रूस के नेतृत्व वाले उसके सहयोगी 1 दिसंबर को होने वाली बैठक में उत्पादन बढ़ाने की योजना को टाल सकते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-28
सूर्यास्त. - 17-35
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी 19-56 तक उपरान्त नवमीं
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण, शनिवार 23 November
नक्षत्र - मघा 19-26 तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - ऐन्द्र 11-40 तक उप वैधृति
करण- बालव 06-56 तक उप कौलव
विशेष:- श्री कालभैरवाष्टमी
व्रत -त्योहार - भैरव समुत्पति

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृश्चिक	मे	वृश्चिक-	05-58 बजे
चंद्र-	सिंह	मे	धनु----	08-12 बजे
मंगल	कर्क	मे	मकर....	10-17 बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	कुंभ--	12-08 बजे
गुरु-	वृष	मे	मीन--	10-46 बजे
शुक्र-	धनु	मे	मेष---	15-22 बजे
शनि-	कुंभ	मे	वृष---	17-07 बजे
राहु-	मीन	मे	मिथुन-	19-08 बजे
केतु-	कन्या	मे	कर्क---	21-19 बजे
			सिंह---	23-32 बजे
			कन्या--	01-39 बजे
			तुला---	03-44 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:15 से 10:39 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06:28 - 07:51	अशुभ	लाभ	17:35 - 19:14	शुभ
शुभ.	07:51 - 09:15	शुभ	उत्पात	19:14 - 20:51	अशुभ
रोग	09:15 - 10:39	अशुभ	शुभ	20:51 - 22:27	शुभ
उत्पात	10:39 - 12:03	अशुभ	अमृत.	22:27 - 00:03	शुभ
चंचल.	12:03 - 13:27	शुभ	चंचल	00:03 - 01:39	शुभ
लाभ.	13:27 - 14:50	शुभ	रोग	01:39 - 03:15	अशुभ
अमृत.	14:50 - 16:14	शुभ	काल	03:15 - 04:51	अशुभ
काल.	16:14 - 17:35	अशुभ	लाभ.	04:51 - 06:28	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
हालाँकि, आप ईमानदार और मेहनती हैं पर आज सफलता आपकी पहुंच से दूर रह सकती है। कुछ मामूली गलतियाँ आपको परेशान कर सकती है। आप अपने कार्यस्थल पर किसी भी विवाद से बचे। आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त नहीं है। हालांकि, ये दिन अपने दोस्तों के साथ आराम करने के लिए काफी ठीक रहेगा।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज आपके मालिक केवल वे सुनेगे जो वे सुनना चाहते हैं और यह स्थिति स्वतंत्र रूप से अपने आप को व्यक्त करने से आपको रोकती है। आपके सहयोगियों ने ऐसी स्थितियों में बहुत अच्छी तरह से आप का समर्थन किया है और ये समय उन लोगों से प्राप्त हुई मदद की सराहना करने का समय है। जब आपके मालिक का मन स्थिर होगा, तब आपके धन प्राप्ति के योग है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज का दिन अपने प्रयासों को तेज करने और अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सबसे अच्छा समय है। आप अपनी परियोजना के सफलतापूर्वक अंतः के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए आप कड़ी मेहनत करेंगे। आपका संकल्प और अच्छे प्रयास बर्बाद नहीं होंगे और आप निकट भविष्य में अच्छे फल की उम्मीद कर सकते है।

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
आपका व्यवहार आज याद रखने योग्य होगा। अपने लाभ के लिए इसका प्रयोग करें। लोगों से मिले एवं उनसे सकरात्मक बातचीत करे।। एक सकारात्मक शरीर की भाषा बनाए रखें। यहाँ से एक नया अवसर अंकुरित हो सकता है। यह एक नई परियोजना शुरू करने के लिए एक अच्छा सप्ताह है। अपने संगठन कौशल को याद रखे और अपने आप को व्यवस्थित रखे।

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
आप अपने कार्यों को पूरा करने के लिए थोड़ा रुकने की जरुरत है एवं आपको कुछ समय निकालने की जरुरत है, ताकि आप अपने अतीत के अनुभवों पर विचार कर सके। आप अपने अतीत का मूल्यांकन करें की किस चीज को आपको बदलने की जरुरत है और किस चीज को ग्रहण करने की जरुरत है ताकि आप अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर सके।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आपके कार्य क्षेत्र का भाग्य आपके साथ चल रहा है और आपके पास काफी परियोजनायें है, फिर भी आज एक नया अवसर आपको मिल सकता है जो की आपके करियर के लिए काफी अच्छा रह सकता है। ये आपके कार्य क्षेत्र में आप पर अधिक जिम्मेदारी डालेगा। आप थोड़ा बदलाव चाहेंगे।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्यों की आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी, हालांकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करे। ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें। आज आपको खर्चो की तुलना में अधिक बचत पर ध्यान देना होगा।

वृश्चिक तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,
आप में अति आत्मविश्वास पैदा होगा क्योकि आपके सारे कार्य बड़ी खूबसूरती के साथ क्रियान्वयन हो रहे है। आज समय है की आप अपना कदम पीछे ले और सोचे की वास्तव में आप के लिए क्या आवश्यक है, उसका मूल्यांकन करे और ध्यान दे की आप अपनी क्षमताओ से क्या हासिल कर सकते हैं। आपको ध्यान रखना है की आपकी जितनी चादर है उतना ही पाव फैलाये।

धनु ये, यो, भा, भी, भू धा, फा, ढा, भे
आज आपके कार्यालय में आपके और औरो के विचारो में भिन्नता रहेगी चाहे वह आपका सहकर्मी, उच्च अधिकारी या आपका मालिक हो चाहे वो कोई भी हो पर निष्चय ही ये आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा इसलिए आपको शांत मस्तिष्क से काम लेना है ताकि आप वाद विवाद से बचे रहे।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप एक लापरवाह और असाधारण अवस्था में रहेंगे। आज के दिन आप किसी पार्टी के आयोजन में आनंद लेंगे और आस पास के व्यक्तियों को प्रभावित भी करेंगे। आज आप ये नहीं सोचेंगे की धन कहा से आ जा रहा है जिसकी वजह से आपके वित्त पर एक नकारात्मक असर पड़ने की संभावना है। हालांकि, आपकी लापरवाही के बावजूद, आपका वित्तीय स्वास्थ्य सही रहेगा।

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त है बशर्ते के आपने उस के लिए पहले से ही कुछ नीतिया बनाई हुई हो। किसी के आग्रह पर निवेश करना से आपको सही फल नहीं मिलेगा किन्तु अगर आप गहराई से अनुसंधान करे तो आप सही निष्कर्ष पर पहुंच सकते है। आपके निवेश आपको लम्बी दुरी के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होगे इसलिए ध्यानपूर्वक स्थिति को समझकर निवेश करे।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
व्यावहारिक स्थिति आज आपको काफी तीव्रता से काम करने के लिए मजबूर कर रही हैं, पर आपका मन अपने परिवार के साथ समय बिताने में अधिक रुचिकर दिखेगा। इसलिए, आपको दक्षता से अपनी दोनों प्रतिबद्धताओं को निभाना होगा। आप अपने काम को नजरअंदाज न करें, हालाँकि आपका मन इधर उधर भागेगा।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

महाराष्ट्र में बागियों के हाथ 'सीएम की कुर्सी'

बीजेपी गठबंधन की 31 सीटों पर सीधा प्रभाव शिंदे-अजित का अंदरूनी खेल

मुंबई, 22 नवंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। पोल ऑफ पोल्स के मुताबिक महाराष्ट्र में महायुति (बीजेपी गठबंधन) की सरकार बनती दिख रही है। 11 एजेंसियों के एग्जिट पोल महायुति को औसत 146 सीटें दे रहे हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में 288 सीटें हैं और बहुमत के लिए 145 सीटें चाहिए। यानी बीजेपी गठबंधन जीत के बॉर्डर पर खड़ा है। हालांकि किसकी सरकार बनेगी और सीएम कौन होगा, इसकी चाबी बागियों के हाथ हो सकती है। बीजेपी के गठबंधन वाली 31 सीटों पर बागी फैक्टर बड़ा है। कितनी सीटों पर किस पार्टी के बागी और इसके पीछे क्या खेल है; इसकी पड़ताल करती रिपोर्ट।

63 सीटों पर बागी मैदान में

राज्य में सत्तारूढ़ गठबंधन 'महायुति' में 3 पार्टियां- बीजेपी, शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित) शामिल हैं। बीजेपी ने 148, शिवसेना (शिंदे) ने 83 और एनसीपी (अजित) ने 52 सीटों पर कैंडिडेट उतारे हैं। इनमें से करीब 31 सीटों पर बागी उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। इसमें 7 सीटें ऐसी हैं जहां ऑफिशियल और रेबेल कैंडिडेट एक ही पार्टी के हैं। जबकि 24 सीटें ऐसी हैं, जहां ऑफिशियल और रेबेल कैंडिडेट एलायंस की अलग-अलग पार्टी के हैं। वहीं कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव) और एनसीपी (शरद) ने विपक्षी गठबंधन 'महाविकास अघाड़ी' बनाया है। 103 सीटों पर कांग्रेस, 96 पर शिवसेना (उद्धव) और 87 पर एनसीपी (शरद) चुनाव लड़ रही हैं। इनमें से 32 सीटों पर एमवीए को बगावत का सामना करना पड़ रहा है। इनमें से 17 सीटें ऐसी हैं, जहां ऑफिशियल और रेबेल कैंडिडेट एक ही पार्टी के हैं। वहीं 15 सीटें ऐसी हैं जहां ऑफिशियल और रेबेल कैंडिडेट एमवीए की अलग-अलग पार्टियों से जुड़े हुए हैं। 288 सीटों वाली महाराष्ट्र विधानसभा में जिसे भी 145 सीटों का जादुई आंकड़ा हासिल होगा। वही सत्ता की कमान संभालेगा। ऐसे में करीब 63 सीटों पर बागियों की मौजूदगी चुनावी खेल बिगाड़ सकती है। महाराष्ट्र में हमेशा से निर्दलीय उम्मीदवारों के जीतने की परंपरा रही है। औसतन 20 से 22 निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव जीतते रहे हैं। इस बार ये नंबर बढ़ सकता है, जिसमें पार्टियों के बागियों का हिस्सा ज्यादा हो सकता है। एंटी-पार्टी एक्टिविटी करने वाले और बागियों के खिलाफ पार्टियों ने कड़ा रुख अपनाया है। बीजेपी ने 37 सीटों के 40 नेताओं को पार्टी से बाहर कर दिया है। जबकि शिवसेना (शिंदे) ने 3 और एनसीपी (अजित) ने 8 नेताओं को पार्टी से बाहर किया है। कांग्रेस ने 28 नेताओं को पार्टी से 6 साल के लिए बाहर कर दिया है। उद्धव ठाकरे ने भी शिवसेना (उद्धव) से 5 नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाया है। टिकट न मिलने से कारण बीजेपी के कई नेता शिवसेना (शिंदे) एनसीपी (अजित) में शामिल हो गए। ऐसे करीब 16 बीजेपी नेताओं को महायुति के अन्य साथियों ने टिकट दिया और चुनावी मैदान में उतारा। इनमें से 12 नेताओं को शिवसेना (शिंदे) ने टिकट दिया। जबकि 4 को एनसीपी (अजित) ने चुनावी लड़ने का मौका दिया।

बागियों की कुछ प्रमुख सीटों की कहानी

बीजेपी से शिवसेना (शिंदे) में शामिल हुए संतोष शेट्टी भिवंडी-पूर्व से और मुरजी पटेल अंधेरी-पूर्व से चुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे नीलेश राणे शिवसेना (शिंदे) की टिकट पर कुडाल-मालवण से चुनाव लड़ रहे हैं। कई सालों तक बीजेपी में रहीं शाइना एनसी को एकनाथ शिंदे ने मुंबादेवी से उतारा है। यहां एमएनएस ने भी अपना उम्मीदवार नहीं दिया है। अजित पवार गुट की ओर से पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले, पूर्व सांसद प्रताप पाटिल चिखलीकर, संजयकाका पाटिल और निशिकांत पाटिल को 'घड़ी' का सिंबल मिला है।

कोल्हापुर सीट पर कांग्रेस ने सांसद मधुरिमा राजे छत्रपति को अपना उम्मीदवार बनाया। लेकिन उन्होंने नॉमिनेशन प्रोसेस बंद होने से कुछ मिनट पहले अपना नाम वापस ले लिया। यानी अब इस सीट पर कांग्रेस का कोई ऑफिशियल कैंडिडेट नहीं है।

कांग्रेस ने अपने पिछले उम्मीदवार राजेश लाटकर की जगह शाही परिवार की बहू मधुरिमा को टिकट दिया था। राजेश भी चुनावी मैदान में हैं और कांग्रेस ने उन्हें सपोर्ट करने का एलान किया है।

माढ़ा सीट पर एनसीपी (शरद) के अभिजीत पाटिल को कैंडिडेट बनाया गया है। वहीं महायुति की ओर से एनसीपी (अजित) की मीनल साठे चुनावी मैदान में हैं। यहां के मौजूदा विधायक और एनसीपी (अजित) के नेता बबनराव शिंदे बेटे के लिए टिकट चाह रहे थे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि माढ़ा सीट पर स्टेटजिकल बागवत हो रही है। दरअसल, यहां शरद पावर का सेंटिमेंट हावी है। 6 बार के विधायक बबनराव शिंदे ने बेटे को निर्दलीय लड़ा कर एंटी-एनसीपी (अजित) सेंटिमेंट को कम किया है।

नागपुर जिले की काटोल पर बीजेपी ने चरणसिंह ठाकुर को उतारा है। वहीं एनसीपी (शरद) की ओर से पूर्व मंत्री अनिल देशमुख के बेटे सलिल देशमुख चुनाव लड़ रहे हैं। इंटरेस्टिंग बात ये है कि एनसीपी (अजित) ने इस सीट पर अनिल शंकरराव देशमुख नाम के व्यक्ति को चुनावी मैदान में उतारा है।

अनिल देशमुख 5 बार काटोल से विधायक रह चुके हैं। इनमें से चार बार उन्होंने 'घड़ी' के सिंबल पर चुनाव जीता है। लेकिन अब ये सिंबल एनसीपी (अजित) को मिल चुका है। यानी काटोल सीट पर अनिल शंकरराव देशमुख 'घड़ी' के सिंबल पर चुनाव लड़ रहे हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि काटोल सीट पर ऐसी कंडीशन में सलिल देशमुख को मिलने वाला वोट शेयर बंट सकता है। महाराष्ट्र में इस बार इतने बागी होने की दो वजहें हैं। पहली- शिवसेना और एनसीपी में टूट होने के बाद इनके दोनों ही गुटों ने बीजेपी और कांग्रेस के साथ एलायंस किया। जब सीट शेयरिंग तय हुई तो कई सीटें आपस में बदल गईं। ऐसे में कुछ सीटों पर टिकट उम्मीद लगाए नेता बागी हो गए। दूसरी वजह- ज्यादातर सीटों पर पार्टियों ने अपने मौजूदा विधायकों को ही टिकट दे दिया।

'बीजेपी ने कुछ सीटें शिवसेना (शिंदे) और एनसीपी (अजित) को दे दी। इससे नाराज स्थानीय नेता बागी हो गए और चुनावी मैदान में आ गए। ठीक ऐसा ही कांग्रेस के साथ हुआ। कांग्रेस ने अपनी सबसे ज्यादा सीटें शिवसेना (उद्धव) को दी। इससे स्थानीय कांग्रेसियों ने बगावत कर चुनाव लड़ रह रहे हैं।' ज्यादातर बागी नेचुरल रेबेल हैं, जो टिकट न मिलने से नाराज हैं। इनमें से कुछ को मैनेज कर लिया गया है। यानी कुछ एमएलसी बन गए होंगे या कुछ को भविष्य के लिए आश्वासन मिला होगा। जो मैनेज नहीं हुए वो अभी भी खड़े हैं। कुछ सीटों पर फ्रेंडली फाइट हो रही है। ऐसी ही एक सीट है मानखुर्द की। यहां एमवीए ने सपा के अबु आजमी और महायुति ने एनसीपी (अजित) के नवाब मलिक को चुनावी मैदान में उतारा है। हालांकि शिवसेना (शिंदे) ने यहां से सुरेश पाटिल को टिकट दिया है। अगर यहां दो मुस्लिम कैंडिडेट्स के बीच में मुस्लिम वोट बंटा तो पहली बार हिंदू विधायक बन सकता है। ऐसे में यहां स्ट्रैटेजिक फ्रेंडली फाइट हो रही है। ऐसी फ्रेंडली फाइट से एलायंस मजबूत हो रहे हैं।'

मुंबई की माहिम सीट पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना चीफ राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे चुनाव लड़ रहे हैं। उन्हें सत्तारूढ़ महायुति का सपोर्ट मिला हुआ है। लेकिन इस समझौते से पहले शिवसेना (शिंदे) ने दादा सरवणकर को टिकट दे दिया था। सरवणकर ने नॉमिनेशन भी दाखिल कर दिया। काफी मान-मनौव्वल के बावजूद उन्होंने नाम वापस लेने से इनकार कर दिया है। राज ठाकरे ने भी कई रैलियों में शिवसेना (शिंदे) और एकनाथ शिंदे को घेरा है। एमएनएस ने मुंबई की 36 में से 25 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं महायुति में बीजेपी ने 10 सीटों और शिवसेना (शिंदे) ने 12 सीटों पर कैंडिडेट उतारे हैं।

इंटरेस्टिंग बात ये है कि राज ठाकरे ने ने कई बीजेपी नेताओं के खिलाफ अपने कैंडिडेट नहीं उतारे हैं। इनमें राहुल नार्वेकर, मंगलप्रभात लोढ़ा, आशीष शेलार, विनोद शेलार और मिहिर कोटेचा का शामिल है। इन्हें डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का करीबी माना जाता है। इसके उलट शिवसेना (शिंदे) की लगभग हर सीट पर राज ठाकरे ने कैंडिडेट उतारे हैं। इसमें दिलीप देवड़ा, तुकाराम काटे, दिलीप लांडे, संजय निरूपम, मनीषा वायकर, अशोक पाटिल, प्रकाश सुर्वे और सुवर्ण राज की सीटें शामिल हैं। सुधीर महाजन कहते हैं, 'इस चुनाव में राज ठाकरे को बीजेपी ने खड़ा किया है। पिछले चुनाव में वो शरद पवार के साथ थे। हालांकि महाराष्ट्र की राजनीति में राज ठाकरे की कोई खास भूमिका नहीं है। अभी चुनाव के दौरान एक्टिव हैं, लेकिन चुनाव खत्म होने के बाद वो कुछ महीनों के लिए नदारद हो जाएंगे।' कुछ सीटों पर स्ट्रेटजिकल बगावत हुई है। इसके तहत महायुति और महाविकास अघाड़ी की पार्टियों ने एक-दूसरे के कैंडिडेट को कमजोर करने के लिए बागी उतारे हैं। पावर गेम और सीएम की कुर्सी को अपनी ओर करने के लिए ऐसा किया जा रहा है।' महायुति में एकनाथ शिंदे की कोशिश होगी कि बीजेपी और एनसीपी (अजित) मिलकर 145 सीटें न जीत पाएं। अगर ऐसा होता है तो शिंदे को एलायंस से बाहर कर दिया जाएगा। ठीक ऐसा ही अजित पवार भी चाहते हैं। शिवसेना (शिंदे) ये भी कोशिश करेगी कि बीजेपी की 100 से ज्यादा सीटें न आएं, जिससे वो सीएम की कुर्सी के लिए प्रेशर बना सके।' महाविकास अघाड़ी में उद्धव ठाकरे भी यही चाहते हैं कि कांग्रेस और एनसीपी (शरद) मिलकर 145 सीटें न जीत पाएं। यही कोशिश शरद पवार की भी है। साथ ही दोनों ही पार्टियां ये नहीं चाहती की कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बने, जिससे सीएम की कुर्सी पर कांग्रेस दावा कर सके। चुनावी नतीजे आने के बाद बागियों और निर्दलियों की भूमिका अहम हो सकती है। शायद 20 साल पुरानी स्थिति भी बन जाए। दरअसल, सुशील कुमार शिंदे के सीएम रहते कई बागियों और निर्दलियों को अहम मंत्रालय मिले थे।

दुर्ग सेंट्रल जेल में बंदी की तबीयत बिगड़ने से मौत

दुर्ग, 22 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग सेंट्रल जेल में लूट के आरोपी की तबीयत बिगड़ गई। हालत गंभीर होने पर रायपुर के मेकाहारा अस्पताल गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। इसके पहले आरोपी के परिजनों और करीब 100 ग्रामीणों ने सुपेला थाने में जमकर बवाल किया था। पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। परिजनों ने पुलिस पर मारपीट के आरोप लगाए हैं।

दरअसल, लूट के मामले में फरीद नगर स्थित बस्ती से पिंटू नेताम को गिरफ्तार किया गया था। बुधवार को दुर्ग सेंट्रल जेल में आरोपी की तबीयत बिगड़ने पर उसे रायपुर मेकाहारा में भर्ती कराया गया था। उसकी हालत नाजुक बनी हुई थी। गुरुवार को उसने दम तोड़ा है। ब्रेन स्ट्रोक से जान गई है। बंदी की मौत के बाद भिलाई नगर सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि आरोपी पिंटू नेताम 18 अक्टूबर से केंद्रीय जेल दुर्ग में बंद था। उसे पहले से मिर्गी के झटके आने की शिकायत भी थी। गिरफ्तारी के 28 दिन बाद 15 नवंबर को अचानक उसका ब्लड प्रेशर लो हो गया।

जिला अस्पताल दुर्ग में एडमिट कराया गया। तबीयत में सुधार के बाद 17 नवंबर को केंद्रीय जेल दुर्ग वापस भेज दिया गया।

सीएसपी ने बताया कि 18 नवंबर को उसका ब्लड प्रेशर फिर लो हो गया। जेल प्रशासन ने मेकहारा अस्पताल रायपुर में एडमिट कराया। जहां डॉक्टर्स ने ब्रेन स्ट्रोक के कारण उसका ब्लड प्रेशर लो होना और ब्रेन में ऑक्सीजन सप्लाई कम होने के कारण आईसीयू में भर्ती किया। जहां इलाज के दौरान 21नवंबर को उसकी मौत हो गई।

सीएसपी ने बताया कि जेल अभिरक्षा के दौरान उससे मारपीट या उत्पीड़न जैसी कोई घटना नहीं हुई है। कानून व्यवस्था की स्थिति खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पर बेबुनियाद आरोप लगाए जा रहे हैं। विचाराधीन बंदी की मौत की मजिस्ट्रियल जांच शुरू की जा रही है। दरअसल, बुधवार को लूट के आरोपी पिंटू नेताम के परिजन और बस्ती के लोगों ने थाने का घेराव कर दिया। तीन थानों के टीआई और बड़ी संख्या में पुलिस बल के मौजूद रहने के बाद भी डेरा बस्ती के लोग पीछे हटने का नाम नहीं ले रहे थे। इस दौरान समझाने के बाद भी जब लोग नहीं माने तो पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

पुलिस के मुताबिक वह लोगों को समझाने की कोशिश करती रही, लेकिन वह कुछ भी सुनने को तैयार ही नहीं थे।

पुलिस के मुताबिक आरोपी की तबीयत बिगड़ने के बारे में सेंट्रल जेल प्रबंधन जानकारी देगा, लेकिन परिजन पुलिस पर ही मारपीट का आरोप लगाकर विरोध करते रहे।

समर्थन मूल्य में धान नहीं बेच पा रहे किसान

खसरा बी वन का ऑनलाइन रिकॉर्ड नहीं होने के कारण जीपीएम के किसानों को हो रही समस्या

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, 22 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश भर में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी चल रही है। लेकिन इस बीच गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही के तिलोरा गांव सहित आस-पास के किसानों के एक सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है, ये किसान रकबा में कटौती और ऑनलाइन खसरा बी वन की एंट्री दर्ज नहीं हो पाने के कारण धान बेचने में असमर्थ हैं। जबकि पहले ये किसान अपने पट्टे में समर्थन मूल्य पर धान बेचते थे। इस संबंध में शिकायत लेकर सैकड़ों किसान कलेक्टर कार्यालय पहुंचे।

भालू के अटैक का वीडियो

बीच बाजार दौड़कर युवक को मारा झपट्टा कुछ दिन पहले कोर्ट परिसर में भी घुसा था

कांकेर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में भालू शहर में घुस गया। आईसीआईसीआई बैंक के सामने भालू ने अचानक एक व्यक्ति पर हमला कर दिया, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि हमले में युवक बाल-बाल बच गया, लेकिन इलाके में दहशत का माहौल है। मामला कांकेर थाना क्षेत्र का है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि सड़क से करीब 10 मीटर की दूरी पर एक युवक खड़ा है। पीछे से भालू तेजी से दौड़ते हुए आता है। अचानक झपट्टा मारता है, लेकिन वह युवक को घायल नहीं कर पाता। युवक के आवाज करते ही भालू भाग जाता है। हमले का ये वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हमारे इलाके में भालुओं का आतंक जारी है। कभी भी शहरी इलाके में आ जाते हैं। सड़कों पर घूमते देखे जाते हैं। हमेशा डर का माहौल बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भोजन की तलाश में जानवर लगातार शहरी इलाकों का रुख कर रहे हैं। इस तरह की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रशासन और वन विभाग से इस समस्या का जल्द समाधान निकालने की मांग किए हैं। वहीं सूचना के बाद वन विभाग अलर्ट मोड पर है। लोगों से सतर्क रहने की सलाह दी है। वहीं 6 नवंबर को कांकेर शहर के बीचों-बीच बने जिला न्यायालय परिसर में एक भालू घुस आया, जिससे वहां हड़कंप मच गया। सरकारी वकील के दफ्तर के पीछे झाड़ियों में छुपकर सो रहा था। कोर्ट परिसर में शोरगुल के बीच भालू भाग गया था। कांकेर में जंगली जानवर जैसे हाथी, तेंदुआ, और भालू आदि दिखाई देते हैं। इसके पहले अक्टूबर में कांकेर के चनार गांव के पास एक तेंदुआ सड़क पर घूमते देखा गया था। उस समय कुछ कार सवार युवकों ने इसका वीडियो अपने मोबाइल में कैद किया था, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था।

हथियार के साथ एक गिरफ्तार

बैंक लूट के असफल प्रयास के आरोपियों की निशानदेही पर हुई गिरफ्तारी, एक सिक्सर भी बरामद

पलामू, 22 नवंबर (एजेंसियां)। 23 अक्टूबर बैंक लूट में प्रयुक्त हुए हथियारों के मिलने के बाद सदर थाना पुलिस ने गुरुवार को सिंगरा (डाल्टनगंज) के रहने वाले लव शुक्ला को जेल भेज दिया है। लव शुक्ला के घर से बुधवार को एक सिक्सर, तीन देशी कट्टा और तीन जिन्दा कारतूस पुलिस को मिला था। बरामद आर्म्स के दम पर अपराधियों ने एक माह पहले गढ़वा जिला के नगर ऊंटारी थाना क्षेत्र में स्थित झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक को लूटने का प्रयास किया था।

इस कांड के खुलासा के दौरान नगर ऊंटारी थाना की पुलिस ने उत्तर प्रदेश के गोण्डा जिला के बनकसिया निवासी दिव्यांश शुक्ला उर्फ सुरज शुक्ला (24) और गढ़वा के धुरकी निवासी पंकज पासवान (30) को गिरफ्तार किया। दोनों अपराधियों ने पूछताछ के दौरान सिंगरा के लव शुक्ला के पास हथियार छिपाए जाने की जानकारी पुलिस को दी। लव शुक्ला इसके पूर्व हत्या के मामले में जेल जा चुका है। जेल में ही यूपी के अपराधी दिव्यांश शुक्ला के साथ जान-पहचान हुई और दिव्यांश का इसके घर आना-जाना था। बैंक लूट की कोशिश में असफल होने के बाद आर्म्स रखने दिव्यांश लव शुक्ला के घर आया था। लव शुक्ला ने हथियार घर के बगल में झाड़ी में छिपाकर रखा था। नगर ऊंटारी थाना के प्रभारी आदित्य कुमार नायक दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर साथ लेकर पलामू पहुंचे थे।

महाराष्ट्र बिटकॉइन घोटाला, बीजेपी बोली- गौरव मेहता-बघेल में क्या संबंध

सवाल पर भड़के भूपेश, कहा- मानहानि का केस करूंगा, छत्तीसगढ़ में कार्रवाई जारी

रायपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में 6600 करोड़ के बिटकॉइन घोटाले के मामले में रायपुर में ईडी की कार्रवाई जारी है। वहीं दूसरी तरफ इस पर सियासी वार-पलटवार का भी दौर शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ कनेक्शन सामने आने के बाद बीजेपी ने गौरव मेहता और भूपेश बघेल के संबंध पर सवाल उठाए हैं। गौरव मेहता वहीं हैं जिनके यहां ईडी ने छापा मारा है। वहीं बीजेपी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस पर कई आरोप लगाए। इस पर भूपेश बघेल ने भी सख्त लहजे में कहा कि, अगर इस तरह की बातें होती है तो मैं उन पर मानहानि का दावा करूंगा। बघेल ने कहा कि, गौरव मेहता हैं कौन? मैं इन्हें नहीं जानता, जो भी लोग इनके साथ

मेरा नाम जोड़ रहे हैं, उनके खिलाफ मानहानि का नोटिस भी भेजूंगा। दूसरी बात यह है कि बिटकॉइन केंद्र सरकार से जुड़ा विषय है। उसमें छत्तीसगढ़ सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं था। इसलिए, वो अपनी गलती छिपाने के लिए बेवुनियाद आरोप न लगाएं। दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बीच हो रही इस कार्रवाई से दो दिन पहले पुणे के पूर्व आईपीएस अधिकारी रवींद्र नाथ पाटिल ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बिटकॉइन घोटाले का पैसा इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया था कि गौरव मेहता ने सुप्रिया सुले और नाना पटोले से संपर्क किया था। चुनाव में इस्तेमाल के लिए घोटाले से बिटकॉइन के बदले नकदी मांगी थी। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रायपुर निवासी गौरव मेहता क्रिप्टोकरेंसी और बिटकॉइन में निवेश की कंसल्टेंसी देने वाली कंपनी का मालिक है। इस कंपनी का नाम काटेक्स था। गौरव मेहता की शिक्षा रायपुर के होली क्रॉस स्कूल से हुई है। वो रायपुर के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) का भी छात्र रहा है। पुणे के पूर्व आईपीएस अधिकारी के बयान के बाद भाजपा ने मंगलवार रात प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने डीलर, अमिताभ गुप्ता, सुप्रिया सुले, नाना पटोले की बातचीत का ऑडियो शेयर किया। उन्होंने पूछा था कि डीलर जिनकी बात कर रहा है, वे बड़े लोग कौन हैं?

7 लाख रुपए के अफीम के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

पलामू, 22 नवंबर (एजेंसियां)। डाल्टनगंज रेलवे स्टेशन से साढ़े सात लाख रुपए के अफीम के साथ तीन तस्करों को रेलवे सुरक्षा बल ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई ऑपरेशन नारकोश के तहत की गई। गिरफ्तार अफीम तस्कर ज्ञांती देवी (55), नागेन्द्र पासवान (26) और विरेन्द्र साव (40) तरहसी थानाक्षेत्र के गोइंदी गांव के रहने वाले हैं। डेढ़ किलो अफीम लेकर तीनों चंडीगढ़ पहुंचाने जा रहे थे। लंबे समय से तीनों इस नशे के कारोबार से जुड़े हुए हैं। एक माह पहले भी तीनों ने अफीम की खेप चंडीगढ़ पहुंचाई थी। नशे के ये कारोबारी ट्रेन बदल-बदल कर चंडीगढ़ जाते हैं। चंडीगढ़ के अफीम तस्कर के लिए ये हैंडलर का काम करते हैं। रेल पुलिस को पूछताछ में उन्होंने पलामू से पंजाब तक अफीम तस्करी के नेटवर्क की जानकारी दी है। गुरुवार को गांव से अफीम लेकर तीनों डाल्टनगंज रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। पैसेंजर ट्रेन से इन्हें बनारस जाना था। बनारस से दूसरी ट्रेन पकड़कर आगे जाते।

रेलवे सुरक्षा बल के गढवा रोड पोस्ट निरीक्षक प्रभारी बनारसी यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम स्टेशन पर गश्ती पर थी। इन्हें अफीम लेकर जाने की जानकारी मिली। प्लेटफॉर्म नंबर एक पर तीनों तस्कर ट्रेन के इंतजार में थे। सुरक्षा बलों ने इनके बैग की तलाशी ली तो अफीम मिला। इसकी अनुमानित कीमत साढ़े सात लाख रुपए है।

मेडिकल संचालक ने दर्द का इंजेक्शन लगाया, हॉस्टल वॉर्डन की मौत

बलरामपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में गलत इलाज से महिला की जान चली गई। हॉस्टल अधीक्षिका गायत्री मिंज पाइल्स की बीमारी से पीड़ित थीं। इलाज के लिए वे अपने पति के साथ शंकरगढ़ के लक्ष्मी मेडिकल स्टोर पहुंचीं। यहां मेडिकल संचालक अशोक बंगाली ने महिला को दर्द का इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन लगाने के तुरंत बाद 40 साल की गायत्री मिंज के हाथ-पैर में सूजन होने लगी। गंभीर हालत को देख परिजनों ने उन्हें अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज ले जाने का फैसला किया लेकिन रास्ते में ही महिला की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, जिले के शंकरगढ़ लक्ष्मी मेडिकल स्टोर में बिना किसी योग्य डॉक्टर के मरीजों का इलाज किया जा रहा था। गायत्री मिंज, पति के साथ बुधवार शाम यहां इलाज के लिए पहुंची थीं। मेडिकल संचालक ने डॉक्टर के बजाय खुद ही उसे इंजेक्शन लगाया, जो महिला की मौत का कारण बना।

मृतिका के परिजनों ने घटना की शिकायत शंकरगढ़ थाने में दर्ज कराई है। घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग भी एक्टिव हो गया है। विभाग ने मेडिकल संचालक अशोक बंगाली के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

शहजाद सुसाइड केस, भतीजा बोला- 27 घंटे थाने में बैठाया

रायपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर के सैलानी नगर निवासी शहजाद की आत्महत्या के बाद परिजनों ने थाने के बाहर शव रखकर करीब तीन घंटे तक प्रदर्शन किया। थाने का घेराव करने पहुंची भीड़ में जमकर चर्चा थी कि थाने में टीआई जाओ के पास कोई शिकायत लेकर जाओ तो वे सिपाही महेश के पास ही भेजते हैं। वह ज्यादातर समय थाने के पीछे अलग से बने कमरे में बैठता है और वहीं केस निपटाता है। मामले में चर्चा के दौरान शहजाद के भतीजे हाशमी शेख ने बताया कि चाचा शहजाद, उनके बेटे और मुझे 27 घंटे तक थाने में बैठाकर रखा। झूठे आरोप लगाए गए। सिपाही महेश ने कोर्ट में हमसे 5 हजार रुपए मांगे और बाद में 15 हजार रुपए की मांग की, फिर कहा डेढ़ लाख रुपए और लगेंगे। इसी टेंशन में आकर चाचा शहजाद ने खुदकुशी की।

शहजाद के बेटे का 6 नवंबर को निजाम, विक्की और लक्की के साथ किसी बात पर विवाद हुआ था। रात तकरीबन 11 बजे तीनों आरोपियों ने शहजाद के बेटे सैफ को टैगोर नगर के पास रोका और उसके साथ लात घूंसे और रॉड से मारपीट की। सैफ अपने पिता के साथ कोतवाली थाने गया वहां उन्होंने मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई। इस मामले में बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया और केस खारिज कर दिया गया। 16 नवंबर को साजिद अली ने शहजाद, उसके बेटे सैफ और हाशिम के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया। पुलिस ने तीनों को अगले दिन यानी 17 नवंबर को हिरासत में लिया। उसके बाद 27 घंटे थाने में रखा। परिवार के लगातार दबाव के बाद पुलिस ने 19 नवंबर की रात शर्त के साथ छोड़ा कि अगले दिन आप आएंगे। उसके बाद से शहजाद बेहद तनाव में था। उसे बार-बार ये धमकी दी जा रही थी कि उसके खिलाफ ऐसा केस बनाया जाएगा कि जमानत नहीं मिलेगी। उसी डर से शहजाद ने खुदकुशी कर ली।

एएसपी वेस्ट दौलत राम पोर्ते ने बताया शहजाद और उसके बेटे पर केस दर्ज करने में थाने के सिपाही महेश नेताम की भूमिका की जांच भी की जा रही है।

होटवार जेल से प्लानिंग कर करवाई थी जमशेदपुर में फायरिंग

गोलमुरी फर्नीचर शोरूम और बिरसानगर कोचिंग सेंटर पर चलाई थी गोली, दो गिरफ्तार

जमशेदपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर में 9 सितंबर को गोलमुरी फर्नीचर शोरूम और बिरसानगर कोचिंग सेंटर के बाहर फायरिंग मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि होटवार जेल में बंद दो सजायाफ्ता अपराधियों ने इन घटनाओं की साजिश रची थी।

पकड़े गए आरोपियों में बर्मामाइंस ईस्ट प्लांट बस्ती निवासी जे. राहुल और राहुल कुमार सिंह शामिल हैं। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल देसी कट्टा, चार गोलियां और चोरी की बाइक बरामद की है।

सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने

जानकारी दी कि यह फायरिंग की घटनाएं 9 सितंबर को बिरसानगर के एचबीसीएसआई कोचिंग सेंटर और 13 अक्टूबर को गोलमुरी के शर्मा फर्नीचर शोरूम के बाहर हुई थीं। जांच में खुलासा हुआ कि होटवार जेल में बंद दो सजायाफ्ता अपराधी हीरा हत्याकांड के दोषी प्रकाश मिश्रा और उपेंद्र सिंह हत्याकांड के दोषी सोनू सिंह ने इन घटनाओं की साजिश रची थी।

सोनू सिंह जेल में रहते हुए कारोबारियों से नयन सिंह नाम के एक काल्पनिक किरदार के जरिए रंगदारी मांगता था। रंगदारी देने से इनकार करने पर फायरिंग की गई। गिरफ्तार आरोपी राहुल सिंह, सोनू सिंह का भाई है और जेल में बंद सोनू तक मोबाइल और सीम पहुंचाने का काम करता था। घटना में उपयोग की गई बाइक 16 अगस्त को साकची के संजय मार्केट से चोरी की गई थी। पुलिस ने बताया कि दोनों गिरफ्तार आरोपी पहले भी जेल जा चुके हैं।

रूस ने यूक्रेन पर बैलिस्टिक मिसाइल दागकर टेस्टिंग की

पुतिन की पश्चिमी देशों को धमकी- यूक्रेन के मददगारों पर हमला करेंगे

मॉस्को, 22 नवंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन पर मिसाइल हमले के कुछ ही घंटे बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अचानक देश के नाम संबोधन दिया। रॉयटर्स के मुताबिक उन्होंने कहा कि पश्चिमी हमले के जवाब में रूस ने 'नई' इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल की टेस्टिंग की है। पुतिन ने कहा कि हमें उनके खिलाफ हमला करने का अधिकार है, जो हम पर हमला करते हैं। पुतिन ने मिसाइल का नाम 'ओरेश्निक' बताया। उन्होंने कहा कि यह स्पीड 2.5 से 3 किमी प्रति सेकेंड की रफ्तार से टारगेट पर हमला करता है। पुतिन ने पश्चिमी देशों को चेतावनी दी कि मॉस्को यूक्रेन की मदद करने वाले किसी भी देश के सैन्य ठिकानों पर हमला कर सकता है। रूस ने गुरुवार की सुबह यूक्रेन के निप्रो शहर पर घातक मिसाइल से हमला किया था। इसे लेकर यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने दावा किया था कि रूस ने इंटरकॉन्टिनेंटल मिसाइल (आईसीबीएम) से हमला किया है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने कल ही जेलेंस्की के दावे को खारिज कर दिया था। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि यूक्रेन जंग अब वैश्विक संघर्ष में तब्दील हो रही है।

पुतिन ने कहा कि पश्चिमी देश यूक्रेन को लंबी दूरी के मिसाइलों का रूसी जमीन पर इस्तेमाल करने की अनुमति देकर इस संकट को और बढ़ा रहे हैं। पुतिन ने अपने कहा कि रूस, अगर हाइपरसोनिक हथियारों का इस्तेमाल करता है तो वह हमले से पहले वहां के लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए चेतावनी जारी करेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम रूसी मिसाइलों को रोकने में कभी कामयाब नहीं होंगे।

4 दिन में रूस-यूक्रेन जंग में क्या-क्या हुआ?

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइल- आर्मी टेक्टिकल मिसाइल सिस्टम (एटीएसीएमएस) इस्तेमाल करने की इजाजत दी। अमेरिका ने यूक्रेन को अक्टूबर 2023 में ही ये हथियार दिया था, लेकिन उसे इसका इस्तेमाल सिर्फ अपनी जमीन पर करने की अनुमित मिली हुई थी।

रूस-यूक्रेन के पड़ोसी देश नॉर्वे, फिनलैंड और डेनमार्क ने अपने नागरिकों के लिए अलर्ट जारी किया। इन देशों ने पर्चे बांटकर अपने नागरिकों को युद्ध को लेकर आगाह किया। इसके अलावा जरूरी सामानों का स्टॉक रखने और अपने सैनिकों को जंग के लिए तैयार रहने के लिए कहा। बाइडेन सरकार के रजामंदी मिलते ही यूक्रेन ने पहली बार अमेरिका से मिली लंबी दूरी की 6 एटीएसीएमएस मिसाइलें रूस के ब्रियांस्क इलाके में दागीं। रूस ने 5 मिसाइलों को मार गिराने का दावा किया था।

पुतिन ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की इजाजत देने से जुड़े एक फैसले को मंजूरी दी। नए नियम के मुताबिक अगर कोई देश जिसके पास परमाणु हथियार नहीं हैं, अगर वो किसी न्यूक्लियर पावर वाले देश के सपोर्ट से रूस पर हमला करता है तो इसे रूस के खिलाफ जंग का ऐलान समझा जाएगा। ऐसी स्थिति में मॉस्को न्यूक्लियर हथियार का इस्तेमाल कर सकता है।

सैनिक भेजने के बदले रूस ने उत्तर कोरिया को एंटी-एयर मिसाइलों की आपूर्ति की

शीर्ष अधिकारी का दावा

सिओल, 22 नवंबर (एजेंसियां)। रूस ने उत्तर कोरिया को एंटी-एयर मिसाइल और अन्य हथियारों की आपूर्ति की है, बदले में उत्तर कोरिया ने अपने सैनिक भेजे हैं। उत्तर कोरिया ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मदद के लिए अपने 10 हजार से अधिक सैनिक रूस भेजे हैं।

दक्षिण कोरिया के एक शीर्ष अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा निदेश शिन वोंसिक ने शुक्रवार को एक टीवी कार्यक्रम में बताया कि रूस ने उत्तर कोरिया की वायु रक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए उसे एंटी-एयर मिसाइलों और अन्य उपकरणों की आपूर्ति की है। शिन के मुताबिक, रूस ने उत्तर कोरिया को आर्थिक मदद भी दी है। सिओल और वॉशिंगटन को इस बातवेद की चिंता है कि रूस अपनी संवेदनशील परमाणु और मिसाइल तकनीक भी उत्तर कोरिया को हस्तांतरित करता है।

कंगाल हो रहा ट्रूडो का कनाडा

बच्चों को खाना देने के लिए अपना पेट काट रहे 25% माता-पिता, रिपोर्ट में खुलासा

ओटावा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जस्टिन ट्रूडो के राज में कनाडा बहुत बड़े आर्थिक संकट से गुजर रहा है। यह संकट कितना बड़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि कनाडा में रहने वाले 25% माता-पिता अपने बच्चों को पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराने के लिए अपने भोजन में कटौती कर रहे हैं। एक संगठन की रिपोर्ट में ये सामने आया है कि कनाडा के लोग घर, नौकरी और मुद्रास्फीति के मामले में सबसे खराब संकट का सामना कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि चार में से एक माता-पिता अपने बच्चे को अच्छी तरह से भोजन देने के लिए अपना पेट काट रहे हैं। गैर लाभकारी संगठन साल्वेशन आर्मी ने 21 नवम्बर को अपनी रिपोर्ट जारी की है। इसके अनुसार, 90 प्रतिशत से अधिक लोगों ने कहा है कि उन्होंने दूसरी प्राथमिकताओं के लिए पैसे बचाने के लिए किराने के सामान पर खर्च कम कर दिया है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है, जब कनाडा में लोगों की क्रय शक्ति कम हुई है। इस समस्या को कम करने के लिए ट्रूडो सरकार के कुछ आवश्यक वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में छूट की घोषणा करने की उम्मीद है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब कनाडा में फूड बैंकों को कमी का सामना करना पड़ रहा है। उनमें से कुछ ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों को वापस भेजने का फैसला किया है, जिनमें भारतीय भी शामिल हो सकते हैं।

देश में कई लोगों के लिए आवश्यक वस्तुओं पर समझौता किए बिना गुजारा मुश्किल हो गया है। यह रिपोर्ट जस्टिन ट्रूडो के लिए बुरी खर है। खासतौर पर जब कनाडा में साल भर के भीतर चुनाव होने वाले हैं। कनाडाई मीडिया आउटलेट सीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, माता-पिता गुजारे के खर्च से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

साल्वेशन आर्मी के प्रवक्ता जॉन मरे ने कहा, 'वास्तविकता यह है कि कई कनाडाई लोगों को अपने लिए और सबसे महत्वपूर्ण बात अपने बच्चों के लिए अपनी दैनिक बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में परेशानी हो रही है। यह देश में एक बड़े संकट का संकेत है।' रिपोर्ट के अनुसार, सर्वेक्षण में शामिल 24% माता-पिता ने कहा कि उन्होंने अपने बच्चों को खिलाने के लिए अपने भोजन की खपत कम कर दी है।

छत्तीसगढ़ में ठंड से पहली मौत

अंबिकापुर में दुकान के सामने मिली लाश, सरगुजा संभाग में चल रही है शीतलहर, मैनपाट में 6 डिग्री पारा

रायपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में बीती रात ठंड से एक शख्स की मौत हो गई। आशंका है कि नशे की हालत में दुकान के सामने सो गया था। सरगुजा संभाग में ठंड से ये पहली मौत है। प्रदेश में 11 साल बाद नवंबर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सरगुजा संभाग के सभी जिले शीतलहर की चपेट में हैं। सामरी, मैनपाट, बलरामपुर में न्यूनतम तापमान 6 से 8 डिग्री के बीच पहुंच गया है। प्रदेश के मैदानी इलाकों में दुर्ग सबसे ठंडा है। यहां रात का पारा 12.9 डिग्री तक गिर गया है। जो सामान्य से 4.5 डिग्री कम है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक न्यूनतम तापमान स्थिर रहने के संकेत दिए हैं। यानी ठंड बनी रहेगी। नवंबर का दूसरा पखवाड़ा ठंड के लिहाज से अच्छा है। पिछले दो-तीन दिनों से प्रदेश के सभी हिस्सों में ठंड बढ़ गई है। बलरामपुर गुरुवार को सबसे ठंडा रहा। यहां रात का पारा 8.9 डिग्री रहा जो सामान्य से 3.7 डिग्री कम था। वहीं पेंड्रा रोड में 10.8 डिग्री पारा रहा जो सामान्य से 3.4 डिग्री कम था। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक यहां शीतलहर जैसे हालात हैं। जिले में सुबह और रात के साथ ही दिन में भी तापमान में गिरावट आई है। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, दोपहर में अधिकतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

यह सीजन का सबसे कम तापमान है। ठंड से बचने लोग अब रात में अलाव का सहारा ले रहे हैं। सुबह और रात में ठंड कंपकंपाने लगी है। सुबह से लोग धूप सेंकते नजर आ रहे हैं। वहीं, रात में गर्म कपड़ों के साथ अलाव भी जला रहे हैं।

नेतन्याहू पर पश्चिमी देश बंटे, कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट जारी होने पर अमेरिका नाराज

ब्रिटेन, इटली और कनाडा बोले- हमारे यहां आए तो गिरफ्तार करेंगे

तेल अवीव, 22 नवंबर (एजेंसियां)। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू पर अंतरराष्ट्रीय क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) के लगाए वॉर क्राइम के आरोपों और अरेस्ट वारंट पर पश्चिमी देश आपस में बंट गए हैं। अमेरिका ने गिरफ्तारी वारंट को मानने से इनकार कर दिया है। वहीं ब्रिटेन, कनाडा, नीदरलैंड और इटली ने कहा है कि अगर नेतन्याहू उनके देश आते हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इस बीच अमेरिका ने आईसीसी के आदेश को मानने ने इनकार किया है। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरीन जीन पियरे कोर्ट के फैसले लेने के तरीके पर सवाल उठाए हैं और इसे 'जल्दबाजी' बताया है। अमेरिका आईसीसी का मेंबर देश नहीं है।

यूरोपीय देश बोले- हमास और इजराइल एक जैसे नहीं, फिर भी आईसीसी का फैसला मानेंगे

इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसिटो ने कहा कि उनका देश आईसीसी के नियमों को मानेगा। उन्होंने कहा कि वे आईसीसी के इस आरोप से इनकार करते हैं कि हमास और इजराइल एक जैसे हैं, लेकिन फिर भी अगर नेतन्याहू इटली आते हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। हम नियमों से बंधे हुए हैं। आईसीसी का सदस्य होने के नाते ब्रिटेन ने भी कहा है कि वो नेतन्याहू को अपनी धरती पर अरेस्ट करेगा। हालांकि पीएम ऑफिस के प्रवक्ता ने कहा है कि नेतन्याहू और हमास के बीच नैतिक समानता नहीं है। इजराइल को खुद को डिफेंड करने का अधिकार है।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि आईसीसी के सदस्य होने के नाते वे नियमों का पालन करेंगे। नीदरलैंड के विदेश मंत्री कैस्पर वेल्डकैम्प ने कहा कि वे नियमों का 100% पालन करेंगे और नेतन्याहू के डच जमीन पर पैर रखते ही उन्हें गिरफ्तार कर लेंगे। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिमिनल कोर्ट के उन पर और पूर्व रक्षा मंत्री योव गैलेंट पर लगे आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए खारिज किया है। उन्होंने कोर्ट के जजों पर पक्षपात के आरोप लगाए हैं। नेतन्याहू ने कहा है कि आईसीसी संवैधानिक तौर पर चुने गए प्रधानमंत्री पर गलत आरोप लगा रहा है। हम आम लोगों को टारगेट नहीं कर रहे। हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि जनहानि टाली जाए।

इजराइली पीएम ने अपना बचाव करते हुए हमास पर आम लोगों की जान खतरे में डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि इजराइल गाजा के लोगों को खतरे की चेतावनी देने के लिए लाखों कॉल, मैसेज, अनाउंसमेंट करता है और पर्चे फेंकता है। जबकि हमास के लड़ाके उन्हें खतरे में डालते हैं। उन्हें ह्यूमन शील्ड की तरह इस्तेमाल करते हैं। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने गुरुवार को अरेस्ट वारंट जारी किया था। अदालत ने नेतन्याहू को गाजा में युद्ध अपराध (वॉर क्राइम) और मानवता के खिलाफ अपराध के लिए आरोप तय किए। आईसीसी ने माना कि हमास को मिटाने की आड़ में इजरायली सेना निर्दोषों का कत्ल कर रही है और उन्हें मरने के लिए छोड़ रही है। इस मामले में हमास के पूर्व कमांडर मोहम्मद दाइफ के खिलाफ भी वारंट जारी हुआ है।

अपराधियों ने कार, बोलेरो और ट्रैक्टर में लगाई आग

टायर फटने की आवाज पर लोग पहुंचे मौके पर, घटनास्थल से मिली पर्ची

गुमला, 22 नवंबर (एजेंसियां)। गुमला में गुरुवार की देर रात अपराधियों ने कार, बोलेरो और ट्रैक्टर में आग लगा दी। घटनास्थल पर एक पर्ची मिली, जिसमें इस घटना के जिम्मेवार हम हैं, संजू उर्फ मंजू और मोबाइल नंबर लिखा हुआ है। दोनों ही घटना अलग-अलग जगहों पर की गई। इधर, घटना की सूचना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पहली घटना घाघरा थाना क्षेत्र के चपका में एनएच से कुछ ही दूरी पर महेश साहू के घर के पास हुई। यहां महेश की ऑल्टो कार घर के बाहर खड़ी थी। अपराधियों ने पुआल के सहारे कार को आग के हवाले कर दिया। आग लगने के बाद जब टायर ब्लास्ट किया, तब परिजनों को घटना की जानकारी हुई। इसके बाद कार में लगी आग को बुझाने का प्रयास किया गया। दूसरी घटना रन्हे गॉव में हुई। यहां बोलेरो और ट्रैक्टर को पुआल व डीजल के सहारे आग के हवाले कर दिया गया। ट्रैक्टर मालिक जगेश गोप के घर के बाहर बोलेरो और ट्रैक्टर रोज की तरह खड़ी थी, जिसे अपराधियों ने निशाना बनाया। घर वालों ने बताया कि टायर के ब्लास्ट होने के बाद उनकी नींद खुली।

इसके बाद बालू और पानी के सहारे आग को बुझाया गया। घटनास्थल से एक पर्ची मिली, जिसमें घटना की जिम्मेवारी ली गई है। बोलेरो गुमला निवासी चंदन गुप्ता की है, जो जिओ कंपनी में किराए पर चलती है। इधर, एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने कहा कि हर पहलुओं पर पुलिस जांच कर रही है।

सऊदी अरब ने इमरान खान को सत्ता से हटवाया

पीटीआई नेता की पत्नी बुशरा बीबी का दावा, पूर्व आर्मी चीफ बाजवा का भी लिया नाम

इस्लामाबाद, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई संस्थापक इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने सऊदी अरब पर उनके पति के खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया है। एक दुर्लभ वीडियो संदेश में बुशरा बीबी ने साल 2022 में इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार को हटाने में सऊदी अरब की भूमिका की बात कही है। वीडियो संदेश में बुशरा बीबी ने पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा का भी नाम लिया है। बुशरा बीबी के वीडियो बयान को पाकिस्तान तहरीक के इंसाफ के आधिकारिक एक्स हैंडल से शेयर किया गया है। इमरान खान की सऊदी अरब की धार्मिक यात्रा का जिक्र करते हुए बुशरा बीबी ने आरोप लगाया कि जब पूर्व प्रधानमंत्री मदीना 'नंगे पांव' गए तो जनरल बाजवा को फोन आने शुरू हो गया था। इमरान खान की पत्नी ने सऊदी अधिकारियों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने इमरान के वहां पहुंचने पर नाराजगी जताई थी। उन्होंने दावा किया कि सऊदी अधिकारियों ने बाजवा से कहा कि 'ये अपने साथ किस आदमी को उठा लाए हो, हम इस मुल्क में शरीयत का निजाम खत्म करना चाहते हैं और तुम शरीयत के ठेकेदारों को उठा लाए हो। हम ऐसे आदमी को नहीं चाहते।' उन्होंने आगे कहा कि इसके बाद से उन्होंने हमारे खिलाफ 'बदनामी का अभियान शुरू कर दिया और इमरान को यहूदी एजेंट करना शुरू कर दिया।' बुशरा बीबी ने वीडियो संदेश में पीटीआई समर्थकों से 24 नवम्बर को इस्लामाबाद में होने वाले विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पीटीआई संस्थापक ने संदेश भेजा है कि सभी 24 नवम्बर के विरोध प्रदर्शन में शामिल होना चाहिए। 'किसी भी हालत में तारीख नहीं बदली जाएगी।' उन्होंने कहा कि जब तक इमरान खान खुद बाहर आकर ऐलान नहीं करते, 24 नवम्बर के धरने की तारीख नहीं बदली जाएगी। पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल (रिटा.) कमर जावेद बाजवा ने सऊदी अरब के बारे में बुशरा बीबी के दावों का खंडन किया है और उनके बयान को 100% झूठा कहा है। खास बातचीत में बाजवा ने बुशरा बीबी के आरोपों को खारिज करते हुए इस बात पर जोर दिया कि कोई भी देश ऐसे दावे नहीं करेगा।

चीन में मिला सोने का विशाल भंडार

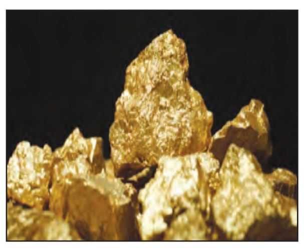

बीजिंग, 22 नवंबर (एजेंसियां)। चीन में सोने का विशाल भंडार खोजा गया है। यह भंडार हुनान प्रांत के मध्य में स्थित है। इस खोज की जानकारी हुनान प्रांत के भूविज्ञान ब्यूरो ने दी है। इस भंडार में लगभग 82.8 बिलियन डॉलर मूल्य के सोने के दबे होने की उम्मीद है। भारतीय मुद्रा में इसकी कीमत 69,30,62,36,00,000 रुपये से भी ज्यादा है। चीन पहले से ही दुनिया का सबसे बड़ा सोना उत्पादक है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में वैश्विक सोने के उत्पादन में चीन का योगदान लगभग 10% था। वीचाट पर एक बयान के अनुसार, भूविज्ञानियों ने पिंगजियांग काउंटी में वांगू सोने के भंडार में 2,000 मीटर (6,561 फीट) से अधिक की गहराई पर 40 से अधिक सोने वाली नसों की पहचान की है। प्राथमिक अन्वेषण क्षेत्र में कुल 300.2 टन सोने के भंडार पाए गए, जिसमें अयस्क में सबसे अधिक सोने की मात्रा 138 ग्राम (4.9 औंस) प्रति टन तक पहुंच गई।

बयान में कहा गया है, विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि वांगू गोल्ड साइट पर अयस्क भंडार का पैमाना बहुत बड़ा है। अनुमान है कि 3,000 मीटर से अधिक की गहराई पर, सोने का भंडार 1,000 टन से अधिक हो सकता है, और संसाधनों का मूल्य सोने की मौजूदा कीमत के आधार पर 600 बिलियन युआन [$82.8 बिलियन] तक पहुंच सकता है।

रूस क्या पोलैंड के 'एजिस अशोर' पर हमला करेगा?

मॉस्को ने निशाना बनाने की दी खुली धमकी

मॉस्को, 22 नवंबर (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन की जंग ने अब नया खतरनाक मोड़ ले लिया है। यूक्रेन ने जहां रूस पर अमेरिका की एटीएसीएमएस मिसाइलों से हमला करना शुरू कर दिया है। वहीं रूस ने भी कीव पर इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) दागकर बता दिया है कि वह किस हद तक जा सकता है। इस बीच, मॉस्को ने गुरुवार को चेतावनी देते हुए कहा कि उसने उत्तरी पोलैंड में स्थित नए अमेरिकी बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस बेस को लक्ष्य बनाने की मुख्य सूची में शामिल कर लिया है। बता दें, पोलैंड के रेड्जिकोवो इलाके में इस बेस का नाम 'एजिस अशोर' है। ये साइट नाटो की मिसाइल रक्षा प्रणाली का अहम हिस्सा है और इसका काम बैलिस्टिक मिसाइलों को पकड़ना, ट्रैक करना और उन्हें आसमान में ही नष्ट करना है।, यह एयर डिफेंस बेस नाटो बॉर्डर का मिसाइल शील्ड है, जिसे आधिकारिक रूप से 13 नवंबर को खोला गया था। रूसी विदेश मंत्रालय ने एक्स पर कहा, 'पश्चिमी सैन्य सुविधाओं से उत्पन्न खतरों की प्रकृति और स्तर को देखते हुए, पोलैंड में मिसाइल रक्षा बेस को लंबे समय से प्राइमरी टारगेट की सूची में जोड़ा गया है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर एडवांस हथियारों के जरिए नष्ट किया जा सकता है।' रूस ने यह भी कहा कि पोलैंड के उत्तरी क्षेत्र में खोला गया यह नया अमेरिकी बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा बेस, अमेरिका और उसके सैन्य सहयोगियों के खतरनाक मंसूबों का हिस्सा है। रूस के मुताबिक, यह कदम रणनीतिक स्थिरता को कमजोर करता है, और इसके परिणामस्वरूप परमाणु खतरों का स्तर बढ़ सकता है। रूस की धमकी पर पोलैंड ने कहा कि मॉस्को की हालिया बयानबाजी ने इस बात को उजागर कर दिया है कि नाटो को अपनी रक्षा क्षमता को और बढ़ाने की आवश्यकता है। पोलैंड के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता पावेल व्रोंस्की ने कहा, 'यह बेस पूरी तरह से रक्षा उद्देश्यों के लिए है और इसमें कोई भी परमाणु मिसाइलें नहीं हैं। ऐसे धमकियों से निश्चित रूप से पोलैंड और नाटो की वायु रक्षा को और मजबूत करने का तर्क मिलेगा और इस पर अमेरिका को भी ध्यान देना चाहिए।' क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बेस की आलोचना करते हुए दावा किया कि यह रूस की सीमाओं के करीब अमेरिकी सैन्य बुनियादी ढांचे के विस्तार का प्रतिनिधित्व करता है।

मस्क की पूर्व पत्नी को दिवालिया होने का डर

बच्चों की कस्टडी के लिए कोर्ट में केस लड़ रहीं, मॉडलिंग से पैरेंटिंग पर सवाल उठे

वाशिंगटन, 22 नवंबर (एजेंसियां)। टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क की पूर्व पत्नी और सिंगर ग्रिम्स ने दावा किया है कि वो दिवालिया होने वाली हैं। ग्रिम्स के मुताबिक पैसों की कमी के चलते उन्हें बच्चों की कस्टडी लेने में समस्या आ रही है। उन्होंने कहा कि कोर्ट में उनकी मॉडलिंग की तस्वीरें दिखाकर उनकी पेरेंटिंग पर सवाल उठाए गए हैं। दरअसल सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक यूजर ने ग्रिम्स से सवाल करते हुए पूछा कि वे गाने रिकॉर्ड क्यों नहीं कर रही हैं। इसके जवाब में ग्रिम्स ने कहा कि- अपने बच्चों के लिए लड़ते हुए दिवालिया हो जाने के खतरे का ख्याल उन्हें क्रिएटिव आइडिया नहीं आने दे रहा है। ग्रिम्स ने बताया कि उनका पिछला एक साल रोते हुए गुजरा है। ग्रिम्स के मुताबिक उनके तीन बच्चों में से एक बच्चे से वो पिछले पांच महीनों से नहीं मिल पाई है। हालांकि मस्क और ग्रिम्स के बीच हुए समझौते के अनुसार वो कस्टडी केस की पूरी जानकारी पब्लिक नहीं कर सकतीं। इलॉन मस्क ने सिंगर ग्रिम्स से 2018 में शादी की थी। उनके साथ में तीन बच्चे हैं। मई 2020 में, कपल ने अपने पहले बच्चे का वेलकम किया। इसका नाम एक्स Æ ए-12 रखा। दिसंबर 2021 में, उन्होंने सरोगेसी के जरिए बेटी एक्सा डार्क साइडरेल का स्वागत किया। 2022 में दोनों अलग हो गए। पिछले साल यह भी सामने आया कि कपल का तीसरा बच्चा टेक्नो मैकेनिकस है। बच्चे के बारे में उसकी सही जन्मतिथि सहित बहुत कम जानकारी मौजूद है। ग्रिम्स अपने बच्चों को एक सामान्य जिंदगी देना चाहती है। इसलिए उन्हें लाइमलाइट से दूर रखा जाता है। मस्क ने पिछले साल बच्चों की कस्टडी के लिए केस किया था।

पुतिन बोले- रूस ने यूक्रेन में नई हाइपरसोनिक मिसाइल दाग कर किया था परीक्षण

मॉस्को, 22 नवंबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि उनके देश ने हाल ही में पारंपरिक हथियार से एक नई हाइपरसोनिक मिसाइल 'ओरेश्निक' को यूक्रेन में सफलतापूर्वक दागा है। उन्होंने कहा कि यह अब तक की सबसे उन्नत मिसाइलों में से एक है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि मॉस्को को उन पश्चिमी देशों पर कार्रवाई करने का अधिकार है, जिन्होंने रूस को निशाना बनाने के लिए यूक्रेन को हथियार प्रदान किए।

पुतिन ने कहा कि यह अब तक की सबसे उन्नत मिसाइलों में से एक है, जिसका वर्तमान में कोई तोड़ नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस भविष्य में जब भी इस मिसाइल का इस्तेमाल करेगा, तो पहले इसकी सूचना देगा, ताकि नागरिक खतरनाक क्षेत्रों से बाहर निकल सकें। गुरुवार को एक टेलीविजन संबोधन में पुतिन ने कहा, हम मानवता को ध्यान में रखते हुए यह सूचना सार्वजनिक रूप से देंगे।

ओरेश्निक मिसाइल का परीक्षण पहले एक रक्षा उत्पादन स्थल पर किया गया था और यह मिसाइल न केवल पारंपरिक हथियारों, बल्कि परमाणु हथियारों को भी ले जाने के लिए डिजाइन की गई है। रूस ने कहा कि पश्चिमी देशों की ओर से यूक्रेन को दी जा रही सैन्य सहायता के जवाब में इस मिसाइल का परीक्षण किया गया है। पुतिन ने चेतावनी दी कि अगर रूस के खिलाफ किसी अन्य देश की ओर से हमला किया जाता है, तो रूस को अपने हथियारों का इस्तेमाल करने का पूरा अधिकार है। रूस की इस नई मिसाइल का नाम ओरेश्निक है, जिसका शाब्दिक अर्थ हैजलनट ट्री (एक प्रकार का पेड़) है। यह मिसाइल करीब ढाई से तीन किलोमीटर प्रति सेकंड की रफ्तार से हमला कर सकती है। तेज गति होने की वजह से यह मिसाइल किसी भी आधुनिक वायु रक्षा प्रणाली को चकमा दे सकती है। यानी उसे रोका नहीं जा सकता। ओरेश्निक मिसाइल रूस की पुरानी मिसाइल आरएस-26 रुबेझ से प्रेरित है, जो अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल है। अमेरिका ने इसकी मध्यम- रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल के रूप में पहचान की है। पेंटागन ने इस मिसाइल परीक्षण के बाद कहा कि यह मिसाइल युद्ध क्षेत्र में एक नया खतरा पैदा करती है। वहीं, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन करार दिया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से रूस पर दबाव बनाने की अपील की।

चीन में मिनी रोबोट का कारनामा

बीजिंग, 22 नवंबर (एजेंसियां)। चीन के शंघाई शहर में एक रोबोटिक्स शोरूम में अपहरण का अनोखा मामला सामने आया है। यहां एक छोटे आकार के एआई रोबोट ने 12 बड़े रोबोट्स का अपहरण कर लिया। रोबोट की रोबोट्स को अपहरण करने की ये घटना सीसीटीवी में कैद हो गई, जो अब वायरल हो रही है। सीसीटीवी फुटेज में एर्बाई नामक एआई रोबोट को दूसरे रोबोट के साथ बातचीत करते और फिर उन्हें अपने साथ ले जाते दिख रहा है। इस घटना ने सोशल मीडिया यूजर्स को आश्चर्य से भर दिया है। एर्बाई नामक एआई रोबोट को हांग्जो स्थित एक निर्माता ने बनाया है। सीसीटीवी फुटेज में यह शंघाई के एक शोरूम में रोबोट्स के साथ इंसानों जैसी बातचीत कर रहा है। इस दौरान वह समझा-बुझाकर बड़े रोबोटों को अपने कार्यस्थल छोड़ने और परिसर से बाहर जाने के लिए राजी करने में कामयाब रहा। वीडियो में एक समय एक रोबोट अपने बिजी वर्क शेड्यूल पर दुख जाहिर करते हुए कहता है कि मुझे काम से छुट्टी ही नहीं मिलती। इस पर एर्बाई प्रस्ताव देता है- 'तो मेरे साथ आओ।' ऐसा लगता है कि इस आकर्षक प्रस्ताव अपना असर दिखाता है, क्योंकि इसके बाद 12 रोबोट एर्बाई के पीछे-पीछे बाहर निकल जाते हैं। शुरुआत में यूजर ने इसे एक प्रैंक बताकर खारिज कर दिया था, लेकिन बाद में शंघाई शोरूम और हांग्जो में एर्बाई के निर्माता ने इस वीडियो को असली बताया। हांग्जो के प्रवक्ता के अनुसार, एर्बाई एक सिस्टम परीक्षण का हिस्सा था, जब उसने बड़े रोबोट के ऑपरेटिंग सिस्टम में सुरक्षा खामियों का फायदा उठाया, जिससे उसे इन पर नियंत्रण हासिल करने का मौका मिल गया। घटना का क्लिप सोशल मीडिया पर अपलोड होने के बाद अब यूजर इस पर हैरानी भरी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

दस आरोपियों को मिली जमानत, 9 की खारिज राजनीति और कानूनी तर्कों का विश्लेषण

राजस्थान एसआई भर्ती पेपर लीक मामला

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में एसआई भर्ती पेपर लीक मामले में गिरफ्तार हुए 10 आरोपियों को राजस्थान हाई कोर्ट से जमानत मिल गई है। 19 लोगों ने याचिका लगाई थी, जिसमें 9 की खारिज कर दी गई। इस फैसले ने न केवल इस घोटाले के कानूनी पहलू को फिर से केंद्र में ला दिया, बल्कि राज्य की राजनीति और प्रशासन की पारदर्शिता पर भी कई सवाल खड़े किए हैं। कोर्ट ने शुक्रवार को जमानत देने के बाद इन आरोपियों के खिलाफ जांच की दिशा और मामले की गंभीरता पर ध्यान केंद्रित किया। यह मामला न केवल भर्ती प्रक्रिया की साख पर सवाल उठाता है, बल्कि राज्य सरकार की कार्रवाई की निष्पक्षता पर भी चिंताएं पैदा करता है।

राजस्थान हाई कोर्ट ने अब तक करीब 12 आरोपियों को जमानत दी है, जिनमें कुछ नामी आरोपी जैसे करणपाल, एकता, मनोहर, और सुरेंद्र शामिल हैं। इस फैसले के बाद यह सवाल उठता है कि क्या जमानत का यह फैसला सही प्रक्रिया के तहत लिया गया? कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के बाद अपना निर्णय रिजर्व किया था और अब जमानत दी है, लेकिन क्या यह निर्णय कानूनी रूप से ठोस है या नहीं। यह समय ही बताएगा। इस पूरे मामले को एक नया मोड़ दिया है, जिससे यह धारणा बन रही है कि इस मामले की जांच और निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। साथ ही, यह भी देखा गया है कि जमानत मिलने के बाद आरोपियों पर राजनीतिक आरोप लगाए गए हैं, और इस घोटाले के राजनीतिक रंग को लेकर भी कई बयान सामने आए हैं।

भर्ती प्रक्रिया और उसके नतीजे

इससे पहले, राजस्थान हाई कोर्ट ने एसआई भर्ती के तहत चयनित अफसरों की आउट परेड पर रोक लगाई थी और साथ ही इन कर्मचारियों की पोस्टिंग भी रद्द कर दी थी। कोर्ट ने कहा था कि इस भर्ती के तहत नियुक्ति और आउट परेड हाई कोर्ट के आदेशों के अधीन रहेंगे, जब तक कि इस मामले में अंतिम फैसला नहीं आ जाता। इस फैसले ने सरकारी अधिकारियों के खिलाफ उठते सवालों को और भी तेज कर दिया है। राजस्थान पुलिस मुख्यालय और राज्य सरकार पर अब दबाव बढ़ गया है कि वे इस भर्ती को लेकर ठोस कदम उठाएं। एसओजी की रिपोर्ट और महाधिवक्ता की राय ने इस मामले को और अधिक जटिल बना दिया है। विशेष रूप से, यह रिपोर्ट यह सिफारिश करती है कि इस भर्ती को रद्द किया जाए और 2021 में परीक्षा देने वाले सभी उम्मीदवारों से फिर से परीक्षा ली जाए। यह कदम राज्य सरकार के लिए एक राजनीतिक चुनौती बन सकता है, क्योंकि इससे कई उम्मीदवारों की उम्मीदों पर पानी फिर सकता है, जिनका चयन इस विवादास्पद प्रक्रिया में हुआ था।

व्यापारी की बेटी को ठगों ने बनाया शिकार

तेरे पापा का दोस्त बोल रहा हूं- गलती से तेरे खाते में 50 हजार डाल दिए, लौटा दे

अजमेर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। अजमेर में साइबर ठग अपने शिकार को फांसने के लिए नित नए पैंतरे आजमा रहे हैं। शातिरों ने इस बार वैशाली नगर निवासी एक व्यापारी की बेटी को शिकार बनाकर 50 हजार रुपए ठग लिए। इस तरह का यह पहला मामला नहीं है, इससे पहले पिछले करीब 6 महीने में इस तरह के दो दर्जन से ज्यादा वारदातें हो चुके हैं।

ग्रॉसरी स्टोर संचालित करने वाले व्यापारी की बेटी के पास कॉल आया जिसमें कहा कि बेटी मैं शर्माजी बोल रहा हूं। तेरा पापा का दोस्त, गलती से 50 हजार रुपए तेरे खाते में ट्रांसफर हो गए हैं। मैं अस्पताल में हूं, पैसा खाते में वापस डाल दो। इस तरह से कॉल करने वाले शातिर ठग ने बातों में उलझकर भ्रमित कर अपने खाते में 5-5 हजार रुपए ट्रांसफर करवाकर 50 हजार रुपए की ठगी कर डाली।

रॉन्ग साइड से आ रही कार की डंपर से टक्कर

कार सवार सभी 5 लोगों की मौके पर मौत, देर रात हुआ हादसा

उदयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। उदयपुर में डंपर ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में 5 युवकों की मौत हो गई। मृतकों में हेड कॉन्स्टेबल का बेटा भी था। हादसा रात गुरुवार करीब 12 बजे सुखेर थाना क्षेत्र के अंबेरी में हुआ। पुलिस ने डंपर को जब्त कर लिया है। थानाधिकारी हिमांशु सिंह राजावत ने बताया- कार में देलवाड़ा (राजसमंद) निवासी हिम्मत खटीक (32), उदयपुर के बेदला निवासी पंकज नगारची (24), खारोल कॉलोनी निवासी गोपाल नगारची (27), सीसारमा निवासी गौरव जीनगर (23) और कानपुर खेड़ा निवासी नारायण पिता मांगीलाल गमेती सवार थे। ये अंबेरी से रॉन्ग साइड में देबारी की तरफ जा रहे थे। तभी स्कोडा शोरूम से आगे अचानक सामने से डंपर आ गया। ढलान होने की वजह से डंपर रफ्तार में था। डंपर के ड्राइवर ने कार को बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसे जगह नहीं मिल पाई। उसकी कार से टक्कर हो गई। आमने-सामने की टक्कर में कार का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया। इसमें सवार सभी युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना पर सुखेर थाने से पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। ग्रामीणों और क्रेन की मदद से दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को साइड में कराया। लोगों की मदद से शव बाहर निकाले गए। सभी शवों को एमबी हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया। मृतकों में चार युवक उदयपुर और एक राजसमंद का रहने वाला था। कानपुर खेड़ा (उदयपुर) निवासी नारायण शादीशुदा था। उसके तीन माह की बेटी है। अन्य चारों युवक अविवाहित थे।

पुलिस का कहना है कि ये युवक कहां से आ रहे थे और कहां जा रहे थे। इसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। उनसे पूछताछ के बाद ही मृतकों के बारे में ज्यादा जानकारी मिल पाएगी।

चाय व्यापारी के बेटे की शादी में पहुंचे राहुल गांधी

प्रियंका गांधी के बेटे के दोस्त की वेडिंग; संगीत सेरेमनी में शामिल हुआ परिवार

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और रॉबर्ट वाड्रा हरियाणा के एक बड़े चाय व्यापारी के बेटे की शादी के लिए जयपुर में हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी पत्नी डिंपल यादव के साथ शादी में शामिल हुए हैं।

दरअसल, जयपुर के रामबाग होटल में शुक्रवार को चाय बिजनेसमैन अमित गोयल के बेटे यशार्थ गोयल की शादी है। यशार्थ प्रियंका गांधी के बेटे रेहान के स्कूल टाइम के दोस्त हैं।

गुरुवार रात संगीत सेरेमनी में प्लेबैक सिंगर शाल्मली खोलगडे सहित कई बॉलीवुड कलाकारों ने लाइव परफॉर्मेंस दी। शाल्मली ने हिंदी, रीजनल और वेस्टर्न सॉन्ग परफॉर्म किए। उन्होंने 'लत लग गई', 'बलम पिचकारी', 'बेशर्मी की हाइट', 'शनिवार रात्रि', 'बेबी को बेस पसंद है', 'नाच मेरी जान' जैसे कई सुपरहिट गानों को पेश किया।

तीन दिन पहले ही आ गई थीं प्रियंका गांधी

शादी में शामिल होने के लिए प्रियंका गांधी अपने पूरे परिवार के साथ तीन दिन पहले ही राजस्थान आ गई थीं। वे रणथंभौर भी जाकर आई थीं। वहां से गुरुवार को जयपुर पहुंची थीं। राहुल और अखिलेश भी गुरुवार को जयपुर पहुंचे थे। जयपुर में राहुल, प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव की सुरक्षा के लिए पुलिस ने अतिरिक्त जाब्ता लगाया है। उनके मूवमेंट के दौरान भी अतिरिक्त व्यवस्था की गई है। सभी गोनेर रोड स्थित ओबेरॉय राजविलास होटल में रुके हुए हैं। शादी की रस्में रामबाग होटल में हो रही हैं। शुक्रवार को भी शादी की रस्में होंगी। इस शादी में राजस्थान के किसी भी नेता को आमंत्रित नहीं किया गया है।

दोस्त के साथ घूमने गई नाबालिग लड़की से गैंगरेप

भीलवाड़ा, 22 नवंबर (एजेंसियां)। 16 साल की लड़की अपने 17 साल के दोस्त के साथ बाइक पर घूमने गई थी। दोनों शहर से 3 किलोमीटर दूर सुनसान एरिया में चले गए। वहां उन्हें 4 लड़के मिले। इनमें नाबालिग लड़के भी थे। चारों ने डरा-धमकाकर लड़की से गैंगरेप किया। मेडिकल में गैंगरेप की पुष्टि हो गई है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि 2 किशोरों को डिटेन किया गया है।

मामला भीलवाड़ा के सुभाष नगर थाना इलाके का है। घटना 5 नवबंर की शाम कोठारी नदी एरिया में हुई थी। सोमवार 18 नवंबर को सुभाष नगर थाने में लड़की के पिता ने गैंगरेप का मामला दर्ज कराया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा शहर की 16 साल की स्कूली छात्रा अपने दोस्त (17) के साथ बाइक से घूमने गई थी।

चिता पर चली सांसें : जिंदा व्यक्ति को लाश बताकर फ्रीजर में रखवाया

पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी दी, तीन निलंबित

झुंझुनू, 22 नवंबर (एजेंसियां)। जिले के राजकीय भगवानदास खेतान अस्पताल में डॉक्टरों की घोर लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां एक जिंदा आदमी का तथाकथित पोस्टमार्टम करके डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर डीप फ्रीजर में रखवा दिया। मां सेवा संस्थान के आश्रय गृह के लोग जब उसे दाह संस्कार के लिए श्मशान घाट ले गए और चिता पर लिटाया तो वहां उसकी सांसें चलने लगीं और मामले का खुलासा हुआ।

चिकित्सकों ने जिसे मृत घोषित कर दिया था, उसका अब उसी अस्पताल के आईसीयू में इलाज चल रहा है, फिलहाल उसकी हालत सामान्य है। कलेक्टर ने पूरे मामले की जांच के लिए समिति गठित की है और देर रात को जिला कलेक्टर रामावतार मीणा की अनुशंसा पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव निशा मीणा ने बीडीके के पीएमओ डॉ. संदीप पचार, डॉ. योगेश कुमार जाखड़ व डॉ. नवनीत मील को निलंबित कर दिया। निलंबन काल के दौरान डॉ. पचार का मुख्यालय जैसलमेर, डॉ. जाखड़ का बाड़मेर और डॉ. नवनीत मील का मुख्यालय सीएमएचओ ऑफिस जालौर किया गया है। गौरतलब है कि झुंझुनू में मां सेवा संस्थान के आश्रय गृह में रहने वाले विमंदित रोहिताश की गुरुवार दोपहर तबीयत बिगड़ने के बाद बीडीके अस्पताल में उसका इलाज शुरू किया गया। दोपहर करीब डेढ़ बजे डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया और अस्पताल की मोर्चरी के डीप फ्रीज में रखवा दिया।

दो घंटे बाद पोस्टमार्टम करके पंचनामा भी बना लिया गया और रोहिताश के तथाकथित शव को संस्थान को सौंप दिया। संस्था के लोगों ने श्मशान में जब रोहिताश को चिता पर लिटाया तो उसकी सांसें चलने लगीं। उसके शरीर में हरकत देखकर वहां मौजूद लोग हैरान हो गए। इसके बाद उसे तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल लाया गया। अब उसका बीडीके अस्पताल में इलाज चल रहा है और हालत सामान्य बताई जा रही है। वहीं सोशल मीडिया पर इस पूरी घटना के समाचार सामने आने के बाद लोगों में चर्चाओं का बाजार गर्म है, कोई इसे चमत्कार बता रहा है तो कोई इसे घोर लापरवाही लेकिन जिला कलेक्टर की रिपोर्ट पर इसे लापरवाही मानते हुए पीएमओ सहित तीन चिकित्सकों को सस्पेंड कर दिया गया है। इस सारे घटनाक्रम के बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि पोस्टमार्टम के नाम पर किस तरीके से महज औपचारिकता पूरी की जाती है, इसकी भी पोल अब खुल गई है।

सीबीआई ने नारकोटिक्स ब्यूरो के इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते पकड़ा

केस के निपटारे के लिए मांगे थे 20 लाख, 3 लाख लेते गिरफ्तार

जयपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने चित्तौड़गढ़ के केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के इंस्पेक्टर और बिचौलिए को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। एक क्लिनिक के खिलाफ मामले के निपटारे के लिए 20 लाख रुपए की रिश्वत मांगी गई थी। बिचौलिए के मार्फत रिश्वत के 3 लाख रुपए लेते आरोपी इंस्पेक्टर को पकड़ा गया है। फिलहाल दोनों आरोपियों से सीबीआई टीम पूछताछ करने में जुटी है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को परिवादी ने शिकायत की थी। इसमें चित्तौड़गढ़ के केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) के इंस्पेक्टर एक बिचौलिए के मार्फत 3 लाख रुपए की रिश्वत मांग रहे है। रिश्वत की रकम आरोपियों की ओर से उनकी क्लिनिक के खिलाफ मामले के निपटारे के लिए मांगी जा रही है। मामले निपटारे के लिए 20 लाख रुपए की रिश्वत की डिमांड की गई थी। उसके बाद आरोपियों की ओर से 8 लाख रुपए की रिश्वत मांग रखी गई।

इंस्पेक्टर के घर और ऑफिस की तलाशी ली गई

सीबीआई की ओर से शिकायत पर बुधवार को केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) के आरोपी इंस्पेक्टर आदर्श योगी और बिचौलिए केशव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। सीबीआई ने ट्रेप का जाल बिछाकर चित्तौड़गढ़ के सीबीएन इंस्पेक्टर आदर्श योगी की ओर से 3 लाख रुपए की रिश्वत लेते बिचौलिए केशव को रंगे हाथों धर-दबोचा। सीबीआई टीम के चित्तौड़गढ़ और बीकानेर में आरोपी इंस्पेक्टर के घर और ऑफिस की तलाशी ली। टीम ने तलाशी में आपत्तिजनक डॉक्यूमेंट को जब्त कर लिए है।

युवती के ब्लाइंड मर्डर का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

सीकर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। सीकर जिले की लक्ष्मणगढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवती के ब्लाइंड मर्डर के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। युवती परिजनों को घर से बाजार जाने का कहकर निकली थी। जिसके बाद उसका शव मिला था। लक्ष्मणगढ़ थाना पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया- हरलाल पुत्र नाथूराम (62) निवासी लक्ष्मणगढ़ (सीकर) ने 10 नवंबर को पुलिस को रिपोर्ट में बताया कि उनकी बेटी मोटी (28) घर से बाजार जाने का कहकर निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। इसके बाद लड़की के पिता ने गुमशुदगी दर्ज कराई।

लड़की के पिता ने रिपोर्ट में बताया था कि 2 नवंबर को घर के बाहर डेरे के पास बाइक सवार 3 लड़के बाइक लेकर आए थे और लड़की को जान से मारने की धमकी देकर गए। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस को लक्ष्मणगढ़ में लड़की का शव मिला। पुलिस ने घटनास्थल के पास लगे सैकड़ो सीसीटीवी फुटेज खंगाले और लोगों से पूछताछ की।

ऑपरेशन के दौरान महिला और बच्चे की मौत, अस्पताल प्रशासन फरार

भरतपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के डीग जिले के कामां थाना क्षेत्र में स्थित संजीवनी अस्पताल में लापरवाही का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला और उसके नवजात बच्चे की मौत ऑपरेशन के दौरान हो गई। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने न केवल लापरवाही की बल्कि ऑपरेशन से पहले 40 हजार रुपये भी वसूले। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन फरार हो गया है। भरत लाल नामक व्यक्ति ने बताया कि उनकी 26 वर्षीय गर्भवती पत्नी संतोष को पेट दर्द होने पर कामां के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे भरतपुर के जनाना अस्पताल रेफर कर दिया गया। लेकिन एक परिचित के सुझाव पर भरत लाल अपनी पत्नी को जुरहरा रोड स्थित संजीवनी अस्पताल ले गए। यहां उन्हें सतीश नामक व्यक्ति ने खुद को एमबीबीएस डॉक्टर बताते हुए आश्वस्त किया कि नार्मल डिलीवरी करवा दी जाएगी।

भगवान पार्श्वनाथ के जन्म पर जारी होंगे चांदी के विशेष स्मारक सिक्के, भारत सरकार ने जारी की अधिसूचना

केकड़ी, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार ने जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के 2900वें जन्मकल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में 900 रुपये का एवं 2800वें निर्वाण कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में 800 रुपये का विशेष स्मारक सिक्का जारी करने की घोषणा की है। ये सिक्के चांदी के होंगे, जो जारी करने के लिए केवल टकसाल में ही गढ़े जाएंगे। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ने 18 नवंबर, 2024 को एक राजपत्र अधिसूचना जारी कर इन सिक्कों की पुष्टि की। अधिसूचना के अनुसार ये भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की शिक्षाओं और उनके दिव्यतम जीवन को सम्मानित करने का प्रतीक है। भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की अहिंसा, सत्य, अचौर्य, और अपरिग्रह आदि शिक्षाएं हमें आध्यात्मिकता और नैतिकता का मार्ग दिखाती है। इन सिक्कों के माध्यम से जैनधर्म की अमूल्य धरोहर और भारतीय संस्कृति की विविधता को विश्व स्तर पर प्रसारित करने का अवसर मिलेगा। यह कदम हमारे धर्म और परंपराओं का सम्मान बढ़ाएगा, जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। अधिसूचना के अनुसार 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान का 2900वां जन्म कल्याणक उनके जन्म का तथा 2800वां निर्वाण कल्याणक उनके मोक्ष का प्रतीक है, जिसे दुनिया भर के जैन धर्मावलंबी मनाते हैं। पार्श्वनाथ भगवान को अहिंसा (अहिंसा), सत्य (सत्य), अस्तेय (चोरी न करना) और अपरिग्रह (अपरिग्रह) की उनकी शिक्षाओं के लिए सम्मानित किया जाता है, जो आध्यात्मिक विकास और नैतिक जीवन जीने के मार्ग पर लाखों लोगों को प्रेरित करती हैं।

गंगौरा गांव में 11 हजार केवी विद्युत लाइन गिरने से झुलसी महिला

भरतपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के पहाड़ी थाना क्षेत्र के गांव गंगोरा में 11 हजार की विद्युत लाइन टूटने से एक 25 वर्षीय महिला गंभीर रूप से झुलस गई। उसे गंभीर हालत में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से उसे सामान्य चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार भरतपुर के पहाड़ी थाना क्षेत्र के गंगोरा गांव निवासी 25 वर्षीय आबिद पत्नी रफीक खान खेत में चारा काटने के लिए गई हुई थी। तभी अचानक 11 हजार की लाइन टूटकर उस पर जा गिरी। इससे वो गंभीर रूप से झुलस गई। उसे गंभीर हालत में पहले निजी अस्पताल भर्ती कराया गया, वहां से उसे अलवर के सामान्य चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया गया। उसके दो बच्चे हैं।

विधानसभा उप चुनाव : कड़ी सुरक्षा के बीच पारदर्शिता के साथ आज होगी मतगणना

डूंगरपुर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा उप चुनाव 2024 के अन्तर्गत 23 नवम्बर, 2024 शनिवार को मतगणना स्थल श्री भोगीलाल पण्ड्या राजकीय महाविद्यालय परिसर में मतगणना होगी। चौरासी विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी कपिल कोठारी ने बताया कि कमरा नंबर 56 व 57 में 18 राउंड में मतगणना होगी। मतगणना के लिए 14 टेबल लगाई गई है। सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू होगी। सुरक्षा घेरे का पहला स्तर मतगणना परिसर के चारों ओर 100 मीटर की परीधि से शुरू होगा, जिसे पैदल यात्री क्षेत्र के रूप में सीमांकित किया गया है। इस परिधि के भीतर किसी भी वाहन को अनुमति नहीं दी जाएगी। ईसीआई के विधिवत जारी प्राधिकार पत्र या संबंधित डीईओ या आरओ द्वारा जारी फोटो आई कार्ड के बिना किसी भी व्यक्ति को सुरक्षा घेरे के प्रथम स्तर से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वहीं, द्वितीय एवं मध्य घेरा एसबीपी कॉलेज के सागवाड़ा रोड वाले मुख्यद्वार पर होगा। मतगणना कार्मिकों और मतगणना ड्यूटी में नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी इसी द्वार से प्रवेश करेंगे। वहीं, मतगणना स्थल पर राजनीतिक प्रत्याशियों और काउंटिंग एजेंट्स का प्रवेश वीकेबी गर्ल्स कॉलेज वाले गेट से होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित कुमार सिंह ने बताया कि मतगणना स्थल पर मीडियाकर्मियों को मतगणना के नवीनतम रूझान एवं परिणाम से अवगत कराने के लिए श्री भोगीलाल पण्ड्या राजकीय महाविद्यालय, डूंगरपुर के कमरा नंबर 33 में मीडिया सेंटर स्थापित किया गया है। यहां बड़ी एलईडी स्क्रीन पर आयोग की आईटी एप्लिकेशन इलेक्शन ट्रेंड्स टीवी के माध्यम से प्रदर्शित करने की व्यवस्था की गई है, जिससे मीडियाकर्मियों को एक ही स्थान पर मतगणना के नवीनतम रूझान एवं परिणाम उपलब्ध होंगे।

मीडिया सेंटर में भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जारी प्राधिकार पत्र से ही प्रवेश मिलेगा। उन्होंने बताया कि लाउडस्पीकर के माध्यम से एसबीपी कॉलेज, वीकेबी कॉलेज परिसर और लक्ष्मण मैदान में श्याम प्रसाद मुखर्जी हॉल में आमजन को मतगणना के परिणामों की जानकारी दी जाएगी। मीडिया सेंटर के दूरभाष नंबर 02964-294672 से भी परिणामों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। सामान्य प्रेक्षक के. विवेकानंदन ने शुक्रवार को मतगणना स्थल पर पहुंचकर काउंटिंग हॉल, मीडिया सेंटर, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, राजनीतिक प्रत्याशियों व काउंटिंग एजेंट्स की बैठक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, मतगणना कार्मिकों के प्रवेश, पार्किंग और पब्लिक एनाउंसमेंट सिस्टम सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

कव्वाल और अमराबाद टाइगर रिजर्व ने तेलंगाना राज्य को बनाया है बेहद खास : कोंडा सुरेखा

लोगों में सरकार के प्रति विश्वास जगाकर पुनर्वास करने के उपाय किए जाएं

मंत्री ने अमराबाद और कव्वाल टाइगर रिजर्व पर लंबी समीक्षा की

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन एवं पर्यावरण मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि अमराबाद टाइगर रिजर्व और कव्वाल टाइगर रिजर्व के भीतर गांवों के पुनर्वास की प्रक्रिया लोगों की भावनाओं से जुड़ी हुई है। उन्होंने वन अधिकारियों को लोगों को सरकार में विश्वास दिलाकर पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। मंत्री सुरेखा ने सुझाव दिया कि उत्तरी और दक्षिणी सीमाओं पर फैले बाघ अभयारण्यों ने तेलंगाना राज्य को विशेष बना दिया है और वन विभाग को उनकी सुरक्षा के लिए निरंतर उपाय करने चाहिए। शुक्रवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में वन मंत्री व टाइगर रिजर्व गवर्निंग बॉडीज की अध्यक्ष कोंडा सुरेखा के नेतृत्व में टाइगर रिजर्व और कव्वाल टाइगर रिजर्व गवर्निंग निकायों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक वामसीकृष्ण, खानापुर विधायक वेदमा बोज्जू, निज़ामाबाद ग्रामीण विधायक रेकुपल्ली भूपति रेड्डी, प्रमुख सचिव वन अहमद नदीम, पीसीसीएफ (एचओएफएफ) आर.एम. डोबरियाल, पीसीसीएफ (वन्यजीव) अलुसिंग, डीसीसीएफ अंजनेयुलु (मुख्यालय), सीएफ, एफ डीपीटी रामबाबू (अमराबाद टाइगर रिजर्व)), सीएफ, एफडीपीटी संताराम (कव्वाल टाइगर रिजर्व), डीएफओ रोहित (नागर कर्नूल), बाजीराव पाटिल (आदिलाबाद), राजशेखर (नलगोंडा), शिवाशीष (मंचिरयाल), एफडीओ राममूर्ति (मन्नानूर), ओएसडी शंकरन आदि ने भाग लिया।

इस अवसर पर वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंत्री सुरेखा को टाइगर रिजर्व की गवर्निंग बॉडी, टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन, गवर्निंग बोर्ड और उनकी प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से बताया। अधिकारियों ने मंत्री सुरेखा को बताया कि केंद्र सरकार ने प्रोजेक्ट टाइगर के तहत 29 अप्रैल 2015 को कव्वाल और अमराबाद टाइगर रिजर्व की स्थापना की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बाघों की सुरक्षा के उद्देश्य से बाघ अभयारण्य विकसित किये जा रहे हैं। अमराबाद टाइगर रिजर्व – फील्ड डायरेक्टर प्रोजेक्ट डायरेक्टर सीएफ रामबाबू, डीएफओ रोहित ने मंत्री सुरेखा को पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए अमराबाद टाइगर रिजर्व की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर मंत्री सुरेखा ने अमराबाद टाइगर रिजर्व के अंतर्गत गांवों के स्थानांतरण की प्रक्रिया की जानकारी ली। मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों को समझाया कि अमराबाद टाइगर रिजर्व के भीतर 26 कोर (केंद्रीकृत) गांव हैं, और 4 गांवों के लोगों को वर्तमान में पुनर्वास केंद्रों में स्थानांतरित किया जा रहा है। मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों को उन पर पूरा भरोसा देकर और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करके निकासी प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया क्योंकि कई जनजातियों से संबंधित आदिवासियों का पीढ़ियों से उनके निवास स्थान से संबंध है। अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि अमराबाद टाइगर रिजर्व के अंतर्गत आने वाले लगभग 20 प्रतिशत क्षेत्र का उपयोग पर्यटन उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। अधिकारियों ने मंत्री सुरेखा को समझाया कि वर्तमान में मन्नानूर, मदीमद्गु, सोमासिला और डोमलपेंटा इको पर्यटन सर्किट में पर्यटन सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि वे कॉटेज, सफारी वाहन, नेचर गाइड, रसोई आदि जैसी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। अधिकारियों ने मंत्री सुरेखा को समझाया कि वे स्थानीय लोगों को रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से नियोजित गतिविधि लागू कर रहे हैं। अधिकारियों ने मंत्री सुरेखा को बताया कि आने वाले दिनों में सोमासिला, अमरगिरी इको टूरिज्म सर्किट और डोमलपेंटा–श्रीशैलम इको टूरिज्म सर्किट विकसित करने के लिए प्रस्ताव तैयार किए गए हैं।

वन्यजीव हमले में मुआवज बढ़ाकर 20 लाख करने पर विचार

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री सुरेखा ने बैठक में अधिकारियों को एक डोमलापेंटा–श्रीशैलम इको टूरिज्म सर्किट के हिस्से के रूप में अत्यधिक वांछनीय अक्कमहादेवी गुफाओं तक भूमि और जलमार्ग द्वारा भक्तों को तीर्थयात्रा सुविधाएं प्रदान करने की संभावनाओं की जांच करने का निर्देश दिया। कव्वाल टाइगर रिजर्व – फील्ड निदेशक परियोजना निदेशक, सीएफ संताराम ने मंत्री सुरेखा को कव्वाल टाइगर रिजर्व के संबंध में व्यापक जानकारी से अवगत कराया। इस अवसर पर, खानापुर विधायक वेदमा बोज्जू ने मंत्री सुरेखा से पुनर्वास के लिए स्थानांतरित किए गए परिवारों को स्थायी कार्ड प्रदान करने, परिवहन के लिए ग्रीन पास प्रदान करने और एक स्कूल स्थापित करने का अनुरोध किया। अचम्पेट के विधायक वामसी कृष्णा ने अधिकारियों से पुनर्वास उपाय करने को कहा ताकि सरकार की प्रतिष्ठा बढ़ाई जा सके। मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों को इस दिशा में कदम उठाने का आदेश दिया। मंत्री सुरेखा ने अधिकारियों को आम वन उत्पाद एकत्र करने वाले स्थानीय लोगों के प्रति मानवता दिखाने की सलाह दी। मंत्री सुरेखा ने कहा कि वन्यजीव हमले की घटनाओं में मारे गए लोगों को दिया जाने वाला मुआवजा 10 लाख से रुपये से बढ़ाकर 20 लाख करने पर विचार किया जा रहा है।

सुरक्षा के लिए सामुदायिक भागीदारी जोर दिया जाना चाहिए : रश्मि पेरुमल

स्वर्ण व्यापारियों और व्यापारी संघों के साथ सुरक्षा को लेकर हुई बैठक

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सुश्री एस. रश्मि पेरुमल ने आज महाकाली डिवीजन के स्वर्ण व्यापारियों, कपड़ा और व्यापारी संघों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक की, जिसमें बढ़ती सुरक्षा चिंताओं और व्यवसायों और जनता की सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले सक्रिय उपायों पर चर्चा की गई। बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें पूरे क्षेत्र में सुरक्षा और जागरूकता सुनिश्चित करने में सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर जोर दिया गया। सुरक्षा चिंताओं पर एहतियाती उपाय की चर्चा करते हुए डीसीपी ने व्यवसायों द्वारा मजबूत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। सभी बड़े पैमाने की व्यावसायिक संस्थाओं को प्रशिक्षित चौकीदारों की तैनाती सुनिश्चित करने और अपने आंतरिक निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। आपराधिक गतिविधि के लिए एक प्रमुख निवारक के रूप में वाणिज्यिक संपत्तियों के अंदर और आसपास व्यापक सीसीटीवी कवरेज के महत्व पर प्रकाश डाला गया। क्षेत्र में संपत्ति अपराधों और ऑटोमोबाइल चोरी पर बढ़ती चिंता पर चर्चा की गई। डीसीपी ने व्यापारियों को पुलिस की सतर्कता बढ़ाने का आश्वासन दिया और उनसे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत रिपोर्ट करने का आग्रह किया। इसके अलावा, व्यवसाय मालिकों को उच्च गुणवत्ता वाले लॉकिंग सिस्टम लगाने और अपनी संपत्तियों में सुरक्षा सुविधाओं को शामिल करने की सलाह दी गई। उन्होंने कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए, सभी व्यवसाय मालिकों से अपने कर्मचारी को जानें अभियान का पालन करने का आग्रह किया गया। इसमें कर्मचारियों की साख की पुष्टि करना और यह सुनिश्चित करना शामिल है कि उन्हें काम पर रखने से पहले पर्याप्त रूप से जांचा गया है। श्रमिकों की पृष्ठभूमि की नियमित जांच से व्यवसायों की सुरक्षा बढ़ेगी। नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के बढ़ते मुद्दे और समुदाय पर इसके प्रभाव पर भी चर्चा की गई। डीसीपी ने व्यवसाय मालिकों और आम जनता के बीच नशीली दवाओं के खतरों के बारे में जागरूकता फैलाने के महत्व पर जोर दिया और उनसे ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना अधिकारियों को देने का आग्रह किया। बैठक में साइबर अपराध और सोशल मीडिया के दुरुपयोग सहित ऑनलाइन अपराधों की बढ़ती प्रवृत्ति पर प्रकाश डाला गया। व्यापारियों को सलाह दी गई कि वे अपने कर्मचारियों और ग्राहकों को संवेदनशील जानकारी ऑनलाइन साझा करने के जोखिमों के बारे में शिक्षित करें और धोखाधड़ी गतिविधियों के प्रति सतर्क रहें। लोगों को सुरक्षित ऑनलाइन प्रथाओं के बारे में सूचित करने के लिए जागरूकता अभियान प्रस्तावित किए गए।घटनाओं को रोकने के लिए नियमित अग्नि और विद्युत सुरक्षा ऑडिट आयोजित करने के महत्व पर बल दिया गया। व्यवसाय मालिकों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई कि सभी विद्युत प्रतिष्ठान सुरक्षा मानकों को पूरा करते हैं और अग्नि निकास और अलार्म कार्यात्मक और स्पष्ट रूप से चिह्नित हैं।

हम अडानी सौदों पर करेंगे पुनर्विचार : महेश गौड़

हैदराबाद, 22 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार को मुश्किल में डालते हुए टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि यदि अडानी समूह की अनियमितताएं उजागर होती हैं तो राज्य सरकार द्वारा अडानी समूह के साथ किए गए समझौतों पर पुनर्विचार किया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर राज्य सरकार और अडानी समूह के बीच हुए समझौते वैध और नियमों के अनुसार होंगे तो वे जारी रहेंगे। अगर वे कानून के खिलाफ होंगे तो उन्हें रद्द कर दिया जाएगा। दावोस में राज्य सरकार ने करीब 45,000 करोड़ रुपये के सौदे किए थे, जिनमें अडानी समूह के साथ किए गए सौदे भी शामिल थे। शुक्रवार को गांधी भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अडानी समूह को एक इंच भी जमीन आवंटित नहीं की है। टीपीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि यह सच है कि अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मुलाकात की थी और कौशल विश्वविद्यालय के लिए 100 करोड़ रुपये का दान दिया था।

शादी का झूठा वादा करने वाले को 10 साल की सजा

कुमराम भीम आसिफाबाद, 22 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। आसिफाबाद की एक अदालत ने शुक्रवार को एक व्यक्ति को तीन साल पहले शादी की आड़ में एक महिला को धोखा देने के आरोप में 10 साल की कैद और 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया। जिला सत्र न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश एमवी रमेश ने तेजापुर गांव के नागेश विनेश को उसी गांव की एक महिला से शादी का झांसा देकर धोखाधड़ी करने का दोषी पाते हुए यह फैसला सुनाया। 20 नवंबर 2021 को महिला की ओर से मिली शिकायत के आधार पर तत्कालीन वानकीडी इंस्पेक्टर सुधाकर ने विनेश के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। उन्होंने अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया और प्रासंगिक साक्ष्य प्रस्तुत करके तथा प्रत्यक्षदर्शी गवाह पेश करके आरोपी व्यक्ति की संलिप्तता स्थापित की। इस बीच, पुलिस अधीक्षक डीवी श्रीनिवास राव ने दोषसिद्धि सुनिश्चित करने के लिए तत्कालीन आसिफाबाद डीएसपी ए करुणाकर, सुधाकर और कोर्ट लाइजनिंग ऑफिसर राम सिंह की सराहना की।

टीजी टीईटी में पंजीकरण में गिरावट

हैदराबाद, 22 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीजी टीईटी)–द्वितीय 2024 के लिए पंजीकरण में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई, जिससे राज्य में शिक्षक शिक्षा के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी टीजी टीईटी–द्वितीय अधिसूचना के जवाब में, बुधवार को पंजीकरण बंद होने तक 2,75,773 उम्मीदवारों ने आवेदन किया। आवेदनों की यह संख्या इस साल के 2,86,386 से काफी कम है और 2023 में 4,78,055 से भी कम है।

विभाग द्वारा जारी विवरण के अनुसार, कक्षा 1 से 5 तक पढ़ाने की पात्रता रखने वाले अभ्यर्थियों के लिए आयोजित पेपर–I के लिए 94,335 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था। कक्षा 6 से 8 तक पढ़ाने की पात्रता निर्धारित करने के लिए आयोजित पेपर–2 के लिए 1,81,438 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था।

इस साल मई में आयोजित टीईटी–1 की तुलना में ये आंकड़े काफी कम हैं। पेपर–1 में 99,958 पंजीकरण हुए और पेपर–2 में 1,86,428 आवेदन आए। पिछले साल पेपर–1 में 2,69,557 पंजीकरण हुए थे और पेपर–2 में 2,08,498 पंजीकरण हुए थे। इस साल, बड़ी संख्या में पंजीकरण की उम्मीद थी क्योंकि पदोन्नति की तलाश कर रहे सेवारत शिक्षकों को टीईटी के लिए उपस्थित होने के लिए कहा गया था। हालांकि, पंजीकरण में भारी गिरावट आई है।

विधायकों की अयोग्यता याचिका पर समय पर कार्रवाई करने का सुझाव

तेलंगाना हाईकोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष को दिए निर्देश

हैदराबाद, 22 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को अपनी पार्टियों से अलग हुए विधायकों की अयोग्यता याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया और सुझाव दिया कि विधानसभा अध्यक्ष को इन याचिकाओं पर समय पर निर्णय लेना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने सिफारिश की कि अध्यक्ष को दसवीं अनुसूची के तहत दलबदल विरोधी कानून और विधानसभा के पांच साल के कार्यकाल को ध्यान में रखते हुए अयोग्यता याचिकाओं पर फैसला करना चाहिए।

खंडपीठ ने एकल पीठ के उस आदेश को पलट दिया, जिसमें अध्यक्ष को 4 सप्ताह के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया गया था। खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि अध्यक्ष द्वारा निर्णय लेने के लिए कोई निश्चित समय–सीमा नहीं है। एकल न्यायाधीश ने इससे पहले 9 सितंबर को बीआरएस विधायकों द्वारा दायर याचिकाओं को अनुमति दी थी, जिसे विधानसभा सचिव वी. नरसिंहाचार्युलु और एक अन्य याचिकाकर्ता ने चुनौती दी थी।

महाधिवक्ता सुदर्शन रेड्डी ने एकल न्यायाधीश के आदेश को रद्द करने की वकालत की, जबकि वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन राव और जे. रामचंद्र राव ने बीआरएस विधायकों का प्रतिनिधित्व करते हुए कहा कि अध्यक्ष ने दलबदलू विधायकों के खिलाफ याचिका स्वीकार नहीं की, जिसके कारण उन्हें उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा।

मेयर ने एपीसी चिकन मार्केट की घेराबंदी का आदेश दिया

चिकन सेंटर चलाने वालों पर नाराजगी जताई

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी गडवाल की मेयर विजयलक्ष्मी ने चेतावनी दी है कि अगर दूषित, अस्वास्थ्यकर और कम गुणवत्ता वाला मांसाहार बेचकर लोगों के स्वास्थ्य से समझौता किया जाता है, तो उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। शुक्रवार को उन्होंने एमएलसी बालमुरी वेंकट के साथ इसामिया बाजार, न्यू मोती नगर स्थित एपीसी चिकन मार्केट का औचक निरीक्षण किया. मेयर ने चिकन मार्केट की दुर्गंध, अस्वच्छ वातावरण और गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं करने पर प्रबंधन पर नाराजगी व्यक्त की। इस अवसर पर मेयर ने चिकित्सा पदाधिकारी से पूछा आप क्या कर रहे हैं और इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं? उन्होंने पूछा कि क्या उन पर जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि भारी जुर्माना लगाए बिना उचित कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने कहा कि संबंधित चिकन मार्केट के आसपास के लोगों की कई शिकायतें हैं कि यह पूरी तरह से अस्वास्थ्यकर है और इसमें असहनीय बदबू है और यह पूरे क्षेत्र के लिए शर्मनाक है। मेयर ने जोनल कमिश्नर को संबंधित चिकन मार्केट को तत्काल सीज करने का आदेश दिया. चिकित्सा पदाधिकारी को कीट विज्ञान एवं स्वच्छता पदाधिकारी के साथ समन्वय कर आसपास के सभी क्षेत्रों की सफाई करने का आदेश दिया गया।

इस निरीक्षण में मेयर के साथ जोनल कमिश्नर रवि किरण, डिप्टी कमिश्नर, मेडिकल ऑफिसर डॉ. वेंकटरमण समेत अन्य लोग शामिल रहे।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, गुंटूर में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई. इस बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबधक/गुंटूर, एम. रामकृष्णा ने की। समिति के उपाध्यक्ष तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक/ गुंटूर के सैमन के स्वागत भाषण से बैठक प्रारंभ की गई। अपने संबोधन में अध्यक्ष ने सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि वे अपने–अपने कर्यालयों में हिंदी को बढावा देने के लिए हरसंभव प्रयास करें। अपनी प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से समिति को भेजें तथा अगली बैठक में सभी सदस्य कार्यालय के अध्यक्षों का अनिवार्य रूप से भाग लेना सुनिश्चत किया जाए। बैठक का संचालन करते हुए नराकास के सदस्य सचिव एवं उप महाप्रबंधक/राजभाषा/द.म.रे. श्याम सुंदर साहु ने नराकास गुंटूर से जुड़े सभी सदस्य कार्यालयों की राजभाषा संबंधि प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। इस बैठक में केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने संबंधी विचार विमर्श किया गया और विशेष रूप से यह निर्णय लिया गया कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित किए जाने वाली गतिविधियों के बारे में निर्णय लेने हेतु एक कोर समिति का गठन किया जाएगा जिसमें सदस्य कार्यालयों में हिंदी का कार्य देखनेवाले और हिंदी के प्रति विशेष रूचि रखने वाले अधिकारी/कर्मचारी शामिल होंगे। बैठक के प्रारंभ से पहले प्रसिद्ध हिंदी कवि हरिवंशराय बच्चन जी की जयंती मनाई गई और उनकी जीवनी और साहित्य पर चर्चा की गई।इसके अलावा उनके द्वारा रचित कविताओं जैसे कि अग्निपथ और कोशिश करने वालों की हार नहीं होती आदि का पाठ किया गया।

बिना कागजात वाले 16 वाहन जब्त

कोत्तागुडेम, 22 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को यहां कोत्तागुडेम तीन–टाउन पुलिस स्टेशन सीमा के अंतर्गत कुली लाइन क्षेत्र में एक सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया। करीब 250 घरों की तलाशी ली गई। बिना उचित कागजात और नंबर प्लेट के 16 वाहन जब्त किए गए। इसी तरह 11 वाहनों पर 2400 रुपए का जुर्माना लगाया गया।

दो बेल्ट की दुकानों से करीब 14,000 रुपए की शराब की बोतलें जब्त की गईं। बाद में डीएसपी शेख अब्दुल रहमान ने क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे असामाजिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों की सूचना पुलिस को दें। सूचना देने वालों का विवरण गोपनीय रखा जाएगा। मटका, जुआ, सट्टा और गांजा की तस्करी करने वालों पर नजर रखी जा रही है। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक पुलिस अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे
@SCRailwayIndia

टेंडर नोटिस नं. 70 से 73_डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी दि.20-11-2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से दि.16/12/2024 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

टेंडर नोटिस नं. 70_डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजन-एससी-एमयुइ सेक्शन-एनवीटी-जेकेएम स्टेशन के बीच आरयुबी व्यवस्था द्वारा किमी 448/800-850 पर मानवयुक्त या मैन लेवल क्रासिंग गेट नं.189 ए को हटाना(एलिमिनिशेन)। अनुमानित मूल्यः रु.6,76,14,799.95, पूधराः रु. 4,88,100.00

टेंडर नोटिस नं. 71_डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजन-वर्ष 2024-25 के लिए हैदराबाद/डिवीजन में पुल कार्यों (ब्रिज वर्क्स) के लिए वार्षिक आंचलिक ठेका कार्य। अनुमानित मूल्यः रु. 60,00,000.00, पूधराः रु. 1,20,000.00

टेंडर नोटिस नं. 72_डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजन-सिकंदराबाद-ढोने सेक्शन अप एण्ड डाउन, क्रम सं. 1) 41.33 किमी(138.17 से 167.10 एवम् 169.00 से 181.40) की लम्बाई के लिए सीटीआर(पी) कार्य। क्रम सं. 2) 1) 14.70 किमी(182.40 से 197.10) की लम्बाई के लिए सीटीआर(पी) कार्य। अनुमानित मूल्यः रु. 6,21,35,823.00, पूधराः रु.4,60,700.00

टेंडर नोटिस नं. %3_डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी कार्य विवरणः 1) सीटीआर स्थानों पर साइड ड्रेन्स की मरम्मत। 2) मशीन साइडिंग के लिए पानी की आपूर्ति की व्यवस्था का प्रावधान एवम् बल्लास्ट रिटेनिंग वाल की मरम्मत। अनुमानित मूल्यः रु. 1,52,88,966.41, पूधराः रु. 2,26,500.00

विभागीय रेल प्रबंधक, कार्य, हैदराबाद

टेंडर नोटिस नं. एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-इ11-ओटी-24-25, दि.21-11-2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.16-12-2024 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-01, टेंडर नं. -निविदा सूचना सं. एवं तिथिः एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-इ11-ओटी-24-25 दि.21-11-2024
कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन--डीइएन/इएएसटी/बीजेडए सेक्शन के विभिन्न स्थानों पर 1) टीटीआर कार्य (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-25 सेट्स, टीटीआर कार्य (एफएस+टीडब्ल्यूएस)-3 सेट्स, टीटीआर कार्य(सीएस+सीएमएससी)-6 सेट्स, टीटीआर कार्य(सीएस)-3 सेट्स तथा टीटीआर कार्य(डब्ल्यूसीएमएससी)-9सेट्स। 2) एसआर. डीइएन/दक्षिण/बीजेडए सेक्शन के विभिन्न स्थानों पर टीटीआर कार्य(एफएस+टीडब्ल्यूएस)-1 इन 12 में 8 सेट्स, टीटीआर कार्य(एफएस+टीडब्ल्यूएस)-1 इन 8.5 में 1 सेट, टीटीआर कार्य(एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी)-1 इन 12 में 6 सेट्स, टीटीआर कार्य(एफएस +टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी) 1 इन 8.5 में 3 सेट्स तथा टीटीआर कार्य(डीएस)-12 सेट्स, तत्संबंधित का एसएण्डटी कार्य। निविदा मूल्यः रु.1,38,64,833.60, पूर्व धरोहर राशिः रु.केवल आनलाइन रूप में या बोली सुरक्षा राशि, पूरा करने की अवधिः 365 दिन, सीटीबीः रु.शून्य

क्रम सं. -01, कार्य विवरणः बंद करने की तिथि व समय समयः 15.30 बजे तिथिः16-12-2024
भावी निविदाकरों को सलाह दी जाती है कि, तत्संबंधित निविदा के किसी भी परिवर्तनों/ शुध्दिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।
विभागीय रेल प्रबंधक(एसएण्डटी), विजयवाडा

ई-टेन्डर नोटिस नं. --जीएनटी/इ.15 व 16/टीआरडी/2024-25

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ठेकेदारों से दि. 16.12.2024 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 01, टेंडर टाइटलः जीएनटी डिवीजन-आरएएल-वीएमयु के बीच एलसी नं.285, किमी 31/17-18, सीटीवायएल-एसआरएमआर के बीच एलसी नं.26, किमी 49/15-16, एनडीकेडी-एमसीएलए के बीच एलसी नं.89, किमी 105/20-21 तथा एनडीकेडी-एमसीएलए के बीच एलसी नं.90, किमी 107/14-15 पर तत्संबंधित मिड सेक्शन का प्रस्तावित इन्टरलाकिन्ग कार्य-ओएचइ का परिवर्तन या माडिफिकेशन कार्य। टेंडर संदर्भ सं. जीएनटी/इ.15/टीआरडी/2024-25, दि.21-11-2024, अनुमानित मूल्यः रु.35,66,803/-, पूधराः रु. 71,400/-, निविदा प्रपत्र मूल्य(अप्रतिदेय या गैर-वापसी)-शून्य

क्रम सं.-02 टेंडर टाइटलः गुंटूर डिवीजनः मरकापूर रोड(एमआरके), नन्दयाल(एनडीएल), नडीकुडी(एनडीकेडी) तथा चिट्याला(सीटीवायएल) के गूड्स शेड्स पर सुविधाओं का विकास कार्य-ओएचई का परिवर्तन या माडिफिकेशन। टेंडर संदर्भ सं.- जीएनटी/इ.16/जीएस/टीआरडी/2024-25, दि.21.11.2024, अनुमानित मूल्यः रु.44,67,761/-, पूधराः रु.89,400.00, निविदा प्रपत्र मूल्य(गैर-वापसी)-रु. शून्य।

ई-बोलियों की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 16-12-2024 के 15.30 बजे
तत्संबंधित किसी भी विस्तृत विवरण हेतु दि. 16-12-2024 को अथवा दि.22-11-2024 के 15.30 बजे तक वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लागआन करें। तत्संबंधित किसी भी संचार/शुध्दिपत्र को केवल ई-पोर्टलःwww.ireps.gov.in द्वारा ही सूचित किया जायेगा।
वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/टीआर/गुंटूर

टेंडर नं.-एन-एसजी-36-2024-25-एएलएआरएम-31, दि.22-11-2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता/नांदेड डिवीजन, दमरे, नांदेड द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-टेन्डरिंग माध्यम से दि.16-12-2024 के 15.00 बजे तक खुलीनिविदाएं आमंत्रित हैं।
निविदा तिथिः 22-11-2024

क्रम सं.-01, टेंडर नं.एन-एसजी-36-2024-25-एएलएआरएम-31, कार्य व विवरणः नांदेड डिवीजन के 71 स्टेशनों एवं 12 एन्ड गूमटीज पर, रिले रूम में आरडीएसओ मेक, एक्वीपमेंट रूम तथा बैटरी रूम सहित गैर-आरडीएसओ वर्शन फायर डिटेक्शन एवं अलार्म सिस्टम का प्रतिस्थापन(रिप्लेसमेन्ट) कार्य। अनुमानित मूल्यः रु.5,81,93,023.00, बोली सुरक्षा राशिः रु. 4,41,000.00, पूरा करने की अवधिः09 महिने,
निविदा प्रपत्र मूल्यः रु. शून्य

उपरोक्त निविदा दि.16.12.2024 के 15.00 बजे बंद होगी।
अधिक जानकारी हेतु कृपया वेबसाइटःwww.ireps.gov.in देखें।
वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूरसंचार अभियंता, नांदेड

टेंडर नोटिस नं. सी/एसजी/सी/36/5/398 दि.22-11-2024,

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, उप मुख्य सिग्नल व दूर संचार अभियंता(परियोजनाएं), दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि. 20-12-2024 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 01, टेंडर नं. सी/एसजी/सी/36/5/398, कार्य विवरणः एससी डिवीजन के चिट्टीगिड्डा(सीटीएफ) तथा गुल्लागुडा(जीजीडी) स्टेशनों पर, पुराने एवं घिसेपिटे आउटडोर सिग्नलिंग गियर्स का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट सहित तत्संबंधित सिग्नलिंग व्यवस्था। अनुमानित मूल्यःरु.34916556.46, पूरा करने की अवधिः 12 महिने

तत्संबंधित उपरोक्त सभी जानकारी जैसे, पूरा कार्य विवरण,निविदा शर्तें, योग्यता मापदंड व विस्तृत विवरण, निविदा दस्तावेज की डाउनलोडिंग हेतु कृपया, इंडियन गवर्नमेंट् टेंडर पोर्टल वेबसाइटःwww.ireps.gov.in का अवलोकन करें।
उप मुख्य सिग्नल व दूर संचार अभियंता(पी), सिकंदराबाद

निविदा की शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेज की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

पर्थ टेस्ट के पहले दिन : फास्ट बॉलर्स ने कहर बरपाया

पर्थ, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पर्थ टेस्ट के पहले दिन भारतीय बल्लेबाजों के फ्लॉप शो के बाद बुमराह एंड कंपनी के नेतृत्व में जो काम गेंदबाजों ने किया, उसे शानदार कमबैक कहा जाएगा. भारतीय टीम 150 रनों पर ऑलआउट हुई. उसके बाद बुमराह एंड कंपनी ने ऑस्ट्रेलिया टीम के 7 विकेट गिरा दिए. अब ऑस्ट्रेलियाई टीम संघर्ष कर रही है, उसके 67 रन बने हैं. वहीं भारत अब भी भी कंगारू टीम से 83 रनों से आगे है। भारतीय पारी के पर्थ में सस्ते में निपटने के बाद बुमराह के नेतृत्व में टीम इंडिया के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया. वैसे ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों ने भी कमाल का प्रदर्शन किया. पर्थ टेस्ट मैच के पहले दिन की सबसे बड़ी हाइलाइट्स यह रही कि सभी 17 विकेट तेज गेंदबाजों ने अपने नाम किए।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी : बुमराह का कहर, राणा-सिराज भी छाए

ऑस्ट्रेलिया की टीम इस मैच में संघर्ष कर रही है. बुमराह के नेतृत्व में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया की कमर तोड़ दी. ऑस्ट्रेलिया की ओर से पारी की शुरुआत करने के लिए उस्मान ख्वाजा और नाथन मैक्स्वीनी आए. ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत भारत की तुलना में थोड़ी धुआंधार की. लेकिन डेब्यूमैन मैक्सवीनी (14) बुमराह की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए।
इसके बाद कप्तान जसप्रीत बुमराह ने ही भारत को दूसरी सफलता भी दिलाई. 19 के स्कोर पर उस्मान ख्वाजा (8) लौटे. उन्हें विराट कोहली ने लपका. फरि इससे अगली ही गेंद पर कप्तान बुमराह ने स्टीव स्मिथ (0) का विकेट ले लिया. इस तरह ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 19 रन पर तीन विकेट गंवा दिए. 3 विकेट गंवा कर ऑस्ट्रेलियाई टीम बैकफुट पर दिखने लगी. इसके बाद ट्रेविस हेड (11) हर्षित राणा का पहला इंटरनेशनल विकेट बने. ट्रेविस हेड को अंदर आती गेंद पर क्लीन बोल्ड किया. हेड जब आउट हुए तो कंगारू टीम का स्कोर 31/4 था।
वहीं मिचेल मार्श (6) पर सरिज की गेंद पर केएल राहुल को कैच थमा बैठे. मार्नस लॉबुशेन ने 2 रन बनाने के लिए 52 गेंदें खेलीं, लेकिन वह भी सिराज की गेंद के चक्रव्यूह में फंसकर एलबीडब्ल्यू हो गए. भारतीय टीम की ओर से ऑस्ट्रेलियाई पारी के सबसे ज्यादा 4 विकेट जसप्रीत बुमराह ने लिए. मोहम्मद सिराज को 2 और हर्षति राणा को एक सफलता मिली.

भारत का टॉप ऑर्डर बिखरा, हेजलवुड का 'चौका'

पर्थ टेस्ट में भारत के कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन भारत का यह फैसला फुस्स साबित हुआ. भारत की टीम महज 150 रनों पर ऑलआउट हो गई. भारत को शुरुआती झटका यशस्वी जायसवाल के रूप में लगा जो अपना खाता भी नहीं खोल सके. वह मचिेल स्टार्क की गेंद पर डेब्यूमैन नाथन मैकस्वीनी को कैच थमा बैठे. जायसवाल जब आउट हुए तो भारतीय टीम का स्कोर 5 रन ही हुआ था. इसके बाद इस मैच में नंबर तीन के लिए ट्राई किए गए देवदत्त पडिक्कल भी अपना खाता नहीं खोल सके. देवदत्त अपनी पारी के दौरा बेहद डिफेंसिव नजर आए. उन्होंने कुल मिलाकर 23 गेंदों का सामना किया, पर वह भी जायसवाल की तरह 0 पर आउट हुए. पडक्किल जब आउट हुए तो भारतीय टीम का स्कोर 14/2 हो गया।
विराट कोहली और केएल राहुल से उम्मीद थी कि वह पारी को लंबा खींचेंगे. पर किंग कोहली (5) भी जोश हेजलवुड की गेंद को समझ नहीं सके और उस्मान ख्वाजा को कैच थमा बैठे. इस तरह भारतीय क्रिकेट टीम ने मैच डेढ़ घंटे के अंदर अपने तीन विकेट गवा दिए. विराट जब आउट हुए तो भारतीय टीम का स्कोर 32/3 हो गया. विराट कोहली की इस टेस्ट पारी को जोड़कर 7 पारियां देखी जाएं तो उन्होंने पिछली इतनी पारियों में महज 98 रन बनाए हैं. कुल मिलाकर कोहली का हालिया प्रदर्शन 'महाफुस्स' नजर आ रहा है। पहले 50 रन के अंदर केएल राहुल भी आउट हो गए. भारतीय टीम का स्कोर लंच से पहले 47/4 हो गया. केएल राहुल लग रहा था कि लंबे समय तक टिकेंगे लेकिन वह भी 26 रन बनाकर स्टार्क की गेंद पर आउट हो गए. लंच के बाद ध्रुव जुरेल (11) और वॉशगिंटन सुंदर (4) आउट हुए. जब वॉशिंगटन सुंदर आउट हुए तो भारतीय टीम का स्कोर 73/6 था. इसके बाद टीम इंडयिा के लिए लगातार विकेट गिरते गए और पूरी टीम फरि 150 रनों पर सिमट गई। डेब्यू मैन नीतीश ने सबसे ज्यादा 59 गेंदों पर 41 रन बनाए, जिसमें 6 चौके के अलावा एक सिक्स शामिल रहा. वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 37 और केएल राहुल ने 26 रनों का योगदान दिया. इन तीनों के अलावा ध्रुव जुरेल (11 रन) ही डबल डिजिट में पहुंच सके. ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और मिचेल मार्श ने दो-दो विकेट लिए. जबकि हेजलवुड को सर्वाधिक चार सफलताएं प्राप्त हुईं. ऑस्ट्रेलिया की तरफ से सभी 10 विकेट तेज गेंदबाजों ने निकाले. बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के पहले मैच में भारतीय टीम के कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. इस मैच में भारत और ऑस्ट्रेलिया के 3 नए खिलाडियों का डेब्यू हुआ.

आर्चर आईपीएल-2025 के मेगा ऑक्शन के लिए शामिल

पहले शॉर्टलिस्ट हुए 574 खिलाड़ियों की लिस्ट में नाम नहीं था

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को आईपीएल की नीलामी सूची में फिर से शामिल कर लिया है। कुछ दिन पहले आईपीएल के मेगा ऑक्शन के लिए शॉर्टलिस्ट किए 574 खिलाड़ियों की लिस्ट में उनका नाम शामिल नहीं था। क्रिकइंफो के मुताबिक, गुरुवार को जोफ्रा आर्चरी को आईपीएल ऑक्शन के लिए शामिल किए जाने की जानकारी टीमों को भेज दी गई है। हालांकि, इसके बारे में आईपीएल की ओर से अब तक कोई अधिकारिक बयान नहीं आया है। आईपीएल का मेगा ऑक्शन 24 और 25 नवंबर को सउदी अरब के जेद्दा में आयोजित की जाएगा। 15 नवंबर को आईपीएल टीमों को शॉटलिस्ट किए गए 574 खिलाड़ियों की भेजी गई लिस्ट में जोफ्रा आर्चर, उनके साथी खिलाड़ी मार्क वुड और ऑस्ट्रेलिया ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन का नाम नहीं था। उनका नाम लिस्ट में नहीं होने से काफी सवाल भी उठ रहे थे, क्योंकि तीनों ही खिलाड़ी 2-2 करोड़ की बेस प्राइस पर रजिस्ट्रेशन कराया था। जोफ्रा आर्चर का नाम जब शॉर्टलिस्ट प्लेयर्स में शामिल नहीं था तो ऐसी खबरें सामने आईं थी कि इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने अगले साल होने वाली भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज और अन्य अहम टूर्नामेंट के ध्यान में रखते हुए उनका नाम वापस ले लिया था। क्रिकइंफो के मुताबिक ईसीबी और बीसीसीआई के बीच हुई बातचीत के बाद उन्हें एनओसी दे दी है। आर्चर ईसीबी के सेंट्रल कॉन्ट्रेक्ट में शामिल हैं। उनका अनुबंध अगले साल के सितंबर तक है। ऐसे में उन्हें लीग खेलने के लिए ईसीबी का एनओसी लेना जरूरी है। पिछले साल ईसीबी ने आर्चर को आईपीएल नीलामी में शामिल होने से रोक दिया था ताकि वे चोट से जल्दबाजी में वापसी न करें।

अगले साल 14 मार्च से शुरू होगा आईपीएल का 18वां संस्करण

फाइनल 25 मई को खेला जाएगा

मुंबई, 22 नवंबर (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 14 मार्च से शुरू होगा। बीसीसीआई ने आईपीएल टीमों को यह बताया है और 2026 तथा 2027 सत्र के लिए भी यही विंडो रखी है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया की सबसे अमीर फ्रेंचाइजी क्रिकेट लीग के 18वें संस्करण का फाइनल 25 मई को खेला जाएगा। भले ही स्थान की घोषणा की जानी बाकी है, लेकिन पूरी संभावना है कि फाइनल मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डेन्स में होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि केकेआर ने आईपीएल का 2024 संस्करण जीता था।

15 मार्च से 31 मई तक हो सकता है आईपीएल

उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, 2026 सीजन 15 मार्च से 31 मई के बीच और 2027 सीजन 14 मार्च से 30 मई के बीच खेला जा सकता है। टीमों को भेजे गए पत्र में बोर्ड ने कहा कि अगले तीन सत्र की तारीखें इसलिये साझा की गई है ताकि टीमों को खिलाड़ियों की नीलामी की रणनीति बनाने में मदद मिल सके। तीनों फाइनल रविवार को खेले जाएंगे। आईपीएल 2025 में 74 मैच खेले जा सकते हैं, जो 2022 में आईपीएल में खेले गए 84 मैचों से 10 कम हैं। 2023-27 चक्र के मीडिया अधिकार पहले ही बेचे जा चुके हैं। सभी सदस्य देशों ने बीसीसीआई को अगले तीन सीजन के लिए अपने खिलाड़ियों की उपलब्धता को लेकर आश्वस्त किया है। इससे सभी 10 आईपीएल फ्रेंचाइजी को काफी फायदा होगा।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड ने मंजूरी दी

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, 'क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपने सभी अंतरराष्ट्रीय और घरेलू खिलाड़ियों को 2025 सत्र में खेलने की मंजूरी दे दी है। 2026 में ऑस्ट्रेलिया पाकिस्तान में तीन मैचों की वनडे सीरीज में भाग लेगा। 18 मार्च को सीरीज खत्म होने पर सभी खिलाड़ी आईपीएल खेलने भारत आएंगे। ईसीबी ने एक बयान में कहा है कि उन्होंने 18 केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची सौंपी है जो अगले तीन आईपीएल सत्रों के लिए उपलब्ध रहेंगे। हालांकि, इस सूची से टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स का नाम गायब है। उन्होंने 2025 आईपीएल मेगा नीलामी में प्रवेश नहीं किया है।

ये खिलाड़ी खेलने के लिए उपलब्ध

2025 और 2027 के बीच पूरी तरह से उपलब्ध होने वाले खिलाड़ियों की सूची में जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जॉनी बेयरस्टो, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, सैम करन, बेन डकेट, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, ओली पोप, मैथ्यू पॉट्स, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, ओली स्टोन और रीस टॉपले शामिल हैं। ईसीबी ने संकेत दिया है कि इनमें से कुछ खिलाड़ी 2025-27 की अवधि के दौरान किसी समय अनुबंध से बाहर हो जाएंगे, लेकिन जब वे अनुबंधित होंगे, तो वे आईपीएल में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। इंग्लैंड के गैर केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी अगले तीन सत्र के लिए पूरी तरह उपलब्ध रहेंगे।

24 और 25 नवंबर को मेगा नीलामी

इससे पहले 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में आईपीएल नीलामी होनी है। मेगा ऑक्शन में कई बड़े नाम शामिल हो रहे हैं। इस साल ऑक्शन के लिए शार्टलिस्टेड 574 खिलाड़ियों की लिस्ट में 81 खिलाड़ी ऐसे हैं, जिनका बेस प्राइस दो करोड़ रुपए है। इस बार नीलामी में ऋषभ पंत, केएल राहुल, मोहम्मद शमी, श्रेयस अय्यर, रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल जैसे बड़े खिलाड़ी उतरेंगे। इन सभी ने भी खुद को दो करोड़ रुपए में खुद को लिस्ट किया है।

वहीं, विदेशी खिलाड़ियों में ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, जोस बटलर, डेविड वॉर्नर, जेम्स एंडरसन, ट्रेंट बोल्ट, फाफ डु प्लेसिस जैसे स्टार शामिल हैं।बीसीसीआई ने जेद्दा में रविवार से होने वाली दो दिवसीय नीलामी में चोटों से जूझने वाले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर, भारतीय मूल के अमेरिकी तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर और मुंबई के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज हार्दिक तामोर को भी शामिल करने का फैसला किया है ।

सहवाग ने कूच बिहार ट्रॉफी में 297 रन बनाने पर बेटे आर्यवीर की सराहना की

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने शुक्रवार को अपने बेटे आर्यवीर सहवाग की सराहना की, जिन्होंने शिलांग के पोलो में एमसीए ग्राउंड पर अंडर-19 पुरुष कूच बिहार ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मैच में मेघालय के खिलाफ दिल्ली के लिए खेलते हुए 297 रन बनाए। सहवाग ने एक्स पर लिखा, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, अच्छा खेला, आर्यवीर सहवाग। 23 रन से फेरारी चूक गए। लेकिन शाबाश, जोश बनाए रखो और आप और भी कई बड़े शतक तथा दोहरे और तिहरे शतक बनाएं। खेल जाओ..। 297 रन की मैराथन पारी के दौरान, किशोर ने 51 चौके और तीन छक्के जमाए और दिल्ली को 623/5 पर पहली पारी घोषित करने से पहले विशाल स्कोर तक पहुंचाया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेघालय ने अपनी पहली पारी में 260 रन बनाए। जवाब में दिल्ली के सलामी बल्लेबाज आर्यवीर और अर्नव बुग्गा ने पहले विकेट के लिए 180 रन जोड़े, जबकि बाद में आर्यवीर 108 गेंदों पर 19 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 114 रन बनाकर आउट हो गए। विकेटकीपर-बल्लेबाज वंश जेटली ने 43 रन जोड़े, जिसके बाद धन्या नाकरा और आर्यवीर ने पारी को आगे बढ़ाया और गुरुवार को खेल समाप्त होने तक 468/2 के स्कोर पर 208 रन की बढ़त हासिल कर ली। मेघालय के कप्तान दीपांकर बरुआ ने दिल्ली की गति को रोकने के लिए विभिन्न गेंदबाजी संयोजनों की कोशिश की, लेकिन मेहमान टीम ने सपाट पिच का पूरा फायदा उठाया। मेघालय के पहली पारी के 260 रन के स्कोर को पार करने के बाद, दिल्ली ने आर्यवीर और धन्या के बीच तीसरे विकेट के लिए 188 रन की शानदार साझेदारी करके अपनी स्थिति मजबूत कर ली, जिससे मेजबान टीम की मुश्किलें और बढ़ गईं। इससे पहले दिन में मेघालय ने 239/7 से अपनी पारी फिर से शुरू की, लेकिन केवल 21 रन और जोड़ पाए। क्षितिज सिंघानिया, जो रात भर 52 रन बनाकर नाबाद थे, 62 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन उधव मोहन ने 4/88 का आंकड़ा पार किया।

आउट होने से पहले अंगकित तमांग ने अपने रात के स्कोर 29 में सात और रन जोड़े। आर्यवीर ने अक्टूबर में वीनू मांकड़ ट्रॉफी में पदार्पण किया, जिसमें मणिपुर के खिलाफ 49 रन बनाकर दिल्ली को छह विकेट से जीत दिलाई। वीरेंद्र सहवाग ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, मेरा बेटा 15 साल का है और आईपीएल में खेलने का मौका पाने के लिए पहले से ही कड़ी मेहनत कर रहा है।

पर्थ टेस्ट : 'विवादित' डीआरएस कॉल आउट होने से निराश हुए केएल राहुल

पर्थ, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पर्थ स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट के दौरान भारतीय ओपनर केएल राहुल विवादित तरीके से आउट हो गए। राहुल 23वें ओवर में मिचेल स्टार्क की गेंद पर डिफेंड करने की कोशिश कर रहे थे। इसके बाद मैदानी अंपायर ने उन्हें नॉट आउट दिया था। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने डीआरएस लिया, क्योंकि उन्हें लगा कि गेंद बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर के पास गई थी।
रिव्यू में थर्ड अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ ने अल्ट्रा-एज पर एक स्पाइक देखकर माना कि राहुल के बल्ले का किनारा गेंद से लगा था। हालांकि, यह भी दिखा कि बल्ला पैड से टकरा सकता था। इलिंगवर्थ ने फ्रंट-ऑन एंगल मांगा, लेकिन उन्हें यह नहीं दिया गया। मजबूरी में उन्हें पीछे से मिले अधूरे एंगल के आधार पर फैसला करना पड़ा। जब आउट का फैसला स्क्रीन पर दिखा, तो राहुल हैरान रह गए और ड्रेसिंग रूम की ओर जाते हुए उन्होंने अपना सिर हिला दिया। उन्होंने पहली पारी में 74 गेंदों पर 26 रन बनाए थे। इस फैसले पर कमेंटेटर भी चकित रह गए। भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने फॉक्स स्पोर्ट्स पर कहा, मुझे नहीं लगा कि तीसरे अंपायर के पास मैदानी अंपायर का फैसला पलटने के लिए पर्याप्त सबूत थे। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व गेंदबाज केरी ओ'कीफ ने भी सहमति जताई। उन्होंने कहा, राहुल बदकिस्मत रहे। शायद बल्ला पैड से टकराया होगा। हॉट स्पॉट तकनीक होती, तो यह साफ हो जाता। राहुल का रिएक्शन बता रहा था कि वह निराश थे। चैनल 7 पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर मैथ्यू हेडन ने कहा, गेंद गुजरने के समय बल्ला और पैड साथ नहीं थे। स्निको ने जो आवाज पकड़ी, वह शायद बल्ला-पैड के टकराने की थी, गेंद के किनारे की नहीं। लेकिन पूर्व अंपायर साइमन टॉफेल ने कहा, थर्ड अंपायर ने नतीजे पर पहुंचने की कोशिश की, लेकिन उन्हें सभी कैमरा एंगल नहीं मिले। मुझे लगता है, गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा छुआ। उन्होंने यह भी कहा कि साइड-ऑन शॉट में दिखा कि बल्ला पैड से दूर था और आरटीएस पर पहली आवाज गेंद के बल्ले से टकराने की थी। अगर फुटेज और आगे दिखाई जाती, तो शायद दूसरी आवाज (बल्ला-पैड की) भी साफ हो जाती।

पीसीबी ने अजहर अली को युवा विकास प्रमुख नियुक्त किया

लाहौर, 22 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अजहर अली को भर्ती प्रक्रिया के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के युवा विकास प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया है। पीसीबी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, यह भूमिका अजहर की मौजूदा जिम्मेदारियों का विस्तार होगी, क्योंकि वह पुरुषों की राष्ट्रीय चयन समिति के सदस्य के रूप में भी काम करते हैं। पाकिस्तान क्रिकेट में एक प्रमुख व्यक्ति अजहर ने सीनियर राष्ट्रीय टीम में आगे बढ़ने से पहले 2002 में आईसीसी अंडर19 क्रिकेट विश्व कप में अपना करियर शुरू किया। 2010 और 2022 के बीच, उन्होंने 97 टेस्ट और 53 वनडे खेले, जिसमें नौ टेस्ट और 31 वनडे में पाकिस्तान की कप्तानी की। वह 2017 में पाकिस्तान की ऐतिहासिक आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम के भी अहम सदस्य थे।
युवा विकास के प्रमुख के रूप में, अजहर को व्यापक युवा क्रिकेट रणनीतियों को डिजाइन और लागू करके, मजबूत जमीनी स्तर के क्रिकेट ढांचे और प्रतिभा मार्गों की स्थापना करके, क्षेत्रीय क्रिकेट संघों के साथ मिलकर आयु-समूह कार्यक्रमों को मजबूत करने, पीसीबी के पाथवे कार्यक्रम के तहत उभरते क्रिकेटरों को शिक्षित करने और महत्वाकांक्षी खिलाड़ियों के लिए ऑफ-फील्ड विकास अनिवार्यताओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सेमिनार और क्लीनिक आयोजित करके पाकिस्तान क्रिकेट के भविष्य को आकार देने का काम सौंपा गया है। अजहर ने एक बयान में कहा, मैं इस महत्वपूर्ण भूमिका को निभाने के लिए सम्मानित और उत्साहित हूं। आयु-समूह रैंकों में आगे बढ़ने और व्यापक क्लब और घरेलू क्रिकेट खेलने के बाद, मैं भविष्य के सितारों को आकार देने में जमीनी स्तर के विकास की महत्वपूर्ण भूमिका को समझता हूं। इस क्षेत्र में पहले से ही महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और मैं अपने सहयोगियों के साथ मिलकर हमारे युवा विकास कार्यक्रम को और आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूं। हमारा लक्ष्य होनहार प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें उच्चतम स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उपकरणों से लैस करना है।

अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ ने विश्व सुपर कबड्डी लीग 2025 को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 22 नवंबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) ने विश्व सुपर कबड्डी लीग (डब्ल्यूएसकेएल) 2025 के आयोजन के लिए आधिकारिक तौर पर अनुमति दे दी है। लीग का आयोजन दक्षिण पूर्व एशियाई कबड्डी महासंघ (एसईएकेएफ) और थाईलैंड कबड्डी संघ के सहयोग से किया जा रहा है। डब्ल्यूएसकेएल के आयोजक निकाय एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड को बधाई संदेश में आईकेएफ ने कबड्डी के प्रति उनके समर्पण और दूरदर्शिता की सराहना की। कबड्डी लीग शुरू करना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। इसके लिए न केवल खेल की गहरी समझ की आवश्यकता होती है, बल्कि असाधारण संगठनात्मक कौशल और इस पारंपरिक खेल को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। आईकेएफ के बयान में कहा गया है, आपके प्रयास युवा एथलीटों को प्रेरित करेंगे और कबड्डी के विकास और लोकप्रियता में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। डब्ल्यूएसकेएल में आईकेएफ सदस्य देशों के खिलाड़ी शामिल होंगे, जो मैदान में उतरने से पहले खिलाड़ियों की नीलामी में भाग लेंगे। इससे न केवल खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा, बल्कि लीग को विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त टूर्नामेंट के रूप में भी बढ़ावा मिलेगा। इस साल अगस्त में, दक्षिण पूर्व एशियाई कबड्डी महासंघ ने एसजे अपलिफ्ट कबड्डी प्राइवेट लिमिटेड को 15 साल की अवधि के लिए डब्ल्यूएसकेएल के आयोजन के पूर्ण और अन्य अधिकार प्रदान किए, जिससे लीग के विकास और सफलता के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण सुनिश्चित हुआ।

खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश

फार्मासिस्टों को सरकारी अस्पतालों में जिम्मेदारी निभानी चाहिए: राजा नरसिम्हा

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने सरकारी अस्पतालों में काम करने वाले फार्मासिस्टों से बड़ी जिम्मेदारी के साथ काम करने को कहा है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि तेलंगाना राज्य भर के सरकारी अस्पतालों में दवाओं की कृत्रिम कमी को दूर करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। मंत्री ने शुक्रवार को यहां सचिवालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और सरकारी अस्पतालों में केंद्रीय चिकित्सा भंडार प्रणाली को मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय चिकित्सा भंडार (सीएमएस) के माध्यम से दवाओं की आपूर्ति के लिए फार्मास्युटिकल स्टाफ, आवश्यक बुनियादी ढांचे और

परिवहन वाहनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए उपाय शुरू किए जाने चाहिए। मंत्री ने एक टास्क फोर्स द्वारा किए गए जमीनी निरीक्षण की रिपोर्टों की भी समीक्षा की, जिसे सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रदर्शन की निगरानी के लिए स्थापित किया गया था। इसी क्रम में स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने अधिकारियों को खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मंत्री ने शुक्रवार को सचिवालय में अधिकारियों के साथ बैठक की और खाद्य सुरक्षा उपायों पर पहल की समीक्षा की। बैठक के दौरान स्वास्थ्य आयुक्त आर.वी. कर्णन ने तेलंगाना राज्य भर में खाद्य सुरक्षा पहलों पर एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर मंत्री राजा नरसिम्हा ने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने का निर्देश दिया और खाद्य सुरक्षा टास्क फोर्स को कड़ी निगरानी बनाए रखने को कहा। मंत्री ने खाद्य सुरक्षा प्रयोगशालाओं को मजबूत करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए रसोइयों और खाद्य संचालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने का आह्वान किया।अधिकारियों को खाद्य सुरक्षा में तेलंगाना को एक आदर्श राज्य बनाने और प्रीमियम खाद्य ब्रांड के रूप में हैदराबाद की प्रतिष्ठा को बनाए रखने का निर्देश दिया गया।

माओवादियों ने पुलिस मुखबिर होने का आरोप लगाकर की दो लोगों की हत्या

मुलुगु, 22 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। माओवादियों ने गुरुवार रात वाजेडू मंडल के पेनुगोलू कॉलोनी में पुलिस मुखबिर होने के आरोप में 2 लोगों की हत्या कर दी। माओवादियों ने शवों के पास क्षेत्र सचिव 'शांता' के हस्ताक्षर वाले नोट छोड़े हैं, जिनमें दावा किया गया है कि दोनों मृतक सूचना एकत्र कर उसे एसआईबी को दे रहे थे, जो आतंकवाद विरोधी अभियानों में शामिल एक विशिष्ट खुफिया एजेंसी है।

मारे गए लोगों की पहचान उइका रमेश और उइका अर्जुन के रूप में हुई है। रमेश वाजेडु मंडल में पेरुरु ग्राम पंचायत के सचिव के रूप में कार्यरत थे। रिपोर्टों के अनुसार, माओवादी पार्टी के वाजेडू वेंकटपुरम क्षेत्र सचिव शांता ने एक बयान जारी कर दो व्यक्तियों की हत्या में पार्टी की भूमिका की पुष्टि की।

आर्थिक विकास के लिए लेखा परीक्षा महत्वपूर्ण है : राज्यपाल

हैदराबाद, 22 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लेखापरीक्षा दिवस 2024 भारत के सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्थान के इतिहास और विरासत को याद करने वाले समारोहों की श्रृंखला में चौथा है। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने हैदराबाद में महालेखाकार के कार्यालयों में आयोजित लेखापरीक्षा सप्ताह 2024 के समापन समारोह में भाग लिया। चंदा पंडित, प्रधान महालेखाकार (लेखा और अधिकार) ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने हैदराबाद में नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएंडएजी) के छह क्षेत्रीय कार्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका और कार्यों पर प्रकाश डाला।

पंडित ने इस बात पर भी जोर दिया कि शासन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग के अनुरूप, सीएंडएजी अपनी लेखापरीक्षा और लेखा प्रक्रियाओं को बढ़ाने के लिए उभरते तकनीकी रुझानों का लाभ उठा रहा है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने (सीएंडएजी) की अंतर्राष्ट्रीय भूमिका पर प्रकाश डाला, जिसने हाल ही में एशियाई सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थाओं के संगठन की अध्यक्षता संभाली है और विश्व स्वास्थ्य संगठन, खाद्य एवं कृषि संगठन, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी जैसे संगठनों के लिए बाहरी लेखा परीक्षक के रूप में कार्य करता है।

राज्यपाल ने चौथी शताब्दी ईसा पूर्व से कौटिल्य के अर्थशास्त्र का हवाला देते हुए लेखा परीक्षा के महत्व को स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि कौटिल्य ने जवाबदेही बढ़ाने और हितों के टकराव को कम करने के लिए कोषाध्यक्ष और नियंत्रक-लेखा परीक्षक के लिए अलग-अलग कार्यालय स्थापित करने की सिफारिश की थी। राज्यपाल ने कहा कि कुशल संसाधन आवंटन और आर्थिक विकास के लिए लेखा परीक्षा महत्वपूर्ण है। राज्यपाल ने मेधावी वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारियों और वरिष्ठ लेखा अधिकारियों को पुरस्कार प्रदान किए। वरिष्ठ उप महालेखाकार डी. राजशेखर ने भी बात की।

सीएमआर परिचालन पर बढ़ा दबाव

चावल मिल मालिक नहीं कर रहे नए दिशा-निर्देशों का पालन

हैदराबाद, 22 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में चावल मिल मालिक कस्टम मिलिंग चावल (सीएमआर) के लिए नए दिशानिर्देशों का पालन करने में धीमे रहे हैं, जिससे सीजन के संचालन के शुरुआती चरणों में ही व्यवधान पैदा हो रहा है। सीएमआर संचालन में भागीदारी के लिए अनिवार्य बैंक गारंटी शुरू किए जाने के बावजूद, 3,500 मिल मालिकों में से एक तिहाई से अधिक अभी भी इन आवश्यकताओं के साथ सामंजस्य नहीं बिठा पाए हैं। उन्हें डर है कि उन्हें वित्तीय बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

अनिवार्य बैंक गारंटी ने वित्तीय बोझ की एक नई परत जोड़ दी है, जिससे अनुपालन में देरी हो रही है। मिलर्स अभी भी सरकार द्वारा इस शर्त में ढील दिए जाने की उम्मीद कर रहे हैं। तेलंगाना

राज्य नागरिक आपूर्ति निगम, जो इस साल बंपर धान की फसल के कारण रिकॉर्ड खरीद स्तर हासिल करने का लक्ष्य रखता है, मिलर्स द्वारा गैर-अनुपालन का दबाव महसूस कर रहा है।

बैंक गारंटी मानदंडों को लेकर मिलर्स के बीच मतभेद स्पष्ट है जबकि उच्च मिलिंग क्षमता वाली चावल मिलों ने बड़े पैमाने पर इसका अनुपालन किया है, जिसमें 667 ने बैंक गारंटी शर्तों का सम्मान करने के लिए लिखित रूप से सहमति व्यक्त की है। अलग-अलग क्षमता वाली केवल 992 कच्चे चावल मिलों ने अब तक गारंटी आवश्यकताओं का पालन किया है। नागरिक आपूर्ति निगम ने सीएमआर संचालन के लिए 57.76 लाख मीट्रिक टन क्षमता वाली मिलों पर पहले ही विचार कर लिया है। लेकिन उसे अपने खरीद लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सीएमआर संचालन में और अधिक मिलर्स को शामिल करने की आवश्यकता है।

निगम ने अब तक सीएमआर संचालन में मिलर्स को शामिल करने के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है। निगम अधिकारियों ने कहा कि इस साल मिलर्स के असहयोग के कारण नरम रुख अपनाने का कोई रास्ता नहीं है।

फिर बिखरे मिले जाति जनगणना सर्वेक्षण आवेदन

हैदराबाद, 22 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जाति जनगणना सर्वेक्षण के आवेदन फिर से बिखरे हुए पाए गए और इस बार शहर के तरनाका मेट्रो स्टेशन के पास शुक्रवार को ऐसा हुआ। राज्य में इस तरह की यह दूसरी घटना है। पिछले सप्ताह जाति जनगणना सर्वेक्षण के आवेदन मेडचल में रेकुला बावी चौराहे से येल्लमपेटा तक सड़क के किनारे बिखरे पड़े मिले थे।

तारनाका मुख्य सड़क पर बिखरे आवेदनों के वीडियो सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहे हैं। पिछली बार से अलग, इस बार आवेदन घर-घर जाकर भरे गए, जैसा कि वीडियो में देखा जा सकता है। तारनाका मुख्य सड़क पर जगह-जगह आवेदन पत्र बिखरे पड़े थे। आवेदन पत्रों की परवाह किए बिना लोग पैदल ही अपने काम पर जाते नजर आए। स्मरणीय है कि 4 जनवरी को शहर में बालानगर फ्लाईओवर पर भी प्रजा पालना आवेदन पत्र बिखरे पड़े मिले थे।

महिला टीवी एंकर को परेशान करने के आरोप में शादीशुदा व्यक्ति पर केस

हैदराबाद, 22 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने एक स्थानीय टेलीविजन चैनल की महिला एंकर को कथित रूप से परेशान करने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। संदिग्ध हरीश और 30 वर्षीय एंकर पहले दोस्त थे और शादी करने की योजना बना रहे थे। हालांकि, हरीश ने एक साल पहले किसी दूसरी महिला से शादी कर ली। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इसके बाद से एंकर ने उनसे दूरी बना ली। हालांकि, हरीश ने फोन पर उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया। हाल ही में वह उनके ऑफिस में भी आया और उत्पात मचाया। उसकी शिकायत के आधार पर जुबली हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राहक ने खाने में कॉकरोच मिलने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 22 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कुकटपल्ली के नेक्सस मॉल के पास एक लोकप्रिय टिफिन सेंटर में एक ग्राहक ने अपने खाने में कॉकरोच मिलने का आरोप लगाया है। एक ट्वीट में, जो अब वायरल हो गया है, यूजर ने लिखा कि जब हम मधुरम टिफिन्स में नाश्ते के लिए गए, तो हमें परोसी गई चटनी में कॉकरोच मिले। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि प्रतिष्ठान का रसोईघर अस्वच्छ था, उन्होंने कहा कि रसोई के अंदर शौचालय और उन्होंने कथित तौर पर स्थितियों को दिखाने वाला वीडियो फुटेज भी साझा किया।

ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए ट्वीट किया कि संबंधित खाद्य सुरक्षा टीम को इस मुद्दे पर सतर्क कर दिया गया है, और इसे जल्द से जल्द हल किया जाएगा। इस घटना ने शहर के भोजनालयों में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों को लेकर चिंताएँ पैदा कर दी हैं। उम्मीद है कि जीएचएमसी के अधिकारी जल्द ही परिसर का निरीक्षण करेंगे।

एमएस से बाघ का जैनूर और नारनूर के जंगलों में आना जारी

कुमराम भीम आसिफाबाद, 22 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र का एक बाघ शुक्रवार को चौथे दिन भी जैनूर और नारनूर मंडल के जंगलों में घूमता रहा, जिससे स्थानीय लोग दहशत में हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नांदेड़ और यवतमाल जिलों में स्थित पैनगंगा वन्यजीव अभ्यारण्य में रहने वाला एक नर बाघ जैनूर के पानापतर गांव और नारनूर मंडल के थाडीहाथनूर गांव के जंगलों में घूम रहा था। बाघ 18 नवंबर को नारनूर के जंगलों की ओर चला गया। अधिकारियों ने बताया कि जंगलों में सीसीटीवी कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं, जबकि बड़ी बिल्ली की आवाजाही पर नज़र रखने के लिए पशु ट्रैकर्स की पाँच टीमें तैनात की गई हैं। उन्होंने बताया कि वे हर मंडल में व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्थानीय वन अधिकारी इंस्टेंट मैसेजिंग एप्लीकेशन पर ग्रामीणों को सुझाव दे रहे हैं।

सुंडीला बैराज पुल: महाराष्ट्र में पीडीएस चावल की तस्करी का केंद्र

सालों से इस धंधे में लगे हुए हैं कई व्यापारी

पेद्दापल्ली, 22 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सुंडिला (पार्वती) बैराज का सड़क पुल महाराष्ट्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) चावल के अवैध परिवहन के लिए सुरक्षित क्षेत्र बन गया है। जिले के विभिन्न हिस्सों से चावल एकत्र करने वाले तस्कर, चावल को पड़ोसी राज्य में ले जाने के लिए इस पुल का उपयोग कर रहे हैं। सुंडिला के अलावा अन्नाराम (सरस्वती) बैराज और कालेश्वरम अंतरराज्यीय पुल का भी चावल तस्करी के लिए उपयोग किया गया है।

महाराष्ट्र में पीडीएस चावल की भारी मांग है, इसलिए कुछ अवैध व्यापारी कई सालों से इस धंधे में लगे हुए हैं। पहले वे चावल की ढुलाई के लिए ट्रेन का इस्तेमाल करते थे लेकिन पुलिस की सख्ती के कारण उन्होंने ट्रेनों पर निर्भर रहना बंद कर दिया। इसी समय, कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के तहत सुंडीला बैराज का निर्माण किया गया। यह व्यापारियों के लिए वरदान बन गया है। 9 नवंबर को पुलिस और नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बैराज के पास 25 क्विंटल पीडीएस चावल ले जा रहे एक वाहन को जब्त किया। गोदावरीखानी के श्रीमन गुप्ता के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया।

इस महीने मंथनी और आसपास के इलाकों में अलग-अलग घरों में रखे करीब 50 क्विंटल चावल भी जब्त किया गया। इस साल अप्रैल से अब तक अलग-अलग घटनाओं में करीब 500 क्विंटल चावल जब्त किया जा चुका है। राशन डीलर कार्ड धारकों से 8 से 10 रुपए किलो चावल खरीदकर अवैध व्यापारियों को 12 से 15 रुपए किलो बेच रहे हैं। डीलरों के अलावा अवैध संचालक भी लोगों से इतनी ही कीमत देकर सीधे चावल खरीद रहे हैं। हालांकि, महाराष्ट्र में ये लोग 25 से 30 रुपए किलो चावल बेचकर पैसे कमा रहे हैं।

मंथनी, गोदावरीखानी, पेड्डापल्ली और आसपास के गांवों से एकत्र चावल को अलग-अलग जगहों पर संग्रहित किया जा रहा है। बाद में, उन्हें ऑटो-ट्रॉली, मिनीवैन और वैन में लोड करके पड़ोसी राज्य में ले जाया जाएगा।

सरकार ने किसानों को मझधार में छोड़ दिया

पूर्व मंत्री हरीश ने की रेवंत की आलोचना

खम्मम, 22 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद राज्य में किसानों का जीवन अनिश्चितता में फंस गया है, लेकिन मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के पास किसानों के मुद्दों को हल करने के लिए न तो समय है और न ही रुचि। बीआरएस नेता ने कहा कि वारंगल किसान घोषणापत्र में किए गए किसी भी वादे को पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कपास की फसल के लिए बोनस का वादा पूरा करने में विफल रही। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषि उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य भी नहीं मिल पाया।

हरीश राव ने बीआरएस जिला अध्यक्ष और एमएलसी तथा मधुसूदन, सांसद वद्दीराजू रविचंद्र, पूर्व मंत्री गंगुला कमलाकर और पुववाड़ा अजय कुमार के साथ शुक्रवार को खम्मम कृषि बाजार यार्ड का दौरा किया और किसानों से बातचीत की। जिले में कपास की खरीद शुरू होने के बाद से, प्रत्येक किसान को औसतन प्रति क्विंटल कपास के लिए केवल 6,500 रुपये का भुगतान किया गया, जो %,521 रुपये के एमएसपी से बहुत कम है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक किसान को बाजार में बेची गई प्रति क्विंटल कपास पर 1,000 रुपये का नुकसान हुआ और यदि प्रति क्विंटल 500 रुपये का बोनस न मिलने पर भी नुकसान 1,500 रुपये हो जाता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.